শর্মা হার্ডওয়েৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 111 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 17 नवंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भूपेन बोरा जैसे कांग्रेसियों के गुरु एओ ह्यूम : भाजपा पेज 3

नड्डा ने जारी किया भाजपा का संकल्प पत्र, ढाई लाख नौकरियां और मेधावी... पेज 4

उप्र में 490 करोड़ रुपए के निवेश से बदलेगी नौ ऐतिहासिक धरोहरों की सूरत पेज 5

भ्रष्टाचार के पैसे को निकालकर गरीबों के हित में लगाने की प्राथमिकता... पेज 8

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
संघर्ष ही इंसान को सशक्त और मजबूत बनाता है, फिर चाहे वो कितना भी कमजोर क्यों न हो।।
- अज्ञात

न्यूज गैलरी

वकील के रूप में विचारों के आधार पर आलोचना न हो : सीजेआई

नई दिल्ली। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने विक्टोरिया गौरी को मद्रास हाई कोर्ट की जज नियुक्त करने के सुप्रीम कोर्ट कलेजियम के फैसले का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि केवल वकील के रूप में किसी के विचारों के आधार पर उसकी आलोचना नहीं की जानी चाहिए। विक्टोरिया गौरी मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै पीठ के समक्ष केंद्र सरकार का प्रतिनिधित्व करती थीं। भाजपा से जुड़े होने के आरोपों के बाद जज के रूप में उनकी नियुक्ति विवादों में घिर गई थी। हाई कोर्ट बार के कुछ बार सदस्यों ने सीजेआई -शेष पृष्ठ दो पर

माओवादियों ने दी हमास समर्थक रैली को उड़ाने की धमकी

कोझिकोड। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) ने कोझिकोड के जिला कलेक्टर को एक पत्र भेजकर धमकी दी है। इन माओवादियो ने कथित तौर पर धमकी दी है कि अगर सरकार और पुलिस ने माओवादियों के खिलाफ कार्रवाई को रोका नहीं तो फेक कॉमरेड्स की होने वाली हमास के समर्थन वाली रैली में विस्फोट किया जाएगा। माओवादियों -शेष पृष्ठ दो पर

सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में संवाद-माध्यम पर समुद्रगुप्त कश्यप का मत

गुवाहाटी। सूचना निदेशालय की ओर से आयोजित राष्ट्रीय प्रेस दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगालैंड विश्वविद्यालय के आचार्य डॉ. समुद्रगुप्त कश्यप ने कहा कि जब तक मानव मस्तिष्क को ठीक से नियंत्रित किया जाता है, तब तक कृत्रिम बुद्धिमत्ता का अपकार सीमित रहेगा। *कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में संवाद माध्यम* शीर्षक विषय संदर्भ पर भाषण देते हुए उन्होंने कहा कि आज की कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उदाहरण हजारों साल पहले भारत में महाकाव्य आदि में पाए जा सकते हैं। महाभारत और रामायण में उड़ने वाले रथ और हंस वाहन इसके उदाहरण हैं।

सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय में गुरुवार को आयोजित राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर स्वागत भाषण देते सूचना एवं जनसंपर्क निदेशक मानवेंद्र देव राय, एपीएस। मंच पर मुख्य अतिथि डॉ. समुद्र गुप्त कश्यप के साथ विशिष्ट अतिथिगण।

शोधकर्ता यह भी जानना चाहते हैं कि क्या घटोत्कच एक रोबोट था, डॉ. कश्यप ने कहा कि अरण्य उपन्यास में *जिन* की कहानी भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता का सुझाव देती है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विकास के रुझान और भारत तथा असम में इसके अनुप्रयोग के साथ-साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता के सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं को प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी की प्रगति के कारण मीडिया में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अनुप्रयोग ने पत्रकारों का काम आसान कर दिया है और कृत्रिम -शेष पृष्ठ दो पर

असम मंत्रिमंडल की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय

गुवाहाटी (हि.स.)। आज असम कैबिनेट की हुई बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक के बाद राज्य के लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण मंत्री जयंतमल्ल बरुवा तथा स्वास्थ्य मंत्री केशव महंत ने पत्रकार सम्मेलन को संबोधित करते हुए बैठक के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। इनमें राज्य के 3,576 खिलंजिया (मूल निवासियों) को भूमि का पट्टा देने का निर्णय लिया गया। कैबिनेट में लिए गए निर्णय के अनुसार अब से असम स्टेट सेकेंडरी एजुकेशन बोर्ड (सेबा) और असम उच्चतर माध्यमिक शिक्षा परिषद (एएचएसईसी) मौजूद नहीं रहेगा। इन दोनों बोर्ड को मिलाकर असम राज्य शिक्षा परिषद का गठन किया जाएगा। फरवरी माह में राज्य सरकार का बजट सत्र आयोजित किया जाएगा। कैबिनेट में इलेक्ट्रॉनिक वाहनों के लिए पंजीकरण शुल्क में कटौती को मंजूरी दी गई। वहीं, राज्य के 10 जिलों में *आली आयेंग लृगांग* (असम की मिसिंग जनजाति का मुख्य और जातीय उत्सव है। यह कृषि से संबंधित उत्सव है, जो वसंत ऋतु के आगमन -शेष पृष्ठ दो पर

एनआरसी : 155 करोड़ रुपए के दुरुपयोग वाली याचिका पर प्रतीक हजेला कोर्ट में तलब

गुवाहाटी। असम की एक अदालत ने राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) के पूर्व राज्य समन्वयक प्रतीक हजेला को 17 नवंबर को पेश होने के लिए बुलाया है। कामरूप मेट्रोपॉलिटन जिले के अतिरिक्त जिला और सत्र न्यायाधीश संख्या 1 की अदालत ने लुइत कुमार बर्मन, जो एक असमिया फिल्म निर्माता और व्यवसायी हैं, द्वारा दायर एक आपराधिक पुनरीक्षण याचिका के आधार पर समन का आदेश जारी किया। ध्यान रखें कि आवेदक ने सीआरपीसी की धारा 397 के तहत एक आपराधिक पुनरीक्षण दायर किया है। अदालत ने हाल ही में जारी अपने आदेश में कहा कि आपको आपत्तियां, यदि कोई हो, दर्ज करने के लिए 17 नवंबर 2023 को सुबह 10.30 बजे इस अदालत के समक्ष उपस्थित होने के लिए कहा जाता है। आदेश में आगे कहा गया है कि यदि व्यक्ति अदालत के समक्ष उपस्थित होने में विफल रहते हैं, तो मामले की सुनवाई कानून द्वारा एक पक्षीय की जाएगी। बर्मन ने एनआरसी पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की एक रिपोर्ट के आधार पर याचिका दायर की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि हजेला ने एनआरसी के अपडेशन के दौरान 155 करोड़ रुपए का दुरुपयोग किया। असम के 3.3 करोड़ आवेदकों में से 19.06 लाख से -शेष पृष्ठ दो पर

अतुल बोरा को धमकी देने वाला गिरफ्तार

गुवाहाटी। सोशल मीडिया पर असम के मंत्री अतुल बोरा को धमकी देने के आरोप में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। पुलिस महानिदेशक ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने गुरुवार को ये बात कही। असम पुलिस के आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने मंगलवार को एक मामला दर्ज किया था और बोरा को सोशल मीडिया पर जान से मारने की धमकी मिलने पर जांच शुरू की थी। सिंह ने कहा कि शिवसागर जिले के गौरीसागर में बामुन मोरन गांव के एक 31 वर्षीय युवक को उसके फेसबुक पोस्ट के लिए उठाया गया है, जिसमें कथित तौर पर राज्य के कृषि मंत्री को धमकी दी गई थी। उन्होंने एक्स के एक पोस्ट में कहा कि हिरासत पर्याप्त सबूतों पर आधारित है। बोरा राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार की सहयोगी असम गण परिषद के अध्यक्ष भी हैं। इससे पहले, प्रतिबंधित अल्फा का हिस्सा होने का दावा करने वाले एक व्यक्ति ने एक स्थानीय समाचार पोर्टल के फेसबुक पेज के टिप्पणी अनुभाग में बोरा के क्वार्टर में बम होने की कथित धमकी दी थी।

सीएम ने लिया खेल महारण और सांस्कृतिक महासंग्राम का जायजा

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने आज जनता भवन में आयोजित एक बैठक के दौरान राज्य में चल रहे *खेल महारण* और *असम सांस्कृतिक महासंग्राम* की अद्यतन स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने दोनों प्रतियोगिताओं में अधिक से अधिक युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। अब तक प्रदेश के 48 लाख से अधिक खिलाड़ी ग्राम पंचायत, नगर पालिका, वीसीडीसी और एमएसी स्तर के खेलों में और 9 लाख -शेष पृष्ठ दो पर

राष्ट्रीय मानवाधिकार का सम्मेलन गुवाहाटी में आयोजित

गुवाहाटी (हि.स.)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने आज गुवाहाटी के खानापाड़ा स्थित असम प्रशासनिक अधिकारी प्रशिक्षण महाविद्यालय में *स्थानीय स्व-प्रशासन के माध्यम से मानवाधिकार सुनिश्चित करना* विषय पर एक सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन में पूर्वोत्तर राज्यों के राज्य मानवाधिकार आयोगों के अध्यक्षों, मुख्य सचिवों, पुलिस प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों, संबंधित विभागों के शीर्ष अधिकारियों, जिला परिषदों के अध्यक्षों, मुख्य कार्यकारी अधिकारियों, पंचायत प्रतिनिधियों और गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति (अवकाश प्राप्त) अरुण मिश्रा ने समाज के सबसे गरीब लोगों के लिए न्याय और समान -शेष पृष्ठ दो पर

दो साल में 8 हजार से ज्यादा उग्रवादियों का पुनर्वास : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि पिछले 2 साल में पूरे असम में विभिन्न संगठनों के कुल 8,756 पूर्व उग्रवादियों का पुनर्वास किया गया है। इनमें से सबसे ज्यादा 4,203 कैडर नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट ऑफ बोड़ोलैंड के थे। इसके बाद कार्बी आतंकवादी संगठनों के 1,926 मेंबर और कई आदिवासी चरमपंथी समूहो के 1,182 लोग थे।सीएम हिमंत ने कहा कि पीएम मोदी के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर बड़ी संख्या में उग्रवादियों ने हिंसा का रास्ता छोड़ दिया है और एक नया असम बनाने में हमारी मदद करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों -शेष पृष्ठ दो पर

छत्तीसगढ़ की 70 और मप्र की सभी 230 सीटों पर मतदान आज

नई दिल्ली (हि.स.)। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को मध्य प्रदेश की सभी 230 सीटों और छत्तीसगढ़ की दूसरे चरण की 70 सीटों पर मतदान से जुड़ी तैयारियां पूरी कर ली हैं। स्वतंत्र एवं निष्पक्ष मतदान के लिए सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। दोनों राज्यों में मुख्य मुकाबला भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच में हैं। कांग्रेस छत्तीसगढ़ में सत्तारूढ़ है और मध्य प्रदेश में विपक्ष में है। मध्य प्रदेश की 230 विधानसभा सीटों के लिए प्रात: 7 -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में असम राइफल्स के जवानों पर घात लगाकर हमला

इंफाल। मणिपुर में उग्रवादियों ने गुरुवार सुबह असम राइफल्स के जवानों पर घात लगाकर हमला कर दिया। हालांकि, उग्रवादियों ने जिस समय जवानों पर हमला किया उस समय सभी जवान बख्तरबंद वाहन सवार थे, जिसके कारण उन्हें किसी भी तरह की चोट नहीं आई है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि उग्रवादियों ने यह हमला मणिपुर के तेंग्नौपाल जिले में बख्तरबंद वाहन के नीचे कम तीव्रता वाले इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) विस्फोट से किया। अधिकारी ने बताया कि अर्धसैनिक बलों के जवान बख्तरबंद वाहन में सवार होकर तेंग्नौपाल जिले के सैबोल इलाके में नियमित गश्ती कर रहे थे, तभी करीब आठ बजकर 15 मिनट पर उग्रवादियों ने वाहन को निशाना बनाकर हमला किया। उन्होंने कहा कि यह हमला वाहन के नीचे एक कम तीव्रता -शेष पृष्ठ दो पर

80 करोड़ लोगों को मिलेगा मुफ्त अनाज : पीएम

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को कहा कि वह प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत 80 करोड़ से अधिक लोगों को एक जनवरी, 2023 से एक वर्ष की अवधि तक मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराएगी। इस हिसाब से यह योजना इस साल दिसंबर तक लागू रहेगी। हाल ही में दुर्ग (छत्तीसगढ़) में एक रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की थी कि मुफ्त राशन योजना को अगले पांच वर्षों के लिए बढ़ा दिया गया है। विपक्षी कांग्रेस पार्टी ने इस घोषणा को चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन बताया था। इस समय पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। एक -शेष पृष्ठ दो पर

म्यामांर के हालात पर हमारी सीधी नजर : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने प्रेस कांफ्रेंस कर कई विषयों पर विदेश मंत्रालय का रुख साफ किया है। इसमें उन्होंने भारत-ऑस्ट्रेलिया 2+2 मंत्रिस्तरीय वार्ता की मेजबानी ही साथ ही म्यांमार के विद्रोहियों द्वारा भारत के साथ सीमा पर नियंत्रण करने की कोशिश पर सरकार का रुख पेश किया। इसके साथ ही उन्होंने कनाडा में भारत के उच्चायोग और वाणिज्य दूतावास को लेकर जानकारी दी। भारत-ऑस्ट्रेलिया 2+2 मंत्रिस्तरीय वार्ता पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि हम 2+2 और फिर इसके अगले

संस्करण की मेजबानी करने का भी इरादा रखते हैं। उन्होंने कहा कि इसका उद्घाटन संस्करण आखिरी था, लेकिन हमने अभी तक आधिकारिक तौर पर इसकी घोषणा नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि मेरे पास इस बारे में कोई अपडेट नहीं है। बावजूद इसके अब इसकी मेजबानी करने की हमारी बारी है और हम इसे बहुत जल्द मेजबानी करना चाहेंगे। इसके अलावा, अरिंदम बागची ने म्यांमार के चिन राज्य में दो सैन्य अड्डों पर विद्रोही समूह पीपुल्स डिफेंस फोर्स के हमले के बाद भारत से लगी सीमा पर विद्रोहियों -शेष पृष्ठ दो पर

ट्रेनों में जानलेवा भीड़ : दम घुटने से युवक की मौत

हापुड़। दिवाली के बाद छठ पूजा के चलते पूर्वांचल और बिहार की तरफ जाने वाली ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ कम नहीं हो रही है। गुरुवार को अवध असम एक्सप्रेस में पत्नी के साथ स्लीपर कोच में सवार असम जा रहे युवक को अधिक भीड़ होने के कारण सांस लेने में दिक्कत हो गई, लेकिन ट्रेन के हापुड़ पहुंचने से पहले ही युवक ने दम तोड़ दिया। जीआरपी ने शव को हापुड़ स्टेशन पर उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। राजस्थान के जोधपुर निवासी ललित कुमार पुरोहित अपनी पत्नी जग्गी के साथ अवध असम एक्सप्रेस के कोच संख्या एस-4 में सवार होकर अपनी ससुराल असम के डिब्रूगढ़ जा रहे थे। उनकी पत्नी ने बताया कि बीती रात वह अपने घर से अपने बीमार भाई को देखने के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

सुब्रत रॉय के निधन के बाद भी जारी रहेगा सहारा मामला : सेबी

नई दिल्ली। सेबी अध्यक्ष माधवी पुरी बुच ने गुरुवार को कहा कि समूह के संस्थापक सुब्रत रॉय की मृत्यु के बाद भी सहारा मामला पूंजी बाजार नियामक के लिए जारी रहेगा। रॉय का 75 वर्ष की आयु में लंबी बीमारी के बाद मंगलवार को मुंबई में निधन हो गया। फिक्की के एक कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से बात करते हुए बुच ने कहा कि सेबी के लिए सहारा मामला एक इकाई के आचरण के बारे में है और उन्होंने कहा कि यह जारी रहेगा, भले ही इसमें कोई व्यक्ति हो या नहीं। यह पूछे जाने पर कि रिफंड बहुत कम क्यों है, बुच ने कहा कि पैसा निवेशकों द्वारा किए गए दावों के सबूत के आधार पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त समिति के माध्यम से वापस किया गया था।

यह बताया गया है कि निवेशकों को केवल 138 करोड़ रुपए का रिफंड किया गया है, जबकि सहारा समूह को निवेशकों को आगे रिफंड के लिए सेबी के पास 24,000 करोड़ रुपए से अधिक जमा करने के लिए कहा गया था। सहारा समूह पर पोंजी स्कीम चलाने समेत कई आरोप लगे हैं. रॉय के लिए परेशानियां नवंबर 2010 में शुरू हुईं, जब सेबी ने सहारा समूह की दो संस्थाओं को इक्विटी बाजारों से धन नहीं जुटाने या जनता को कोई सुरक्षा जारी करने से रोकने के लिए कहा कि जबकि रॉय को धन जुटाने के लिए जनता से संपर्क करने से रोक दिया। रॉय को 2014 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर गिरफ्तार किया गया था, क्योंकि वह दो कंपनियों द्वारा निवेशकों को 20,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि वापस न करने से संबंधित अवमानना मामले में अदालत के सामने पेश होने में विफल रहे थे।

पेड़ से लटकता हुआ महिला का शव बरामद

कछार (हिंस)। कछार के धलाई क्षेत्र के जयधनपुर में एक महिला का शव उसके घर के पास एक पेड़ से लटकता हुआ बरामद हुआ। पुलिस ने आज बताया कि मृतक की पहचान ताहेरा बेगम लस्कर (22) के रूप में की गई है। मृतक के मायने वालों ने आरोप लगाया है कि उसके परिवार के सदस्यों ने योजनाबद्ध तरीके से उसकी हत्या की और से इसे आत्महत्या में बदलने के लिए शव को पेड़ पर लटका दिया। सूचना पाकर घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को उतार कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस सिलसिले में एक प्राथमिक की दर्ज कर आगे के कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है।

चिरांग-रिपु संरक्षित वनों की कटाई का आरोपी गिरफ्तार

चिरांग (हिंस)। चिरांग जिले में भारत-भूटान सीमा पर चिरांग-रिपु संरक्षित वन में वनों की कटाई के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। वन विभाग द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार रूनीखाता वन क्षेत्र के वन सुरक्षा कर्मियों की एक टीम ने आज तड़के खुंगरिंग के नंबर एक गौजौनपुरी गांव में छापामारी कर टेंट्रेमा बसुमतारी नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। वन विभाग ने गिरफ्तार व्यक्ति के कब्जे से पेड़ काटने की मशीन भी जब्त की है। वनों की कटाई में कथित संलिप्तता के लिए गिरफ्तार किए गए व्यक्ति से पूछताछ जारी है।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार की मौत

शिवसागर (हिंस)। शिवसागर जिले नाजिरा के निकटवर्ती ढिताईपुखुरी में दारिका पुल पर हुई एक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार की मौत हो गई, जबकि अन्य एक सवार घायल हो गया। पुलिस ने आज बताया कि पल्सर बाइक (एएस-03एक्स-5715) की हुई इस दुर्घटना में नृपेन दास नामक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि बाइक चालक प्राणज्योति गोगोई की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक गोगोई का घर जोरहाट के मेलेंग में बताया जा रहा है।

मणिपुर हिंसा में जिनके घर हुए तबाह उन्हें मिलेगा आवास : राज्य सरकार

इंफाल। मणिपुर सरकार ने बुधवार को उन विस्थापित परिवारों के लिए स्थायी आवास योजना की घोषणा की, जिनके घरों को तीन मई के बाद भड़की जातीय हिंसा के दौरान आग लगा दी गई थी या क्षतिग्रस्त कर दिया गया था। अधिकारियों ने बताया कि मणिपुर घाटी और पहाड़ी इलाकों में करीब 4,800 से 5,000 घरों के नष्ट होने की खबर है। जिन लोगों के पक्के मकान जला दिए गए या क्षतिग्रस्त कर दिए गए उन्हें इस योजना के तहत 10 लाख रुपए दिए जाएंगे। इसके साथ ही जिन लोगों के अर्ध-स्थायी मकान नष्ट हुए, उन्हें सात लाख रुपए की राशि दी जाएगी और जिनके कच्चे मकान जलाए गए या नष्ट किए गए, उन्हें पांच लाख रुपए दिए जाएंगे। आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त या जले मकानों की मरम्मत के लिए पैकेज राशि का 50 प्रतिशत (ढांचे के अनुसार) या मरम्मत की वास्तविक लागत, (जो भी कम हो) हिंसा प्रभावित परिवारों को वितरित की जाएगी। मणिपुर में कुकी-जो जनजातियों के अग्रणी संगठन इंडिजेनस ट्राइबल लीडर्स फोरम (आईटीएलएफ) ने बुधवार को उन क्षेत्रों में स्वशासित प्रशासन स्थापित करने की धमकी दी, जहां ये जनजातियां बहुमत में हैं। आईटीएलएफ महासचिव मुआन टोंबिग ने कहा कि मणिपुर में जातीय संघर्ष शुरू हुए छह महीने से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन अलग प्रशासन की हमारी मांग के संबंध में कुछ नहीं किया गया है। अगर कुछ हफ्तों के भीतर हमारी मांग नहीं सुनी गई, तो हम स्वशासन की स्थापना करेंगे, चाहे कुछ भी करना पड़े। केंद्र भले ही इसे मान्यता दे या नहीं।

एनएससीएन कैडर गिरफ्तार

कोहिमा (नगालैंड) (हिंस)। असम राइफल्स ने नगालैंड पुलिस के साथ मिलकर नगालैंड के मोकोकचुंग जिले के मोंगसेनयिमती गांव के सामान्य क्षेत्र से एनएससीएन (केवाईए) के एक सक्रिय कैडर को गिरफ्तार किया। असम राइफल्स द्वारा आज दी गई जानकारी में कहा गया है कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए एक अभियान के दौरान एनएससीएन कैडर को गिरफ्तार किया गया। इस सिलसिले में आगे के कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है।

बर्मीज सुपारी जब्त

हैलाकांदी (हिंस)। पुलिस की कार्रवाई में 56 बोरी बर्मीज (म्यांमार) सुपारी जब्त की गई। पुलिस ने आज बताया कि बर्मीज सुपारी के खिलाफ हैलाकांदी पुलिस द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर अलगापुर में की गई छापामारी में 56 बोरी लदे ट्रक को जब्त किया गया। पुलिस को देखकर ट्रक का चालक और हैंडीमैन फरार हो गया। जब्त सुपारी का बाजार मूल्य करीब 13 लाख रुपए बताया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आज रात आसमान में होगी उल्काओं की आतिशबाजी

भोपाल (हि.स.)। खगोल विज्ञान में रुचि रखने वालों के लिए 17 नवंबर की रात बेहद रोमांचक होने वाली है। इस दिन रात में टूटते तारों (उल्काओं) की श्रृंखला देखने को मिलेगी। इस दौरान ऐसा लगेगा मानो आसमान में आतिशबाजी हो रही है। भोपाल की नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने बताया कि शुक्रवार को दिन में मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होगा, जबकि इसी रात में पूर्वी आकाश में चमकते उल्काओं की आतिशबाजी मध्यरात्रि 12 बजे से आरंभ होगी। उन्होंने बताया कि उल्काओं को *टूटते तारे* भी कहा जाता है, लेकिन वे वास्तव में तारे नहीं हैं। धूल और छोटी चट्टान जब पृथ्वी के ऊपरी वायुमंडल में बहुत तेज गति से टकराती हैं तो जलने से उत्पन्न आकाश में प्रकाश की धारियां जैसी दिखाई देती हैं, जों उल्का कहलाती हैं। उल्कापात तब होता है जब पृथ्वी किसी धूमकेतु या क्षुद्रग्रह द्वारा गिराए गए मलबे से होकर गुजरती है। वे हर साल लगभग उसी समय फिर से घटित होते हैं, जब पृथ्वी अपनी कक्षा में घूमती है और फिर से मलबे से होकर गुजरती है। सारिका ने बताया कि यह एक औसत बौछार है, जो लगभग प्रतिघंटे 15 उल्का पैदा करती है। लियोनिड्स का निर्माण धूमकेतु टेम्पेल-टटल द्वारा छोड़े गए धूल के कणों से हुआ है, जिसे 1865 में खोजा गया था। उन्होंने बताया कि

उल्कापात देखने के लिये चंद्रमा अस्त होने के बाद मध्यरात्रि तक शहर की रोशनी से जितना हो सके, उतना दूर स्थान पर सिर्फ धैर्य रखकर आकाश में प्रतीक्षा करना होगी, तभी आप प्रकृति का आतिशबाजी देख पाएंगे तो मतदान के बाद खगोलीय आतिशबाजी को देखने के लिए तैयार रहें। सारिका ने बताया कि आकाशीय आतिशबाजी की इस शाम चंद्रमा 18.4 प्रतिशत चमक के साथ रात लगभग 9 बजे अस्त होगा। इस समय आकाश में जुपिटर माइनस 2.88 मैग्नीटयूड से तथा सेटर्न 0.80 मैग्नीटयूड से चमक रहा होगा। तड़के लगभग चार बजे पूर्वी आकाश में चमकता वीनस इस खगोलीय घटनाक्रम की चमक को बढ़ा देगा। वीनस इस समय माइनस 4.31 मैग्नीटयूड से चमक रहा होगा।

पृष्ठ एक का शेष

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के...

बुद्धिमत्ता के योगदान को मीडिया के लिए वरदान के रूप में लिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि डीप फेक जैसी तकनीक का नकारात्मक प्रभाव पड़ा है और हर किसी को इसके बारे में पता होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से बनाए गए समाचार एंकर भविष्य में मनुष्यों द्वारा समाचारों के कवरेज को सीमित कर सकते हैं। अपनी प्रारंभिक टिप्पणी में वक्ता ने भारतीय प्रेस परिषद की स्थापना के इतिहास के बारे में बताया और भारत और असम में मीडिया के अग्रदूतों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि चूंकि मीडिया समाज का दर्पण है, इसलिए यह शोध का विषय है कि क्या मीडिया ने समाज की रुचियों को नष्ट कर दिया है या क्या मीडिया ने समाज के लिए कुछ बदलाव किए हैं। वहीं जनसंपर्क निदेशक मानवेंद्र देब रॉय ने स्वागत भाषण दिया। बैठक में *नियमिया वार्ता* के संपादक नरेश कलिता, *असम राइजिंग* के प्रधान संपादक भूपेन भट्टाचार्य, *दैनिक असम* के कार्यकारी संपादक दिलीप महंत और *प्रतिदिन टाइम* के प्रधान संपादक नितुमणि सैकिया सहित प्रमुख पत्रकारों ने भी अपना-अपना विचार व्यक्त किया। बैठक में सूचना, जनसंपर्क, मुद्रण और लेखन सामग्री विभाग के सचिव अरुंधती चक्रवर्ती, अनुभवी पत्रकार बैकुंठ नाथ गोस्वामी और पद्मा पातर तथा *दैनिक पूर्वोदय* के संपादक रवि शंकर रवि, *दैनिक बातोरी* के संपादक अनिल बर्मन, *असमिया खबर* के कार्यकारी संपादक विश्वजीत दास और वरिष्ठ पत्रकार बिजय शंकर बोरा के साथ-साथ सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के आला अधिकारी तथा कर्मचारियों ने भाग लिया। मालूम हो कि प्रशासन एवं समाचार एजेंसियों के सहयोग से जिला और अनुमंडल स्तर के सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालयों में भी राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया गया।

असम मंत्रिमंडल की...

के समय मनाया जाता है।) के अवसर पर बंद का एलान किया गया है। कैबिनेट द्वारा रास समितियों को राहत प्रदान करने का फैसला लिया गया है। इसके तहत प्रत्येक रास समिति को 25 हजार रुपए की सहायता दी जाएगी। यह सहायता तीन साल या उससे पुरानी रास समितियों को दी जाएगी।

एनआरसी : 155 करोड़ रुपए...

अधिक आवेदकों को एनआरसी की पूरी सूची से बाहर कर दिया गया था जो अगस्त 2019 में प्रकाशित हुई थी। हजेला असम-मेघालय कैडर के 1995 बैच के आईएएस अधिकारी हैं, जिन्हें अगस्त में असम सरकार से वीआरएस की मंजूरी मिली थी। सुप्रीम कोर्ट, जिसने सीधे एनआरसी के अद्यतनीकरण की निगरानी की, ने एनआरसी के कारण उनके जीवन को खतरे को देखते हुए 2019 में उन्हें उनके गृह राज्य मध्य प्रदेश में स्थानांतरित कर दिया। उनके खिलाफ असम में दो अन्य मामले लंबित हैं। एक उनके उत्तराधिकारी हितेश देव शर्मा ने एनआरसी कार्यालय में दायर किया था। देव शर्मा ने आरोप लगाया कि हजेला ने अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को एनआरसी में अपना नाम शामिल कराने में मदद की थी। असम पब्लिक वर्क्स नामक एक संगठन ने उन पर एनआरसी अद्यतन प्रक्रिया में हेरफेर करने का आरोप लगाते हुए एक प्राथमिकी भी दर्ज की थी।

सीएम ने लिया खेल ...

से अधिक खिलाड़ी सांस्कृतिक महासंग्राम में पंजीयन करा चुके हैं। उक्त बैठक में 37वें राष्ट्रीय खेलों के पदक विजेताओं को सम्मानित करने और खेल नीति के अनुसार राज्य सरकार द्वारा उन्हें सरकारी नौकरियों में नियुक्त करने की व्यवस्था पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने खेल विभाग को इस संबंध में एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए।

राष्ट्रीय मानवाधिकार का...

अधिकार सुनिश्चित करने में स्थानीय प्रशासन और पंचायती राज संस्थानों के महत्व पर जोर दिया। समारोह में बोलते हुए, असम सरकार के मुख्य सचिव पवन कुमार बोरठाकुर ने राज्य में कानून का शासन और नागरिक केंद्रित सेवाएं प्रदान करके समाज में असमानताओं को खत्म करने के लिए राज्य सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर प्रकाश डाला। उन्होंने राज्य के 332 पुलिस स्टेशनों में सीसीटीवी कैमरा लगाने, 10वीं कक्षा के पाठ्यक्रम में मानवाधिकार पाठ को शामिल करने आदि जैसे कदमों का भी उल्लेख किया। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के संयुक्त सचिव डीके नीम ने स्वागत भाषण दिया और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के महासचिव भरत लाल ने भी समारोह को संबोधित किया। इसके बाद *स्थानीय स्वशासन के माध्यम से मानवाधिकार सुनिश्चित करना* विषय पर एक तकनीकी बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा और सह-अध्यक्षता असम राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति अरूप कुमार गोस्वामी ने की। असम सरकार के पंचायत और ग्रामीण विकास सचिव मुनींद्र शर्मा, संयुक्त सचिव, अरुणाचल प्रदेश राज्य मानवाधिकार आयोग जलश पार्टीन, आधुनिक इंडिया फाउंडेशन के कार्यकर्ता अमृत चांगमाई ने कहा कि पंचायती राज संस्थाओं को असमानता और मानवाधिकारों के हनन को खत्म करने के लिए जमीनी स्तर पर विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं को लागू करना चाहिए। सुरक्षा की दिशा में उठाए जा सकने वाले उपायों की उन्होंने विस्तृत व्याख्या की। दूसरी ओर, राज्य मानवाधिकार आयोग के सदस्य डॉ ध्यानेश्वर एम मूले की अध्यक्षता में और नगालैंड राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति एस सर्टोर की अध्यक्षता में पूर्वोत्तर में स्थानीय स्व-प्रशासन के मानवाधिकारों की रक्षा के उत्कृष्ट कार्य पर दूसरी तकनीकी बैठक में डॉ नरेंद्र कुमार, महानिदेशक, राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान, हैदराबाद शामिल थे। डॉ टी विजय कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, पूर्वोत्तर क्षेत्रीय केंद्र, राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान ने भाग लिया और पूर्वोत्तर क्षेत्र के मानवाधिकारों के संरक्षण और लोक कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए किए गए उत्कृष्ट कार्यों के बारे में बताया। बाद में, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष और अन्य सदस्यों ने विभिन्न पूर्वोत्तर राज्यों के मुख्य सचिवों और पुलिस महानिदेशकों के साथ बैठक की। बैठक में विभिन्न पूर्वोत्तर राज्यों के राज्य मानवाधिकार आयोगों के अध्यक्षों और सदस्यों ने भी भाग लिया।

दो साल में ...

में 8,756 पूर्व उग्रवादियों का पुनर्वास किया गया है। शर्मा 2021 में पूर्वोत्तर असम के मुख्यमंत्री बने थे। असम के सीएम ने कहा कि आत्मसमर्पण-सह-पुनर्वास नीति और स्वावलंबन योजना के तहत उन्होंने कौशल विकास प्रशिक्षण प्राप्त किया और अब एक सम्मानजनक जीवन जी रहे हैं। स्वावलंबन केंद्र की एक सह-अंशदायी पेंशन योजना है, जिसका उद्देश्य असंगठित क्षेत्र के लोगों को अपनी सेवानिवृत्ति के लिए स्वेच्छा से बचत करने के लिए प्रोत्साहित करना और ऐसे ग्राहकों के लिए नई पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के संचालन की लागत को कम करना है।

छत्तीसगढ़ की 70 ...

से शाम 6 बजे तक मतदान होगा। प्रदेश में संवेदनशील मतदान केंद्रों की संख्या 17,032 है। इन सभी में अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराई जा रही है। नक्सल प्रभावित बालाघाट जिले की 3 विधानसभा बैहर, लांजी और परसवाड़ा तथा मंडला के 55 और डिंडोरी के 40 मतदान केंद्रों पर सुबह 7 से अपराह्न 3 बजे तक वोटिंग होगी। मतदान प्रक्रिया में कुल 5.59 लाख सामान्य मतदाता भाग लेंगे। इनमें लगभग 2 करोड़ 87 लाख पुरुष मतदाता, 2 करोड़ 71 लाख महिला मतदाता और 1292 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। प्रदेश के कुल 230 विधानसभा क्षेत्रों के लिए 2533 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। इनमें 2280 पुरुष, 252 महिला और 1 थर्ड जेंडर है। छत्तीसगढ़ की 70 विधानसभाओं में मतदान सुबह 8 बजे से शाम पांच बजे तक होगा। इसमें कुल 1.63 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें महिला और पुरुषों का अनुपात लगभग बराबर है। आयोग ने इस चरण के लिए 18833 मतदान केंद्र बनाए हैं। इसमें 1670 अतिसंवेदनशील और 109 संवेदनशील केंद्र हैं जहां अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है और माइक्रो ऑबजर्वर तैनात किए गए हैं। इस चरण में 958 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं।

मणिपुर में असम ...

वाले आईईडी विस्फोट से किया गया। हालांकि, बख्तरबंद वाहन के अंदर मौजूद होने के कारण कोई भी सैनिक घायल नहीं हुआ। पुलिस अधिकारी ने बताया कि वाहन के नीचे विस्फोट होने के बाद उग्रवादियों ने तुरंत उन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। हालांकि, सैनिकों की जवाबी कार्रवाई में सभी हमलावर मौके से भाग गए। उन्होंने कहा कि अर्धसैनिक बलों की जवाबी कार्रवाई में कितने हमलावर घायल या मारे गए हैं इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। अधिकारी के मुताबिक, असम राइफल्स हमलावरों को पकड़ने के लिए एक अभियान शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि तलाशी अभियान के तहत पुलिस ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है।

80 करोड़ लोगों ...

आधिकारिक बयान में खाद्य मंत्रालय ने कहा कि केंद्र सरकार एक जनवरी, 2023 से एक वर्ष की अवधि के लिए पीएमजीकेएवाई के तहत अंत्योदय अन्न योजना (एएवाई) और प्राथमिकता वाले परिवार (पीएचएच) के लाभार्थियों को मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध करा रही है। पिछले साल दिसंबर में केंद्र सरकार ने पीएमजीकेएवाई को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) में शामिल करने का फैसला किया था। मुफ्त में अतिरिक्त खाद्यान्न उपलब्ध कराने के लिए 2020 में पीएमजीकेएवाई शुरू की गई थी। एनएफएसए के तहत 75 प्रतिशत ग्रामीण आबादी और 50 प्रतिशत शहरी आबादी को दो श्रेणियों-अंत्योदय अन्न योजना (एएवाई) और प्राथमिकता वाले परिवार (पीएचएच) योजना में कवर किया जा रहा है। मंत्रालय ने कहा कि गरीब लाभार्थियों के वित्तीय बोझ को दूर करने और एनएफएसए का प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए मुफ्त अनाज का वितरण किया जा रहा है।

म्यामांर के हालात...

की ओर से नियंत्रण किए जाने संबंधी अटकलों पर भी जवाब दिया है। उन्होंने म्यांमार के विद्रोहियों द्वारा सीमा पर नियंत्रण करने की कोशिश पर भी बात की। उन्होंने कहा कि हम अपनी सीमा के करीब ऐसी घटनाओं से बेहद चिंतित हैं। म्यांमार में चल रही स्थिति पर हमारी स्थिति बहुत स्पष्ट है। हम हिंसा को खत्म करना चाहते हैं। हम रचनात्मक बातचीत के माध्यम से स्थिति की बहाली या समाधान की बात करते हैं। हम म्यांमार में शांति, स्थिरता और लोकतंत्र की वापसी के लिए अपना आह्वान दोहराते हैं। उन्होंने कहा कि म्यामांर में साल 2021 में संघर्ष शुरू हुआ था। जिसके बाद से बड़ी संख्या में म्यांमार के नागरिक भारत में शरण ले रहे हैं। ऐसे में म्यामांर सीमा के भारती राज्यों में स्थानीय अधिकारी मानवीय आधार पर स्थिति को उचित रूप से संभाल रहे हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि दूसरा वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन कल वर्चुअल मोड में आयोजित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उद्घाटन सत्र सुबह 10 बजे शुरू होगा। इसके बाद दोपहर 12:30 बजे से इसमें चार समानांतर मंत्रिस्तरीय सत्र होंगे। दोपहर में चार और समानांतर मंत्रिस्तरीय सत्र निर्धारित हैं। ये शाम 04:00 बजे शुरू होंगे। इनमें विदेश मंत्री और ऊर्जा मंत्रियों के सत्र शामिल होंगे। स्वास्थ्य और वाणिज्यऔर अंत में, फिर से एक लीडर सत्र होगा। इसका समापन सत्र शाम 06:30 बजे होगा। इस दौरान उन्होंने कनाडा को लेकर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि कनाडा में हमारा उच्चायोग और वाणिज्य दूतावास नियमित रूप से कांसुलर शिविरों का आयोजन करते हैं। ऐसा ही एक शिविर पेंशनभोगियों को जीवन प्रमाण पत्र प्रदान करने के लिए 12 नवंबर को वैंकूवर के पास आयोजित किया गया था। कुछ कट्टरपंथी तत्वों द्वारा इसे बाधित करने की कोशिशों के बावजूद यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया था। हमारे महावाणिज्य दूत उस स्थल पर मौजूद नहीं थे। उन्होंने कहा कि हम राष्ट्रों को राजनयिक संबंधों पर वियना कन्वेंशन का सम्मान करने की आवश्यकता दोहराते हैं ताकि हमारे राजनयिक अपने राजनयिक दायित्वों का निर्वहन कर सकें। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने आगे कहा कि जहां तक उन घटनाओं का सवाल है जिनका आपने दिवाली में ब्रैम्पटन या मिसिसॉगा के पास जिक्र किया था। मुझे लगता है कि यह दोनों समूहों के बीच अशांति की प्रकृति में था। मुझे नहीं लगता कि वहां कोई घटना हुई है। हमारे वाणिज्य दूतावास को शिकायत मिली है। इसके अलावा, मैंने कुछ सोशल मीडिया रिपोर्ट देखी हैं। वहां के अधिकारी उस घटना की जांच कर रहे हैं, इसलिए मेरे पास इसमें जोड़ने के लिए और कुछ नहीं है। इसके अलावा उन्होंने गाजा में अल-शिफा अस्पताल को लेकर कहा कि यह सुविधा के बारे में नहीं है। भारत ने हमेशा मानवीय राहत की आवश्यकता को रेखांकित किया है। हमने वहां तनाव कम करने के बारे में भी बात की है। उन्होंने कहा कि भारत आतंकी हमलों की निंदा करता हैं। यमन में भारतीय नागरिक की मौत की सजा मामले में भी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यमन की राजधानी सना की शीर्ष अदालत ने उसकी दया याचिका खारिज कर दी है। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली हालिया घटनाक्रम से अवगत है और मामले पर नजर बनाए हुए है। उन्होंने कहा कि भारत उस भारतीय नागरिक को हर संभव राजनयिक सहायता प्रदान कर रहा है, लेकिन चूंकि यह वहां भी एक कानूनी मुद्दा है। ऐसे में हम जो भी कांसुलर सहायता कर सकते हैं, दे रहे हैं। लेकिन यह उनके देश में भी एक कानूनी प्रक्रिया है। हम देखेंगे कि हम किस तरह से इस प्रक्रिया को जारी रख सकते हैं। बता दें कि यह मामला एक भारतीय नागरिक से जुड़ा है। उसे 2020 में यमन में मौत की सजा सुनाई गई थी। उसकी अपील को अपीलीय अदालत और फिर यमन के सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया था। उस पर एक यमनी नागरिक की हत्या का आरोप है। इस दौरान उन्होंने भारत-ब्रिटेन एफटीए को लेकर भी जानकारी दी। बागची ने कहा कि विदेश मंत्री जयशंकर की यूके के पीएम सुनक के साथ मुलाकात के दौरान एफटीए पर चर्चा हुई थी। उन्होंने बताया कि दोनों पक्ष इस मुद्दे पर विचार कर रहे हैं कि हम कैसे इस मुद्दे पर किसी अंतिम निष्कर्ष पर पहुंच सकते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि कतर की एक अदालत से आठ पूर्व भारतीय नौसेना कर्मियों को दी गई मौत की सजा के खिलाफ अपील की प्रक्रिया चल रही है और उम्मीद है कि इसका सकारात्मक नतीजा निकलेगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि भारत इस मामले पर कतर के अधिकारियों के साथ संपर्क में है और सरकार भारतीय नागरिकों को सभी कानूनी तथा दूतावास संबंधी सहायता देना जारी रखे है।

ट्रेनों में जानलेवा ...

निकले थे। जैसे ही सुबह ट्रेन दिल्ली रेलवे स्टेशन से चली तो यात्रियों को भीड़ बढ़ गई। पत्नी ने बताया कि ललित को सांस की दिक्कत थी। कोच में अधिक भीड़ बढ़ जाने के कारण उनको अधिक परेशानी होने लगी। ट्रेन के दिल्ली स्टेशन से निकलने के बाद सांस लेने में दिक्कत होने लगी और सीने में दर्द होना शुरू हो गया। इसके बाद दर्द बढ़ता गया, जिसके कारण ललित बेहोश होकर गिर गया। इसकी सूचना रेलवे कंट्रोल रूम को दी गई, जिसके बाद हापुड़ स्टेशन पहुंचने पर जीआरपी ने ललित कुमार को उतारकर अस्पताल पहुंचा, जहां चिकित्सकों ने उसे मृतक घोषित कर दिया। जीआरपी चौकी प्रभारी सर्वेश कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृत्यु का सही कारण पोस्टमार्टम के बाद ही चिकित्सक द्वारा बताया जा सकेगा।

वकील के रूप में ...

को पत्र लिखकर गौरी को अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने की सिफारिश को वापस लेने की मांग की थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि विक्टोरिया गौरी ने ईसाइयों और मुसलमानों के खिलाफ नफरत भरे भाषण दिए थे। हार्वर्ड ला स्कूल सेंटर में कानूनी पेशे पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीजेआई ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट कलेजियम ने उनके कथित भाषण की प्रकृति को बहुत ध्यान से देखा और केंद्र सहित सभी पक्षकारों के साथ इस पर विचार-विमर्श किया गया। सीजेआई ने कहा कि हमने इसे बहुत ध्यान से देखा। न्यायाधीश द्वारा कथित तौर पर दिए गए भाषण की प्रकृति को बहुत ध्यान से देखा गया। इसको लेकर एक प्रक्रिया है कि हम हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से रिपोर्ट मंगाते हैं और फिर वह रिपोर्ट सरकार के साथ साझा की जाती है।

माओवादियों ने दी ...

का ये पत्र बुधवार को कलेक्टर कार्यालय को मिला था। इसके बारे में पुलिस को शिकायत दे दी गई है। जिला प्रशासन के अधिकारी ने इस बारे में बताया कि माओवादियों की तरफ से मिले पत्र में कहा गया है कि सरकार कोझिकोड जिले की जरूरतों पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय *विदेशी आतंकवादियों* के लिए रैलियां आयोजित कर रही है। उन्होंने यह भी कहा है कि माओवादियों को गलत तरीके से निशाना बनाया जा रहा है। उनके खिलाफ झूठे मामले दर्ज किए जा रहे हैं। पत्र में माओवादियों ने कहा है कि अगर सरकार ने यह सब बंद नहीं किया तो कोच्चि में यहोवा में सम्मेलन के दौरान जो हुआ, वैसा ही कुछ जिले में *फेक कॉमरेड्स की हमास रैली* के दौरान हो सकता है। अधिकारी ने यह भी कहा कि नादक्कवु पुलिस स्टेशन के एसएचओ को मामले के बारे में जानकारी दे दी गई है। वहां माओवादियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। नादक्कवु पुलिस स्टेशन के अधिकारी ने कहा कि आईपीसी और केरल पुलिस अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया। बता दें कि यह पत्र राज्य के कन्नूर और वायनाड जिलों में माओवादियों और केरल पुलिस की विशेष टीमों के बीच हालिया सशस्त्र टकराव के मद्देनजर आया है।

भूपेन बोरा जैसे कांग्रेसियों के गुरु एओ ह्यूम : भाजपा

गुवाहाटी (हिंस)। पंडित दीन दयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसी स्मरणीय विभूतियां भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक थे। हमें उन पर सदैव गर्व है। भारतीय जनता पार्टी ने सदैव उन्हें सम्मानपूर्वक याद किया है। भाजपा या जनसंघ की स्थापना के बाद से भारतीय जनता पार्टी को आज यहां तक लाने वाले सभी महान संतों को भाजपा नमन करती है। लेकिन, कांग्रेसियों को कांग्रेस के संस्थापक एओ ह्यूम को अपना गुरू कहने में शर्म आती है। भाजपा की ओर से कहा गया कि देश के लोगों के अधिकारों के बारे में चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। देश के लोगों के अधिकारों के बारे में कांग्रेस को चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। ये बातें आज प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता सुभाष दत्त ने कही। भूपेन बोरा ने न केवल असमिया राष्ट्रीय जीवन के दो महान संतों का अपमान किया है, बल्कि कभी-कभी भगवान कृष्ण के पूर्ण अवतार की तुलना लव जिहादियों से करके दोनों महान संतों के आदर्शों को भी त्याग दिया है। इसलिए उनके लिए बेहतर होगा कि वे दोनों गुरुओं को राजनीतिक बहस में न घसीटें। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि असमिया जीवन में महापुरुष गुरुओं का योगदान कांग्रेस के लंबे शासन के दौरान संदिग्ध अवैध अप्रवासियों ने न केवल हमारे सत्र की भूमि पर अतिक्रमण किया, बल्कि इन लोगों के नाम पर भूमि पट्टे पर भी दे दी। असम के लोग कांग्रेस सरकार के कुकर्मों को नहीं भूले हैं, जिसने असम की सत्र भूमि को नष्ट कर दिया है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद उसने असम में सत्र संस्थाओं की जमीन को मुक्त कराने सहित अपनी राष्ट्रीय जिम्मेदारियों को पूरा किया है। कांग्रेस नेता भूपेन बोरा को याद रखना चाहिए कि ऐसे समय में जब कांग्रेस सरकार ने असम के सत्रों के संचित संसाधनों को संरक्षित करने के लिए कोई उपाय नहीं किया था। इसके विपरीत, भारतीय जनता पार्टी सरकार *असम दर्शन* योजना के माध्यम से सभी छोटे-बड़े सत्र संस्थानों को एक महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल में बदलने में सक्षम रही है। आज महापुरुष गुरुजन की जन्मस्थली बटद्रवा थान दुनिया की सबसे प्रतिष्टित संस्थानों में से एक बन गई है। भाजपा सरकार ने दस वर्षों तक भूपेन बोरा के प्रतिनिधित्व वाले बारह वैष्णवों की पवित्र भूमि बिहपुरिया में श्रीश्री माधवदेव कलाक्षेत्र का काम पूरा कर लिया है। इसलिए, भूपेन बोरा को याद रखना चाहिए कि केवल डॉ. हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ही कांग्रेस द्वारा नष्ट किए गए महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव और श्री माधवदेव गुरुओं के संसाधनों को वापस पा सकती है और असम के स्थानीय जीवन को समृद्ध करने के लिए इन विरासतों को भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित कर सकती है। यह मत भूलें कि उसने स्वीकार कर लिया है। इसलिए, वह कभी-कभी दो महान गुरुओं को गुरु कहने का नैतिक अधिकार खो देते हैं। दोनों गुरुओं के आदर्शों को कांग्रेस का आदर्श कहना अत्यंत अहंकार है और इसे वे राजनीतिक कायरता ही मानेंगे। प्रवक्ता ने कहा कि भाजपा कभी नहीं भूली है और हमेशा उन लोगों को श्रद्धांजलि और सम्मान देती है, जिन्होंने अपनी स्थापना के बाद से भारतीय जनता पार्टी की सेवा की है। कांग्रेस अब अपने संस्थापक एओ ह्यूम के उदाहरण का अनुसरण कर रही है। लेकिन, वे कांग्रेस कार्यालय में एओ ह्यूम की तस्वीर नहीं रखते हैं। इसलिए इन लोगों पर कार्रवाई करना जरूरी है। कांग्रेस पार्टी की स्थापना करने वाले व्यक्ति को लोग कांग्रेसियों का गुरु कहना पसंद करेंगे।

त्रिपुरा में एक करोड़ रुपए का ड्रग्स जब्त, तस्कर फरार

अगरतला (हिंस)। बांग्लादेश की सीमा पर स्थित त्रिपुरा के सिपाहीजाला जिले के मेलाघर से पुलिस ने करोड़ों रुपए मूल्य का ड्रग्स जब्त किया है। सिपाहिजाला के पुलिस अधीक्षक बी रेड्डी ने आज बताया कि पुलिस गुप्त सूचना के आधार पर पिछले 3-4 दिनों से फारूक हुसैन नामक एक तस्कर पर नजर रख रही थी। सूचना के अनुसार उसने भारी मात्रा में ड्रग्स रखा था। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ दिनों से इस ड्रग्स के भंडार के बारे में जानकारी मिल रही थी। पुलिस अधिकारी अभियान चलाने से पहले फारूक हुसैन पर नजर रख रहे थे। मेलाघर थाना के प्रभारी देबाशीष साहा के नेतृत्व में फारूक के घर पर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान लगभग एक करोड़ रुपए का ड्रग्स जब्त किया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने फारूक हुसैन के घर के एक परित्यक्त कमरे में छिपाई गई 35 हजार 200 याबा गोलियां और फेंसिडिल की 158 बोतलें जब्त की। छापेमारी के दौरान फारूक हुसैन को पकड़ा नहीं जा सका, क्योंकि वह पुलिस के पहुंचने की सूचना पाकर फरार हो गया। हालांकि, पुलिस अधीक्षक रेड्डी ने आश्वासन दिया है कि तस्कर को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

शौचालय की टंकी से बरामद शव मामले का आरोपी गिरफ्तार

दरंग (हिंस)। जिले के बानेकुची में शौचालय की टंकी से बरामद युवती का अधगला शव मामले में हितेश कलिता नामक व्यक्ति को आज गुवाहाटी से गिरफ्तार किया गया। शव की पहचान नलबाड़ी की जामेनी वैश्य के रूप में की गई है। उल्लेखनीय है कि यह शव कल बानेकुची गांव के कलितापाड़ा बस्ती के एक परिवार के शौचालय की टंकी से गला हुआ मिला था। परिवार के लोगों ने शौचालय जाते समय शव देखा था। एक बोरे के अंदर मृतक युवती का शव मिला था। मृतक लड़की की पहचान कल नहीं हो पाई थी। पाथरीघाट पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू की थी।

शिक्षक को गोली मारकर बदमाश लूट ले गए बाइक और नकद

गोलाघाट (हिंस)। बोकाखात के लताबाड़ी में रामदेव मंदिर के पास गुरुवार दोपहर बंदूकधारियों ने एक शिक्षक की गोली मारकर घायल कर उनसे बाइक और रुपए छीनकर ले भागे। बाइक के मालिक शिक्षक की पहचान बोकाखात के सेउजीपार गांव के उदय चांगमाई के रूप में की गई है। बोकाखात के दिफलूपथार हाई स्कूल के शिक्षक उदय चांगमाई स्कूल की छुट्टी के बाद बोकाखात स्थित अपने घर जा रहे थे, तभी बोकाखात के लताबाड़ी स्थित रामदेव मंदिर के पास बदमाशों ने गोली चलाकर उन्हें घायल कर दिया और बजाज बाइक (एएस-05टी-7203) छीनकर नकदी के साथ ले गए। घायल उदय चांगमाई को बोकाखात के शहीद कमला मिरी अनुमंडलीय सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया और प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर ईलाज के लिए जोरहाट मेडिकल कालेज हॉस्पिटल (जेएमसीएच) रेफर कर दिया गया।

त्योहारी सीजन में चलेंगी वन-वे स्पेशल ट्रेनें

गुवाहाटी (हिंस)। इस त्योहारी सीजन में यात्रियों की सुविधा के लिए पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) ने कुछ और वन-वे स्पेशल ट्रेनों को चलाने का निर्णय लिया है। यह फेस्टिव स्पेशल ट्रेनें उधना जंक्शन रेलवे स्टेशन से न्यू जलपाईगुड़ी और कटिहार रेलवे स्टेशनों के लिए चलेंगी। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) के सीपीआरओ सब्यसाची डे ने गुरुवार को बताया है कि स्पेशल ट्रेन संख्या 09015 (उधना- न्यू जलपाईगुडी) 17 नवंबर को उधना से 14 बजे प्रस्थान कर 19 नवंबर को न्यू जलपाईगुड़ी 8.30 बजे पहुंचेगी। 16 नवंबर को उधना से 6 बजे प्रस्थान हुई एक अन्य स्पेशल ट्रेन संख्या 09019 (उधना- कटिहार) 17 नवंबर को कटिहार 23:00 बजे पहुंचेगी। दोनों स्पेशल ट्रेनें भुसावल, जबलपुर, सतना, सोनपुर जंक्शन, हाजीपुर, खगड़िया जंक्शन, कटिहार होकर चलेंगी। यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेनें अनारक्षित रूप से चलेंगी, जिसमें स्लीपर और जनरल सीटिंग कोच होंगे। 15 नवंबर को एक और स्पेशल ट्रेन संख्या 09135 बिहार जाने वाले यात्रियों के लिए उधना से कटिहार के लिए रवाना हुई।

अवैध तस्करी 12 गायों के साथ पिकअप वैन जब्त

नगांव (हिंस)। पुलिस की आंखों में धूल झोंककर राज्य में गायों की अवैध तस्करी जारी है। जिले के रोहा के डिमौ में गुरुवार को अवैध तस्करी कर लाई गई 12 गायों के साथ एक पिकअप वैन (एएस-02डीसी-2878) को जब्त किया गया। इसी दरम्यान भीड़ को देखकर गाड़ी का ड्राइवर और खलासी चुपके से फरार हो गए। उल्लेखनीय है कि नगांव से गुवाहाटी की ओर आ रही पिकअप वैन को गाड़ी फाइनेंस कंपनी के एजेंटों ने रोहा के डिमौ में किस्तों का भुगतान नहीं करने के कारण जब्त कर लिया। गाड़ी में 12 गायों को तिरपाल से ढंककर रखा गया था। गायों को देखकर स्थानीय लोगों के आगे आने पर चालक और खलासी भाग गए। बाद में जनता ने गाय के साथ वाहन को रोहा पुलिस को सौंप दिया।

कोकराझाड़ : कालझाड़ विसीडीसी चेयरमैन के खिलाफ धरना-प्रदर्शन

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के दोतमा ब्लॉक के अंतर्गत कालझाड़ गांव में आज लोगों ने कालझाड़ के विसीडीसी चेयरमैन को हटाए जाने की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन किया। इस धरना-प्रदर्शन कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में पुरुष व महिलाएं उपस्थित थीं। धरना-प्रदर्शन के दौरान लोगों ने विसीडीसी इलियास अली अहमद पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए जमकर नारेबाजी की। वहीं विसीडीसी हटाओं के नारे भी लगाए। इसके अलावा लोगों ने विसीडीसी चेयरमैन हटाओं, कालझाड़ बचाओ आदि के नारे लगाए। गुस्साए लोगों ने भ्रष्टाचारी विसीडीसी को हटाए जाने सहित बीटीआर के चीफ प्रमोद बोड़ो एवं विधायक लोरेंस इस्लारी से कड़ी कार्रवाई करने की मांग की।

लायंस उमंग ने स्कूली बच्चों संग बांटीं दीवाली की खुशियां

गुवाहाटी (विभास)। बाल दिवस के मौके पर लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग की सदस्याओं ने आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के स्कूली बच्चों को भ्रमण कराया। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी प्रियंका गर्ग ने बताया कि अध्यक्ष कंचन पोद्दार के नेतृत्व में नारंगी स्थित एचएल पोद्दार पब्लिक स्कूल के बच्चों को चिड़ियाखाना का भ्रमण कराया एवं वहां मौजूद जीव जंतु एवं जानवरों की ज्ञानवर्धक जानकारी दी गई। इससे पूर्व क्लब की ओर से भरलुमुख स्थित एलपी स्कूल के बच्चों संग दिवाली की खुशियां बांटी गई। इस दौरान क्लब की ओर से बच्चों के बीच दिए, तेल, मोमबत्ती सहित मिठाई व अन्य वस्तुएं वितरित की गई। जिलापाल (प्रथम) सीमा गोयनका

के मार्गदर्शन में आयोजित इन सभी परियोजनाओं को सफल बनाने में अध्यक्ष कंचन पोद्दार, सचिव संगीता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष स्वाती चौधरी सहित सभी सदस्याओं का भरपुर सहयोग रहा।

वन बंधु परिषद की विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित

नगांव। बंधु परिषद एकल अभियान के अंतर्गत होजाई, नगांव एवं मोरीगांव जिले को मिलाकर नगांव अंचल बनाया गया है जिसके अंतर्गत 300 गांव में एकल अभियान के तहत नगांव अंचल द्वारा पंचमुखी सेवा प्रदान की जा रही है जिस में संस्कार, बाल शिक्षा, आरोग्य, विकास, एवं जागरण शिक्षा गांव एवं कस्बो में बच्चों को प्रदान की जा रही है। बच्चों के स्वास्थ्य एवं शारीरिक स्वास्थ्य के लिए एकल अभियान ने *खेलेगा भारत तभी तो खिलेगा भारत* के अंतर्गत अभ्युदय यूथ क्लब के तहत सभी ग्रामों में खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। और सभी ग्रामों के विजई प्रतियोगियों को नगांव के पुलिस रिजर्व फील्ड में अंचल स्तर (जिला स्तर) पर खेल करवाए गए। इसी कड़ी में बाल दिवस के अवसर पर 14 नवंबर को पुलिस रिजर्व फील्ड में स्पोर्ट्स मीट के तहत खेलेगा भारत तभी तो खिलेगा भारत स्लोगन के साथ अंचल स्तरीय खेल खुद स्पर्धा आयोजित की गई। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में एन आइ सी के क्रिकेट कोच एवं असम के पूर्व रणजी क्रिकेट खिलाड़ी वर्तमान मुंबई निवासी धीराज कुमार दास थे। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वल

करवा कर उन्हें मंचासीन करवा कर उनका फुलाम गमछा पहनाकर अभिनंदन किया गया। साथ ही सभी खेलों में खेलों के निर्णायक मंडलि के सदस्यो का भी फुलाम गमछा पहनकर अभिनंदन किया गया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण किया गया एवं असम के जातीय गीत का गायन किया गया। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में खेलों से जुड़ी विभिन्न बातें सभी खिलाड़ियों के बीच रखी एवं एकल अभियान द्वारा चलाए जा रहे सभी कार्यक्रमों की प्रशंसा करते हुए सभी खिलाड़ी बच्चों को स्पर्धा में जितने हेतु अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की। एकल अभियान नगांव अंचल के अध्यक्ष राधारमण खाटूवाला ने भी अपने संबोधन में खेल कूद में अंश ग्रहण करने वाले सभी बच्चों को शुभकामनाएं दी। मुख्य अतिथि धीराज कुमार दास द्वारा तीन रंगों के गुब्बरो को आसमान में छोड़ने के साथ ही प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया गया, इसमें आचार्य योग प्रतियोगिता कबड्डी, लांग जंप, हाई जंप, कुश्ती, 100 मी, 200 मी, एवं 400 मीटर दौड़ का आयोजन किया गया सभी स्पर्धाओं को करवाने में नगांव की क्रीड़ा संस्था के निर्णायक मंडली एवं एकल अभियान के कार्यकर्ता तथा आचार्य का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ। 4:30 बजे से आयोजित समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में नौगांव सदर समष्टि के विधायक रूपक शर्मा उपस्थित हुए विधायक श्री शर्मा का असम की संस्कृति फुलाम गमछा से अभिनंदन किया गया तथा उन्होंने अपने संबोधन में एकल अभियान नगांव अंचल द्वारा किए जा रहे कार्यों हेतु अध्यक्ष राधारमण खटुवाला को साधुवाद दिया। सभी विजय प्रतियोगियों को प्रथम द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार के रूप में सर्टिफिकेट एवं मोमेंटो तथा कलम प्रदान किए गए। कार्यक्रम के अंत में नगांव अंचल के सचिव रतन बगड़िया ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में नगांव अंचल महिला समिति की अध्यक्ष बबीता बगड़िया, उपाध्यक्ष रेखा अग्रवाल, सचिव विद्या चौधरी के अलावा भाग समिति की अध्यक्ष प्रेमलता टिंबरेवाल, उपाध्यक्ष ललित कोठारी, सचिव सुधा अग्रवाल एवं अंचल के सदस्य रतन जाजोदिया, जगदीश लोहिया, राजेंद्र प्रसाद मूंधड़ा, ओम प्रकाश जाजोदिया, रमेश अग्रवाल, के अलावा कई गण मान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

बोड़ो साहित्य सभा का 72वां स्थापना दिवस आयोजित

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम थाना के अंतर्गत लांदनपाड़ा में बोड़ो साहित्य सभा के दोतमा प्राइमरी समिति की और से 72वां स्थापना दिवस मनाया गया। इस मौके पर आज सुबह बोड़ो साहित्य सभा के दोतमा प्राइमरी समिति के अध्यक्ष दिबाकर ब्रम्ह ने संगठन का झंडा फहराया। इसके बाद बोड़ो जाति के लिए शहीद हुए बोड़ो थूंगलाइ के प्रतिमूर्ति के ऊपर आब्सू के कोकराझाड़ जिला समिति के अध्यक्ष कृपस दैमारी ने माल्यार्पण किया। इसके बाद कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने श्रद्धांजलि दी। अतं में एक सभा का आयोजन किया गया।

मेघालय में धू-धू कर जलने लगा चलता हुआ ट्रक

शिलांग (मेघालय) (हिंस)। मेघालय के सोनापुर में आग लगने से एक ट्रक जलकर राख हो गया। ट्रक में आग उस समय लगीं जब ट्रक सड़क पर चल रहा था। पुलिस ने आज बताया कि आज तड़के दो बजे के बाद ट्रक अचानक जलने लगा। करीब ढाई घंटे तक जलने के बाद ट्रक पूरी तरह जलकर राख हो गया। ट्रक कछार दिशा से मेघालय जा रहा था। ट्रक के जलने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। हालांकि, ड्राइवर और सह-चालक की जान बच गई। आग लगते ही दोनों ने ट्रक से कूद कर अपनी जान बचा ली। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

महालक्ष्मी ग्रुप के एक्सीलेंस कांक्लेव 2023 और दीवाली मीट संपन्न

गुवाहाटी। महालक्ष्मी ग्रुप ने आशी अप्सरा कन्वेंशन हॉल में बीते 14 नवंबर को एक्सीलेंस कांक्लेव 2023 का आयोजन किया। महालक्ष्मी ग्रुप के इस कार्यक्रम में मूल रूप से वर्ष के दौरान गतिविधियों और उपलब्धियों को प्रतिबिंबित करने और विस्तार को भविष्य की योजनाओं को तैयार करने और ग्रुप के कर्मचारियों की असाधारण उपलब्धियों को पहचानने के लिए आयोजित की गई थी। कार्यक्रम की शुरुआत सुश्री जयश्री कलिता के स्वागत भाषण से हुई और सभी विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर इसका उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर संजय केडिया द्वारा आरंभ ग्रुप की विकास यात्रा की कथा साझा की गई। उन्होंने ग्रुप के सामने वाली चुनौतियों पर चर्चा की और महालक्ष्मी ग्रुप की सफलता को कहानी सुनाई। दूसरी ओर ग्रुप के चेयरमैन नवीन सिंघल ने ग्रुप की विकास यात्रा के प्रति उनके समर्पण और प्रतिबद्धता के लिए प्रत्येक कर्मचारी को धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हर चुनौती एक अवसर लाती है और हमें जीवन में आगे बढ़ने के लिए इसका उपयोग करने की आवश्यकता है। उन्होंने

भविष्य की योजनाओं को भी साझा किया और बताया कि ग्रुप कोयला और कोक के अपने मुख्य व्यवसाय से एक बड़े विविधीकरण कार्यक्रम के लिए जा रहा है और कहा कि खनन के अलावा प्रिंटिंग पेपर और सीमेंट उद्योग भी शुरू किया जाएगा, जिसके लिए प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है। कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल करने वालों को स्मारक-चिह्न देकर सम्मानित किया गया और पुरस्कार वितरित किए गए। कटक प्लांट के प्रमुख पूर्णचंद्रन जी को स्टार कलाकार का पुरस्कार दिया गया। अन्य पुरस्कार विजेता आरपी सिंह और अभिजीत साहा थे। ग्रुप के कई अन्य सदस्यों को भी उनके असाधारण कार्य और ग्रुप के साथ लंबे समय से जुड़े रहने के लिए सम्मानित किया गया। पुरस्कार ग्रुप के चेयरमैन, निदेशकों और अन्य भागीदारों द्वारा वितरित किए गए। इस अवसर पर निदेशक, भागीदार और विशिष्ट अतिथि नवीन सिंघल, विपिन सिंघल, विमल अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, अमित भरेच, बुधराम बंसल, विश्वात्मा गांधी और श्याम मल उपस्थित थे। दिवाली मिलन समारोह की मेजबानी नवीन सिंघल और सपना सिंघल ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ की। दिवाली मिलन महालक्ष्मी ग्रुप का एक वार्षिक कार्यक्रम है और इसमें विशिष्ट अतिथि दिवाली के सदभाव और उत्सव का जश्न मनाने के लिए शामिल होते आए हैं।

नड्डा ने जारी किया भाजपा का संकल्प पत्र, ढाई लाख नौकरियां और मेधावी छात्राओं को 12वीं के बाद फ्री स्कूटी का वादा

जयपुर, (हि.स.)। राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी का आपणो अग्रणी राजस्थान संकल्प पत्र 2023 जारी कर दिया गया। गुरुवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने यहां संकल्प पत्र जारी कर राज्यवासियों के लिए मनभावन कई योजनाओं को पूरा करने की प्रतिबद्धता जताई। भाजपा ने गरीब परिवारों की छात्राओं को पीजी तक मुफ़्त शिक्षा और 12वीं पास मेधावी छात्राओं को फ्री में स्कूटी देने साथ ढाई लाख युवाओं को नौकरी देने का वादा किया है। भाजपा का यह संकल्प पत्र कांग्रेस की गारंटियों का जवाब माना जा रहा है। भाजपा के आपणो अग्रणी राजस्थान संकल्प पत्र 2023 में प्रदेश की सभी गरीब परिवारों की छात्राओं को केजी से पीजी तक मुफ़्त शिक्षा, 12वीं पास मेधावी छात्राओं को फ्री स्कूटी, पेपर लीक से मुक्ति, मिडडे मील, खनन, जल जीवन और पीएम आवास योजना में घोटलों की जांच को लेकर एसआईटी का गठन, 2.5 लाख नौकरियां, हर जिले में महिला थाना व हर पुलिस स्टेशन में महिला डेस्क, एंटी रोमियो स्क्वायड की स्थापना, 40 हजार करोड़ का भामाशाह हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन, पंद्रह हजार डॉक्टर और बीस हजार पैरामेडिकल स्टाफ की नई नियुक्तियां, लाडो प्रोत्साहन योजना बालिका के जन्म पर दो लाख के सेविंग बॉन्ड से वित्तीय सहायता, लखपति दीदी योजना के अंतर्गत 6 लाख से ज्यादा ग्रामीण महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण, पीएम उज्ज्वला योजना की सभी महिलाओं को 450 रुपये प्रति सिलेंडर सब्सिडी, आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को यूनिफॉर्म आदि के लिए 1200 रुपये की वार्षिक सहायता, पर्यटन कौशल कोष बनाकर 5 लाख युवाओं को प्रशिक्षित कर रोजगार अथवा स्वरोजगार, आईआईटी और एम्स की तर्ज पर हाई डिवीजन में राजस्थान इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी एवं राजस्थान इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंस, मानगढ़ धाम को भव्य ट्राइबल डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने के साथ गेहूं 2700 रुपये क्विंटल खरीदने का वादा किया गया है। इस मौके पर पार्टी अध्यक्ष नड्डा ने कांग्रेस पर जमकर वार किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान में हर साल पेपर लीक हुए हैं। युवाओं के साथ कांग्रेस ने धोखा किया है। विधवा पेंशन में कांग्रेस से घोटाला किया था। प्रदेश में महिलाओं के साथ अत्याचार हुआ। राजस्थान में किसानों के साथ तिरस्कार हुआ। अब हम राजस्थान को मुख्य धारा में शामिल करेंगे। राजस्थान के लिए केंद्र सरकार ने बहुत कुछ किया है। हम डबल इंजन की सरकार चाहते हैं। घोषणा पत्र समिति के अध्यक्ष अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि आपणो राजस्थान अभियान सुझाव आपका संकल्प हमारा कार्यक्रम पार्टी ने चलाया है। एलईडी रथ यात्रा, घर-घर जनसंपर्क, ईमेल, व्हाट्सएप, मिस कॉल, वेबसाइट के माध्यम से सुझाव आमंत्रित किए गए। करीब एक करोड़ नागरिकों से सुझाव प्राप्त हुए हैं। इसके अलावा व्यापारियों, प्रोफेशनल्स के साथ भी चर्चा की गई। सभी समूह के साथ विशेष बैठकें हुई। इनसे अच्छे सुझाव मिले हैं। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहाकि संकल्प पत्र भाजपा का नहीं जनता का संकल्प पत्र है। भाजपा दिव्य और प्रगतिशील राजस्थान बनाएगी। युवाओं के सपनों को उड़ान मिले ऐसा संकल्प पत्र बनाया गया है। जोशी ने कहा कि कुछ लोगों ने गारंटी दी थी, वह फेल हो गई है। इससे पूर्व जेपी नड्डा गुरुवार को एक दिवसीय प्रवास पर सुबह जयपुर एयरपोर्ट पर पहुंचे। जहां भाजपा प्रदेश पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। भाजपा संकल्प पत्र को तैयार करने के लिए केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, सह संयोजक राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी, किरोड़ी लाल मीणा, राष्ट्रीय मंत्री और पूर्व विधायक अलका सिंह गुर्जर, पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष राव राजेंद्र सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष महरिया, प्रभुलाल सैनी और राखी राठौड़ ने करीब डेढ़ महीने तक लगातार अलग-अलग बैठकों के जरिए और आम पब्लिक के सुझाव लिए थे।

ऑडिटर को आलोचक नहीं, सुशासन का मार्गदर्शक समझा जाए : राष्ट्रपति

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को कहा कि ऑडिटर को आलोचक नहीं बल्कि सुशासन का मार्गदर्शक समझा जाए। ऐसा मार्गदर्शक, जिसकी स्क्रूटनी से सही राह पर चलने की सीख मिलती है। राष्ट्रपति ने नई दिल्ली में सीएजी मुख्यालय में ऑडिट दिवस समारोह में अपने संबोधन में कहा कि नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के नेतृत्व में सरकार की ऑडिटर बॉडी ने अखंडता, शासन और प्रणाली निर्माण को मजबूत करने में योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि आज सीएजी की पूरी टीम से अपेक्षा की जाती है कि वे ऐसे नियंत्रक और परीक्षक के रूप में योगदान दें, जो देश की विकास यात्रा में सहयात्री भी हो तथा मार्गदर्शक भी हो। निकट भविष्य में भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनाने में आप सब की विशेष भूमिका रहेगी। उन्होंने कहा कि वित्तीय औचित्य तथा वैधानिकता सुनिश्चित करते हुए त्वरित वृद्धि और विकास के राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में आने वाले अवरोधों को दूर करना, सीएजी सहित, सुशासन के लिए जिम्मेदार प्रत्येक संस्था एवं व्यक्ति के प्रभावी योगदान की कसौटी है। राष्ट्रपति ने कहा, ऑडिटर को आलोचक नहीं बल्कि सुशासन का सूत्रधार समझा जाए; ऐसा मार्गदर्शक समझा जाए जिसकी स्क्रूटनी से सही राह पर चलने की सीख मिलती है। राष्ट्रपति ने कहा कि बाह्य लेखा परीक्षक के रूप में भारत के सीएजी द्वारा संयुक्त राष्ट्र से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण संस्थानों का ऑडिट किया गया है। अन्य अनेक प्रतिष्ठित अंतर-राष्ट्रीय संस्थान ऑडिट के लिए भारत की सीएजी की टीम की सेवाएं प्राप्त करते हैं। यह सीएजी टीम की विश्व-स्तरीय दक्षता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि इस दौर में औपनिवेशिक मानसिकता से बाहर आकर समतामूलक और लोकतान्त्रिक सोच के साथ आगे बढ़ने को एक राष्ट्रीय प्राथमिकता का दर्जा दिया गया है। परंपराओं और व्यवस्थाओं में जो कुछ उपयोगी है, उसे हम जारी रखें तथा जो कुछ समता, लोकतन्त्र तथा त्वरित विकास के अनुरूप नहीं है, उसे छोड़ दें या सुधारें। राष्ट्रपति ने कहा कि आज हमारे देशवासी वर्ष 2047 तक एक विकसित भारत के निर्माण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ना चाहते हैं। सीएजी सहित, देश के सभी महत्वपूर्ण संस्थानों और समुदायों को इस लक्ष्य को प्राप्त करने में अपना योगदान देना है।

लोकसभा के महासचिव ने संसद परिसर में हिंदी पखवाड़े का किया उद्घाटन

नई दिल्ली, (हि.स.)। लोकसभा के महासचिव उत्पल कुमार सिंह ने गुरुवार को संसद परिसर में हिंदी पखवाड़ा, 2023 का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में लोकसभा सचिवालय के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सिंह ने हिंदी पखवाड़े में आयोजित की जा रही अनेक प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए अपना नाम दर्ज कराने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के उत्साह की सराहना की। इन प्रतियोगिताओं में वाद-विवाद, भाषण, टंकण आदि शामिल हैं। सिंह ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के प्रेरणादायक नेतृत्व में लोकसभा सचिवालय के अधिकारी और कर्मचारी हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। सिंह ने विशेष रूप से गैर हिंदी भाषी अधिकारियों द्वारा हिंदी सीखने और इसे अपने दैनिक जीवन में उपयोग करने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने अन्य क्षेत्रीय भाषाओं के भी व्यापक एवं उचित प्रयोग का सुझाव दिया। उन्होंने हाल ही में संपन्न पी20 शिखर सम्मेलन को सफल बनाने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा की गई कड़ी मेहनत की भी प्रशंसा की। हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों में लगभग 800 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। हिंदी पखवाड़े का उद्देश्य सरकारी कामकाज और दैनिक जीवन में हिंदी भाषा के प्रयोग को प्रोत्साहित करना है।

उत्तरकाशी टनल में फंसे मजदूरों के परिजनों एवं अन्य श्रमिकों में बढ़ रहा गुस्सा

- सरकार रेस्क्यू के लिए हर संभव प्रयास कर रही है : वीके सिंह

उत्तरकाशी, (हि.स.)। उत्तरकाशी के सिल्क्यारा टनल में फंसे 40 मजदूरों के परिजनों, स्थानीय लोगों एवं अन्य श्रमिकों का सब्र गुस्से में तब्दील हो रहा है। सभी सुरंग की कार्यदायी संस्था को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। कुछ श्रमिकों द्वारा बताया जा रहा है कि 12 नवम्बर को सुरंग के 200 मीटर हिस्से का मलबा पहले हल्के से नीचे गिरा। इस जगह पर लगातार मलबा गिरता था और श्रमिक भीतर काम पर जाते वक्त यहां से बचकर निकलते थे। उस दिन जब हल्का मलबा गिरा तो एक शॉटक्रिट मशीन व एक बूमर मशीन काम कर रही थी लेकिन मलबा गिरते ही ऑपरेटर मशीन छोड़ कर भाग गए और दोनों मशीनें वहीं दबी हैं। यानि जब पाइप डालने का कार्य आगे बढ़ेगा तो ये मशीनें भी बाधा बन सकती हैं। श्रमिक बताते हैं कि भूस्खलन वाले हिस्से का स्थायी उपचार के बजाय काम आगे बढ़ा दिया गया और इस हिस्से पर सरिया के रिब लगाए गए। 32 एमएम सरिया मलबे के भार को नहीं सह पाई और टनों मलबे से सुरंग पट गई। उन्होंने बताया कि सुरंग के दो हजार मीटर से इक्कीस सौ मीटर वाले हिस्से को स्थायी नहीं किया गया है और यहां मलबा हटाते ही और मलबा ऊपर से गिर जाता है। फिलवक्त बाहर खड़े लोगों का गुस्सा बढ़ रहा है। फिलहाल अधिकारी लगातार उन्हें समझा रहे हैं और उम्मीद दिला रहे हैं कि श्रमिक जल्द बाहर आ जाएंगे। एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, पुलिस पूरी मेहनत से राहत एवं बचाव कार्य में जुटी है। गुरुवार को उत्तरकाशी के सिल्क्यारा टनल साइट पर पहुंचे केंद्रीय राज्य मंत्री जनरल (रिटा.) वीके सिंह ने टनल में फंसे मजदूरों के परिजनों से वार्ता कर उन्हें भरोसा दिलाया कि सरकार रेस्क्यू के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। संयम रखें और सरकार के प्रयासों में सहयोग करें।

देवांगना कलीता की याचिका पर दिल्ली पुलिस को नोटिस, अगली सुनवाई 17 जनवरी को

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली हिंसा के मामले में पिंजरा तोड़ संगठन की सदस्य देवांगन कलीता की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है। उन्होंने जाफराबाद में 23 फरवरी, 2020 को नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ हुए प्रदर्शन के वीडियो फुटेज की कॉपी मांगी है। जस्टिस अमित बंसल की बेंच ने मामले की अगली सुनवाई 17 जनवरी को करने का आदेश दिया। याचिका में देवांगन कलीता ने कहा है कि पुलिस ने इस मामले में अंतिम रिपोर्ट दाखिल कर दी है, उसके बावजूद उसे इलेक्ट्रॉनिक तथ्य उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। कलीता पिंजरा तोड़ संगठन से जुड़ी कलीता पर 22 फरवरी, 2020 को जाफराबाद मेट्रो स्टेशन के पास सड़क जाम करने के लिए लोगों को उकसाने का आरोप है। कलीता को यूएपीए के मामले में जमानत मिल चुकी है। उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों में 53 लोग मारे गए थे और करीब दो सौ लोग घायल हो गए थे।

राज विस चुनाव : कांग्रेस का मतलब किसानों, मजदूरों और युवाओं की सरकार : राहुल गांधी

चूरू, (हि.स.)। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को तारानगर विधानसभा क्षेत्र में एक चुनावी सभा में कहा कि कांग्रेस और भाजपा में बहुत बड़ा फर्क है। नरेन्द्र मोदी कहते हैं मोदी की गारंटी। मोदी की गारंटी का मतलब अडानी की गारंटी जबकि कांग्रेस का मतलब किसानों, मजदूरों और युवाओं की सरकार। यही फर्क है कांग्रेस और भाजपा की सरकारों में। जिले के तारानगर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवार नरेंद्र बुडानिया के समर्थन में चुनावी सभा में राहुल गांधी ने कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना के समय नरेन्द्र मोदी के कहने पर देश में थाली बज रही थी, लेकिन राजस्थान के घरों में फूड पैकेट मिल रहा था, दवाईयां मिल रही थी। मरीजों की रक्षा हो रही थी, क्योंकि हम गरीबों, किसानों और मजदूरों की सरकार चलाते हैं। उन्होंने कहा कि मोदी ने ओल्ड पेंशन स्कीम रद्द कर दी, जबकि राजस्थान में हमने ओपीएस पास कर दिया। सिलेंडर की सब्सिडी, बिजली की सब्सिडी, अन्नपूर्णा फूड पैकेट, ये हमारा काम है। कांग्रेस पार्टी का काम है। हम गरीबों की जेब में पैसा ट्रांसफर करते हैं, जबकि वो अडानी की जेब में डालते हैं। उन्होंने कहा कि ओपीएस से पांच लाख परिवार को फायदा हुआ है। हमने तीन हजार छह सौ अंग्रेजी मीडियम स्कूल खोले हैं। 309 नए कॉलेज और 9 नई यूनिवर्सिटी खोली है। भाजपा के नेता कहते हैं- भाइयों-बहनों हिंदी पढ़ो, अंग्रेजी मत पढ़ो, लेकिन किसी भी बीजेपी नेता से पूछो कि आपके बच्चे कौन-सी स्कूल में पढ़ते हैं तो बताएंगे हमारे बच्चे तो अंग्रेजी मीडियम स्कूल में पढ़ते हैं। वो चाहते हैं कि गरीब-किसानों के बच्चे अंग्रेजी न सीखें, कॉल सेंटर और आईटी सेक्टर में काम न करें। विदेशों में नौकरी न करें। खेती ही करते रहें। अगर बड़ा सपना देखना है, बिजनेस खोलना है, इंटरनेट पर काम करना है, विदेश जाना है तो अंग्रेजी की जरूरत पड़ती है। राहुल गांधी ने कहा कि चुनाव में हमने सात गारंटी दी है। इनको आप अच्छी तरह सुनें। महिलाओं को सालाना 10 हजार रुपये दिए जाएंगे। गरीब लोगों के लिए 500 रुपये का सिलेंडर, 15 लाख रुपये का इंश्योरेंस, सब बच्चों के लिए इंग्लिश मीडियम स्कूल, सरकारी कॉलेजों में पढ़ने वालों के लिए फ्री लैपटॉप, सरकारी कर्मचारियों के लिए लीगल गारंटी ओपीएस, यानी ओपीएस को कानून बना देंगे। गांव के लोगों से 2 रुपये प्रति किलो के हिसाब से गोबर खरीदेंगे। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व सीएम सचिन पायलट ने भी सभा को सम्बोधित किया।

भारत-पाकिस्तान सीमा पर रिट्रीट सेरेमनी का समय बदला, अब 4.30 बजे से होगी

चंडीगढ़, (हि.स.)। मौसम में आए बदलाव के चलते भारत-पाकिस्तान सीमा पर होने वाली रिट्रीट सेरेमनी का समय बदल दिया गया है। अब यह आयोजन शाम पांच बजे की जगह 4.30 बजे होगा। बीएसएफ ने पंजाब से लगते तीनों क्षेत्रों में समय बदलाव का ऐलान कर दिया है। दोनों देशों के मध्य तीन जगह पर रिट्रीट सेरेमनी होती है, जिसमें भारत की सीमा सुरक्षा बल के जवान पाकिस्तान रेंजर्स के साथ मिलकर भाग लेते हैं। यह रिट्रीट सेरेमनी अमृतसर में अटारी बार्डर, फाज्लिका में सैदेके चौकी और फिरोजपुर में हुसैनीवाला बार्डर पर होती है। इस रिट्रीट सेरेमनी को देखने के लिए बड़ी संख्या में देश-विदेश के पर्यटक पहुंचते हैं। लगभग 40 मिनट तक होने वाली इस रिट्रीट सेरेमनी के दौरान पूरा माहौल देशभक्ति से सराबोर हो जाता है।

शमी के साथ तब सिर्फ राहुल गांधी ही खड़े थे, अब सब दे रहे साथ : श्रीनिवास

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस नेता श्रीनिवास ने वर्ल्ड कप सेमीफाइनल के हाईवोल्टेज मुकाबले को भी राजनीतिक रंग दे दिया। सेमीफायनल में भारत की जीत के हीरो रहे तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को लेकर कांग्रेस नेता ने टिप्पणी करते हुए पुराने समय का जिक्र किया और कहा तब सिर्फ राहुल गांधी ही उनके साथ खड़े थे। गौरतलब है कि बुधवार को खेले गए मैच में शमी ने 7 विकेट झटककर भारत के लिए फाइनल का रास्ता तैयार किया। इसके अलावा श्रेयस अय्यर और विराट कोहली ने भी शतकीय पारी खेली। कांग्रेस नेता श्रीनिवास ने माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आज से कुछ सालों पहले जब हिन्दू-मुस्लिम की भांग पीकर भक्त मोहम्मद शमी को गालियां दे रहे थे, तब शमी के साथ सिर्फ राहुल गांधी खड़े थे। उन्होंने कांग्रेस के सांसद का पुराना पोस्ट भी शेयर किया, जिसमें वह लिखते हैं, मोहम्मद शमी हम सभी आपके साथ हैं। इन लोगों में नफरत भरी हुई है, क्योंकि कोई भी उन्हें प्यार नहीं देता। उन्हें माफ कर दो। इधर पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि शमी की गेंदबाजी पीढ़ियों तक याद रखी जाएगी। उन्होंने लिखा, आज का सेमीफाइनल व्यक्तिगत प्रदर्शनों की वजह से और भी ज्यादा खास हो गया।

इस खेल में और पूरे वर्ल्ड कप में मोहम्मद शमी की गेंदबाजी को क्रिकेट प्रेमी पीढ़ियों तक याद रखेंगे। बहुत अच्छा खेले शमी। एक अन्य ट्वीट में उन्होंने भारतीय टीम को जीत की बधाई देते हुए लिखा कि भारत ने शानदार प्रदर्शन किया और बेहतरीन तरीके से फाइनल में एंट्री की है। शानदार बल्लेबाजी और अच्छी गेंदबाजी ने हमारी टीम के लिए जीत सुनिश्चित की। फाइनल मुकाबले के लिए शुभकामनाएं। सेमीफायनल में शमी का प्रदर्शन शानदार रहा। वर्ल्ड कप के शुरूआती मैचों में बाहर रहे शमी ने ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या की चोट के बाद टीम में एंट्री हुई थी। इसके बाद से ही उनका विस्फोटक प्रदर्शन जारी है। उन्होंने वर्ल्ड कप टूर्नामेंट में चौथी बार 5 विकेट लेने का कारनामा किया है। इसके साथ ही वह 7 विकेट लेने वाले भी पहले गेंदबाज बन गए हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलियाई स्टार मिशेल स्टार्क का 3 बार का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है।

आसियान और प्लस देशों के बीच सहयोग को और ज्यादा मजबूत करने का आह्वान

- राजनाथ सिंह ने जकार्ता में 10वीं आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक में लिया हिस्सा
- आतंकवाद को आसियान क्षेत्र सहित अंतरराष्ट्रीय शांति के लिए बताया बड़ा खतरा

नई दिल्ली, (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को जकार्ता में 10वीं आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक में शांति, समृद्धि और सुरक्षा के लिए आसियान और प्लस देशों के बीच सहयोग को और ज्यादा मजबूत करने पर जोर दिया। रक्षा मंत्री ने कहा कि हम आसियान क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा बढ़ाने के लिए एडीएमएम-प्लस के साथ व्यावहारिक, दूरदर्शी और परिणामोन्मुख सहयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में नौवहन, हवाई उड़ान और निर्बाध वैध वाणिज्य की स्वतंत्रता के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए संवाद और कूटनीति के जरिये ही आगे बढ़ने का रास्ता है।

उन्होंने समुद्र के कानून पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन (यूएनसीएलओएस) 1982 सहित अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय जल में नेविगेशन, ओवरफ्लाइट और निर्बाध वैध वाणिज्य की स्वतंत्रता के लिए भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने आतंकवाद को आसियान क्षेत्र सहित अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा बताते हुए आतंकवाद-निरोध पर ईडब्ल्यूजी की सह-अध्यक्षता करने का प्रस्ताव रखा। इस प्रस्ताव का एडीएमएम-प्लस ने समर्थन किया, क्योंकि आतंकवाद इस क्षेत्र के देशों के लिए एक गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। रक्षा मंत्री ने क्षेत्रीय सुरक्षा पहलों का आह्वान किया, जो विभिन्न हितधारकों के बीच व्यापक सहमति को प्रतिबिंबित करने के लिए परामर्शात्मक और विकासोन्मुख हों। उन्होंने क्षेत्र में शांति के लिए महात्मा गांधी के उद्धरण 'शांति का कोई रास्ता नहीं है, शांति ही एकमात्र रास्ता है' का हवाला देते हुए कहा कि संघर्षों से मानव जीवन की हानि होती है और आजीविका नष्ट हो जाती है। क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर स्थिरता में बाधा आती है और खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा आदि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

राजनाथ सिंह ने स्थायी शांति और वैश्विक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए बातचीत और कूटनीति की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने भारत के उस संदेश को दोहराया कि 'यह युद्ध का युग नहीं है' और भारत-आसियान गतिविधियों में आसियान सदस्य देशों की उत्साहपूर्ण भागीदारी की सराहना की। उन्होंने इस साल मई में आयोजित पहले आसियान-भारत समुद्री अभ्यास के साथ-साथ मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) गतिविधियों पर विशेषज्ञ कार्य समूह में आसियान सदस्य देशों की सक्रिय भागीदारी को भी सराहा, जिनमें भारत और इंडोनेशिया शामिल हैं।

महाराष्ट्र में जीका के 5 मामले, स्वास्थ्य विभाग ने जारी किये दिशा निर्देश

मुंबई, (ईएमएस)। बढ़ते जीका संक्रमण के कारण महाराष्ट्र के स्वास्थ्य विभाग ने महत्वपूर्ण दिशा निदेर्शों की घोषणा की है। अक्टूबर से अब तक राज्य में जीका के 5 मामले पाए गए हैं। इसलिए चिंता व्यक्त की जा रही है. खबर है कि इचलकरनजी में जीका के 2 मरीज मिले। पुणे, कोल्हापुर और पंढरपुर में भी एक-एक मरीज सामने आया। इस बीच स्वास्थ्य विभाग ने सभी जिलाधिकारियों के लिए गाइडलाइन की घोषणा की है. कहा गया है कि बुखार होने पर तुरंत सरकारी अस्पतालों में इलाज कराएं। सरकारी अस्पतालों में इलाज मुफ्त है. साथ ही जीका संक्रमण होने पर अस्पताल में भर्ती होने की भी जरूरत नहीं है। जीका से मृत्यु दर भी बहुत कम है।

क्या हैं जीका वायरस के लक्षण ?

जीका के लक्षण आमतौर पर हल्के होते हैं। जीका से संक्रमित 5 में से केवल 1 व्यक्ति में लक्षण विकसित होते हैं। लक्षणों में बुखार, त्वचा पर लाल धब्बे, जोड़ों में दर्द, लाल आँखें शामिल हैं। लक्षण आमतौर पर दो से तीन दिन से लेकर एक सप्ताह तक रहते हैं। जीका निदान सुविधाएं नई दिल्ली में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी और पुणे में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी में उपलब्ध हैं।

अनुप्रिया ने मीरजापुर में जनपद स्तरीय महिला एवं पुरुष चिकित्सालय के लिए मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

मीरजापुर, (हि.स.)। केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग राज्यमंत्री एवं मीरजापुर जनपद की सांसद अनुप्रिया पटेल ने बढ़ते मरीज, जगविख्यात मां विंध्यवासिनी धाम विंध्याचल में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या व बढ़ते रोजगार के मद्देनजर जिला मुख्यालय के आसपास एक जनपद स्तरीय महिला एवं पुरुष चिकित्सालय की स्थापना के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा। मुख्यमंत्री योगी को लिखे पत्र में केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा है कि विंध्याचल मंडल के अंतर्गत आने वाले मीरजापुर, सोनभद्र व भदोही तीनों जनपदों का संयुक्त मंडल मुख्यालय मीरजापुर है। ऐसे में जिला चिकित्सालय को उन्नत कर मंडलीय

चिकित्सालय में परिवर्तित कर दिया गया था, जिसको वर्तमान में मां विंध्यवासिनी स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय से भी जोड़ दिया गया है। इस कारण वर्तमान में यहां पूरे मंडल से मरीजों की अत्यधिक संख्या आने लगी है। इससे विशेष रूप से मीरजापुर के लोगों को चिकित्सा संबंधी आवश्यक व आकस्मिक सुविधाएं पर्याप्त नहीं मिल पा रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा है कि शीघ्र ही विंध्य कॉरिडोर का निर्माण पूर्ण होने के बाद श्रद्धालुओं की संख्या में भारी वृद्धि की संभावना है। ऐसे में स्वास्थ्य संबंधी ढांचे को और मजबूत करने की आवश्यकता है। विकास की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहे पिछड़े जनपद मीरजापुर में जनसामान्य तक पर्याप्त सुविधाएं भी पहुंचाना आवश्यक है। इसके लिए मीरजापुर जनपद मुख्यालय के आसपास एक अलग जनपद स्तरीय महिला एवं पुरुष चिकित्सालय बनवाया जाए तो लोगों को काफी सहूलियत होगी।

उप्र में 490 करोड़ रुपए के निवेश से बदलेगी नौ ऐतिहासिक धरोहरों की सूरत

-लखनऊ की छतरमंजिल व कोठी रौशन-उद्-दौला का होगा कायाकल्प

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने प्रदेश की नौ चुनिंदा ऐतिहासिक धरोहरों को कायाकल्प करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री योगी की मंशा के अनुरूप, इस विषय में एक विस्तृत कार्ययोजना का निर्माण हुआ था जिसको अमलीजामा पहनाने का दायित्व उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग को सौंपा गया है। इस क्रम में जो खाका खींचा गया है उसके अनुसार कुल 490 करोड़ रुपए के निवेश के जरिए इन ऐतिहासिक धरोहरों की रूपरेखा तय की गई है। इस कार्य को अंजाम देने के लिए एजेंसियों के निर्धारण की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। कार्ययोजना के अनुसार, लखनऊ के छतरमंजिल में 100 करोड़ रुपए के निवेश से कायाकल्प का मार्ग प्रशस्त होगा। वहीं, मिजार्पुर के चुनार फोर्ट व झांसी के बरुआ सागर फोर्ट में भी 100-100 करोड़ रुपए के निवेश से मेकओवर की प्रक्रिया को पूर्ण किया जाएगा। इसी प्रकार, लखनऊ की कोठी गुलिस्तान-ए-इरम, कोठी दर्शन विलास व कोठी रौशन-उद्-दौला में 50-50 करोड़ रुपए के निवेश से मेकओवर की प्रक्रिया को पूर्ण करने की योजना पर काम हो रहा है। इसके अतिरिक्त, उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा राज्य के 10 राही टूरिस्ट बंगलों के भी विकास के लिए लीज आधारित प्राइवेट सेक्टर पार्टिसिपेशन (पीएसपी) की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप, मथुरा के बरसाना स्थित जल महल समेत कानपुर देहात के शुक्ला तलाब व कानपुर नगर स्थित टिकैत राय बारादरी को भी 30-30 करोड़ रुपए के निवेश के जरिए एडैप्टिव रीयूज एसेट्स में तब्दील करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

उल्लेखीय है कि योगी सरकार उत्तर प्रदेश को विरासत पर्यटन के लिए एक लोकप्रिय डेस्टीनेशन के तौर पर स्थापित करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है और उसका मौजूदा कदम इसी दिशा में उत्तर प्रदेश की स्थिति को और पुख्ता करेगा। सीएम योगी के मार्गदर्शन में निजी क्षेत्रों के निवेश के माध्यम से विरासत संपत्तियों को उनका प्राचीन गौरव लौटाने की महत्वपूर्ण पहल की गई है। इसी क्रम में, इन स्थानों को वेलनेस सेंटर, हेरिटेज होटल, लग्जरी रिजॉर्ट्स, म्यूजियम, बुटीके रेस्तरां, मैरिज डेस्टिनेशन व वेडिंग वेन्यू, एडवेंचर टूरिज्म स्पॉट, होमस्टे, थीमपार्क तथा अन्य पर्यटक व अतिथि इकाइयों में परिवर्तित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा राज्य के 10 राही टूरिस्ट बंगलों के भी विकास के लिए लीज आधारित प्राइवेट सेक्टर पार्टिसिपेशन (पीएसपी) की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसमें बाराबंकी के देवा शरीफ, सीतापुर के हरगांव, शामली के कांढला, एटा के सोरों, बुलंदशहर के खुरजा, अमेठी के मुंशीगंज, एटा के पटना पक्षी विहार, बदायूं के काछला, मिजार्पुर के चुनार व प्रतापगढ़ के भूपिया मऊ प्रमुख हैं। इन सभी राही टूरिस्ट बंगलों में पीएसपी प्रक्रिया के जरिए संचालन व विकास प्रक्रिया को पूर्ण करने के लिए ई-निविदा के जरिए आवेदन मांगे गए हैं और माना जा रहा है कि नवंबर माह में ही कार्य आवंटन की प्रक्रिया को भी पूर्ण कर लिया जाएगा।

ज्ञानवापी परिसर की सर्वे रिपोर्ट शुक्रवार को बंद लिफाफे में कोर्ट को सौंपेगा एएसआई

वाराणसी, (हि.स.)। ज्ञानवापी परिसर में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) का वैज्ञानिक सर्वे गुरुवार को पूरा हो जाएगा। एएसआई टीम तैयार सर्वे रिपोर्ट अपने अधिवक्ता की मौजूदगी में शुक्रवार को जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की

अदालत में सौंपेगी। सूत्रों ने बताया कि ज्ञानवापी परिसर में सौ दिन से अधिक समय तक चले सर्वे में मिले 250 अवशेष को जिलाधिकारी की निगरानी में कलेक्ट्रेट परिसर स्थित कोषागार के लॉकर में जमा करा दिया गया है। एएसआई ने सर्वे का अब तक का अध्ययन रिपोर्ट भी तैयार कर लिया है। इस रिपोर्ट को सीलबंद लिफाफे में जिला जज की अदालत में दाखिल किया जाएगा। जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत ने 21 जुलाई को ज्ञानवापी के सील वजूखाने को छोड़कर शेष परिसर का एएसआई सर्वे कराने का आदेश दिया था। अदालत के निर्देश पर 24 जुलाई को एएसआई टीम ने ज्ञानवापी परिसर में वैज्ञानिक सर्वे शुरू कर दिया। इसके बाद जिला अदालत के आदेश के विरोध में प्रतिवादी पक्ष अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए एएसआई के सर्वे पर रोक लगा दी थी। फिर सुप्रीम कोर्ट व इलाहाबाद हाई कोर्ट से आदेश मिलने के बाद एएसआई के 40 सदस्यीय दल ने फिर ज्ञानवापी परिसर में चार अगस्त से सर्वे प्रारम्भ किया था। एएसआई ने सर्वे में ग्राउंड पेनेट्रेशन रडार सिस्टम (जीपीआरएस) सहित अत्याधुनिक उपकरणों की मदद और पारंपरिक तकनीक के जरिए ज्ञानवापी परिसर में बने ढांचे और इसके तहखानों से लेकर गुंबद और शीर्ष की नाप जोख कर विस्तृत रिपोर्ट तैयार की है। इसमें हैदराबाद और कानपुर के एएसआई विशेषज्ञों ने भी पूरा सहयोग दिया। इससे पहले 14 सितंबर को सुनवाई के दौरान जिला न्यायालय ने एएसआई और जिला प्रशासन को आदेश दिया था कि सर्वे के दौरान जो भी तथ्य मिलें, उन्हें सुरक्षित और संरक्षित किया जाए।

जिला कारागार में बंद पॉक्सो एक्ट के आरोपित की इलाज के दौरान मौत

मुरादाबाद, (हि.स.)। दो दिन पहले मुरादाबाद जिला कारागार में बंद पॉक्सो एक्ट के आरोपित की तबीयत बिगड़ गई थी। गुरुवार को मेरठ में आरोपित बंदी की इलाज के दौरान मौत हो गई। जिला जेल प्रशासन ने दिवाली के अगले दिन आरोपित की तबीयत बिगड़ने पर परिजनों को सूचना देने के साथ जिला अस्पताल में भर्ती करा दिया था। आरोपित की हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने मेरठ के लिए रेफर कर दिया था। आरोपित को 2021 में निकट के जनपद संभल के थाना हयात नगर से नाबालिग बच्चे से दुष्कर्म के मामले में थाना हयात नगर से जेल भेजा गया था। जनपद संभल के थाना हयात नगर के मौला हयात नगर निवासी राजीव उर्फ गांधी (50) पर मोहल्ले के ही रहने वाले एक युवक ने अपने बच्चों के साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगाया था। आरोपित के खिलाफ पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर थाना हयात नगर पुलिस ने आरोपित को न्यायालय के समक्ष पेश किया था। जहां से उसे जेल भेज दिया गया। मामला फिलहाल हाई कोर्ट में विचाराधीन है। आज 16 नवम्बर दिन गुरुवार को मृतक आरोपित के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई थी।

आयुष्मान कार्ड बनाने में योगी सरकार ने रचा कीर्तिमान

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को मिशन के तौर पर लेकर प्रदेश में आगे बढ़ रहे हैं। पूरे देश में आयुष्मान भारत के तहत आयुष्मान कार्ड बनाने में उत्तर प्रदेश अग्रणी राज्य बनकर उभरा है। वहीं इसके बाद क्रमशः मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश का नंबर आता है।

1 करोड़ 80 लाख परिवार के बनाए गए आयुष्मान कार्ड - स्टेट एजेंसी फॉर कम्प्रिहेंसिव हेल्थ एंड इंटीग्रेटेड सर्विसेज (सांची) की सीईओ संगीता सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप प्रदेश के गरीब लोगों को निःशुल्क और गुणवत्तापूर्ण इलाज उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश के पात्र लाभार्थियों के शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए युद्धस्तर पर कार्य किया जा रहा है। इसके लिए समय-समय पर प्रदेशभर में विशेष अभियान भी चलाया जाता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मॉनिटरिंग और दिशा-निर्देश का ही नतीजा है कि उत्तर प्रदेश पूरे देश में आयुष्मान कार्ड बनाने में पहले पायदान पर है।

उत्तर प्रदेश में अब तक 1 करोड़ 80 लाख परिवार के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। इसमें से 1 करोड़ 31 लाख परिवार के आयुष्मान कार्ड प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत बनाए गए हैं, जबकि 56 लाख परिवार के आयुष्मान कार्ड मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत बनाए गए हैं।

इलाज में अब तक 3,914 करोड़ की धनराशि खर्च - सांची की सीईओ ने बताया कि प्रदेश में कुल लाभार्थियों में से 70 प्रतिशत परिवारों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। योगी सरकार ने पात्र लाभार्थियों के शत-प्रतिशत कार्ड बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया है। वहीं इलाज के लिए लाभार्थियों को भटकना न पड़े इसके लिए योगी सरकार अब तक प्रदेश के 3,662 अस्पतालों को आयुष्मान कार्ड से जोड़ चुकी है। इसमें 1118 सरकारी और 2544 निजी अस्पताल शामिल हैं। इन अस्पतालों द्वारा 27,62,262 लाभार्थियों का इलाज किया जा चुका है। इनमें से कई ऐसे लाभार्थी हैं जिन्होंने दो से तीन बार इलाज कराया है। वहीं अति गंभीर बीमारी किडनी ट्रांसप्लांट, हार्ट सर्जरी, हार्ट डिजीज, कूल्हा-घुटना प्रत्यारोपण और कैंसर के इलाज के साथ सर्जरी कराने वाले 4,37,290 लाभार्थी भी शामिल हैं। इसके लिए अब तक 3,914 करोड़ की धनराशि खर्च की जा चुकी है। इसमें से 1502 करोड़ की धनराशि अति गंभीर बीमारी के इलाज में खर्च की गयी है।

रांची के जेएससीए स्टेडियम में 18 नवंबर से शुरू होगा लीजेंड्स लीग क्रिकेट

रांची, (हि.स.)। राजधानी रांची के झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) स्टेडियम में 18 नवंबर से लीजेंड्स लीग क्रिकेट का उद्घाटन मैच 18 नवंबर को होगा। जेएससीए को पांच मैचों की मेजबानी मिली है। यह क्रिकेट लीग नौ दिसंबर तक चलेगा। इसमें क्रिकेट जगत के खिलाड़ी दिखाई देंगे। एलआईसी ने इस सीजन के टिकटों की बिक्री होना शुरू हो गई है। जेएससीए में आयोजित सभी मुकाबले के टिकट पेटीएम और पेटीएम इनसाइडर पर उपलब्ध है। रांची में सभी मैच जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जाएंगे और टिकटों की कीमत 249 रुपये से शुरू होगी। पेटीएम और पेटीएम इनसाइडर से अहम साझेदारी कर उन्हें एक्सक्लूसिव टिकटिंग पार्टनर बनाया है। भारत के पांच शहरों देहरादून, रांची, जम्मू, विशाखापत्तनम और सूरत में होने वाले ये मैच यादगार

बनने वाले हैं। टूर्नामेंट के टिकट जल्द ही पेटीएम और पेटीएम इनसाइडर से खरीदे जा सकेंगे।

एलएलसी-2023 का उद्घाटन मैच 18 नवंबर को रांची के जेएससीए स्टेडियम में इंडिया कैपिटल्स और भीलवाड़ा किंग्स के बीच होगा। मैच शाम सात बजे से शुरू होगा। टूर्नामेंट के पहले मैच में 18 नवंबर को पूर्व भारतीय क्रिकेटर गौतम गंभीर (इंडिया कैपिटल्स) और इरफान पठान (भीलवाड़ा किंग्स) बतौर कप्तान आमने-सामने होंगे। दूसरा मैच 20 नवंबर को मणिपाल टाइगर्स और गुजरात जायंट्स के बीच खेला जायेगा। 21 नवंबर को अर्बनराइजर्स हैदराबाद और सदर्न सुपर स्टार्स के बीच मैच होगा। 22 नवंबर को भीलवाड़ा किंग्स और गुजरात जायंट्स और 23 नवंबर को इंडिया कैपिटल्स और अर्बनराइजर्स हैदराबाद के बीच मैच खेले जायेंगे।

बुंडू में माकपा की उलगुलान रैली आज

रांची, (हि. स.)। माकपा की रांची जिला कमेटी 17 नवम्बर को बुंडू में उलगुलान रैली और जनसभा आयोजित करेगी। इसमें पार्टी के पोलित ब्यूरो सदस्य डॉ अशोक ढावले और राज्य सचिव प्रकाश विप्लव के अलावा राज्य कमेटी सदस्य सुरेश मुंडा, सुफल महतो, रंगोवती देवी मुख्य वक्ता होगें। माकपा के जिला सचिव सुखनाथ लोहरा ने गुरुवार को कहा कि रैली की सारी तैयारियां पूरी हो चुकी है। पंचपरगना क्षेत्र के राहे, बुंडू, सोनाहातू, अनगड़ा और तमाड़ प्रखंड के विभिन्न गांवों में रैली की सफलता के लिए पार्टी कार्यकर्ता सघन अभियान चला रहे हैं। रैली की मुख्य मांगों में खाद्य सुरक्षा में भारी अनियमितता, मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप वन पट्टा के लिए ग्राम सभा आयोजित कर वन समितियों के गठन काम में तेजी लाने, जमीन के डिजिटल रिकार्ड में हुई अनियमितताओं के चलते रैयतों की परेशानियों को दूर करने के लिए पंचायत स्तर पर शिविर लगाए जाने और वर्षा के बाद मनरेगा के तहत नया कार्य शुरू करने, मनरेगा मजदूरों का बकाये का भुगतान किए जाने और पंचपरगना क्षेत्र के ज्वलंत मुद्दे शामिल हैं।

विधानसभा का स्थापना दिवस 22 को, तैयारियां जोरों पर

रांची, (हि.स.)। झारखंड विधानसभा की 23वीं वर्षगांठ 22 नवंबर है। विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो के नेतृत्व में समारोह को यादगार बनाने की तैयारी जोर-शोर से चल रही है। 23 नवंबर को बॉलीवुड सिंगर जावेद अली और गजल गायक कुमार सत्यम अपने सुरों से समा बांधेंगे जबकि बीच-बीच में रविंद्र सोनी हास्य का तड़का डालेंगे। विधानसभा स्थापना दिवस समारोह की शुरूआत पूर्वाह्न 11:00 बजे राज्यपाल के गार्ड ऑफ ऑनर से शुरू होगी। कार्यक्रम का उद्घाटन राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन करेंगे और मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन होंगे। दीप प्रज्वलन के बाद चयनित उत्कृष्ट विधायक और विधानसभा के उत्कृष्ट कर्मी सम्मानित किए जाएंगे। इसके बाद देश की सीमा पर और नक्सल अभियान में शहीद और शांतिकाल में वीरता प्राप्त झारखंड के

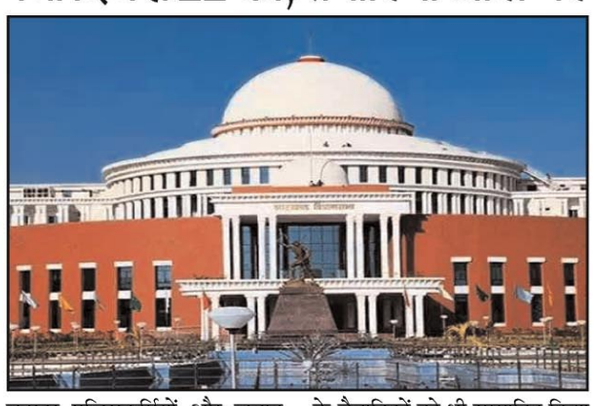

बहादुर पुलिसकर्मियों और जवान सम्मानित किए जाएंगे। कार्यक्रम के अगले पड़ाव में राज्य के खिलाड़ियों और 10वीं, 12वीं समेत अन्य शैक्षणिक संस्थान के टॉपर छात्र-छात्राएं सम्मानित होंगे। साथ ही सामाजिक क्षेत्र में योगदान देने वाले राष्ट्रपति पदक से सम्मानित और चंद्रयान-3 मिशन में भूमिका निभाने वाले राज्य के वैज्ञानिकों को भी सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान 12:50 बजे त्रैमासिक पत्रिका उड़ान समेत अन्य पुस्तकों का विमोचन होगा। सम्मान समारोह के बाद उत्कृष्ट विधायक, मुख्य सचेतक, नेता प्रतिपक्ष और संसदीय कार्यमंत्री का संबोधन होगा। फिर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के बाद राज्यपाल का संबोधन होगा।

मुख्यमंत्री ने 12 लाभार्थियों को प्रथम एवं द्वितीय किश्त का सांकेतिक चेक सौंपा

पटना, (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को बापू सभागार में मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के तहत आयोजित एक दिवसीय उन्मुखीकरण एवं प्रथम किश्त वितरण समारोह का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने 12 लाभार्थियों को प्रथम एवं द्वितीय किश्त का सांकेतिक चेक प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि आज के इस कार्यक्रम में मैं आप सबका अभिनंदन करता हूं। बहुत खुशी की बात है कि मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के तहत बहुत लोगों को काम मिल रहा है। वर्ष 2018 में मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति उद्यमी योजना शुरू किया गया था। इस योजना के तहत 10 लाख रुपये दिए जाते हैं। इसमें से 5 लाख रुपये अनुदान और 5 लाख रुपये ब्याज मुक्त ऋण दिया जाता है। दो वर्ष में 4 हजार 674 युवक-युवतियों ने इसका लाभ लिया। सीएम ने कहा कि वर्ष 2020 में जननायक कपूर्री ठाकुर के जन्मदिन पर घोषणा की थी कि मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति उद्यमी योजना की तर्ज पर मुख्यमंत्री अति पिछड़ा वर्ग उद्यमी योजना का लाभ दिया जाए। वर्ष 2021 में सात निश्चय पार्ट-2 में हमने तय किया कि इन दो कम्युनिटी के अलावा जितनी महिलाएं हैं चाहे वे किसी जाति से जुड़ी हों सारी सुविधाएं उपलब्ध करायी जायें। नीतीश कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना के तहत 10 लाख रुपये दिए जा रहे हैं। इसमें से 5 लाख रुपये अनुदान और 5 लाख रुपये ब्याज मुक्त ऋण दिया जा रहा है। सभी वर्ग की महिलाओं को इसका लाभ मिल रहा है। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत भी 10 लाख रुपये दिए जाते हैं। इसमें से 5 लाख

रुपये का अनुदान तथा 5 लाख रुपये पर मात्र एक प्रतिशत ब्याज लिया जाता है। वर्ष 2012-13 में अल्पसंख्यक वर्ग को सुविधा देने के लिए काम शुरू किया गया था। अल्पसंख्यक रोजगार ऋण योजना की जो शुरूआत करायी गई थी इसका लोग लाभ ले रहे थे।

जब हमने अति पिछड़ा के लिए शुरू किया तो इसका लाभ अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को मिलने लगा। सीएम ने कहा कि मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक उद्यमी योजना के तहत 10 लाख रुपये दिए जा रहे हैं। इसमें से 5 लाख रुपये अनुदान और 5 लाख रुपये ब्याज मुक्त ऋण दिया जा रहा है। इस वर्ष मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के तहत 8 हजार लाभुकों को लाभ मिला तथा मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक उद्यमी योजना के 01 हजार 247 लाभुकों का चयन कर लिया गया, जो कुल मिलाकर 9,247 हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि सब काम करें और आगे बढ़ें। राज्य सरकार जो करती है उसको प्रचार की जरूरत नहीं है, सभी लोग जानते हैं। सभी विभाग को हमने इसके लिए अलर्ट किया है कि लाभुकों को समुचित लाभ मिले। हमलोग समाज के किसी वर्ग की उपेक्षा नहीं करते हैं, सभी जाति-धर्म के लोगों के लिए काम करते हैं। हमने हमेशा कहा है कि जो भी काम किया जा रहा है उसको सबको बताने की जरूरत है। हम जहां जाते हैं घूमते हैं तो सारी पुरानी बातों को बताते हैं। इस बार हमने जाति आधारित गणना करायी, जिसमें आर्थिक स्तर की भी गणना हुयी। जो भी पिछड़े हैं सबके उत्थान के लिए काम करेंगे। लोगों के विकास और विस्तार के लिए लगातार काम कर रहे हैं। बिहार विधान सभा और बिहार विधान परिषद से पास कराकर राज्यपाल को भेजा गया है। जैसे ही उनका दस्तखत हो जाएगा कानून लागू हो जाएगा।

भारतीय ऑल मीडिया पत्रकार संघ ने किया सेमिनार का आयोजन

बेतिया, (हि.स)। राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर पत्रकार संघ के कार्यालय बेतिया मे भारतीय ऑल मीडिया पत्रकार संघ द्वारा राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर पत्रकार संघ के कार्यालय बेतिया मे एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, बुद्धिजीवियों एवं पत्रकार व पत्रकारिता के छात्रों ने भाग लिया। इस अवसर पर भारतीय ऑल मीडिया पत्रकार संघ के राष्ट्रीय महासचिव सह प्रेस कलब, बेतिया के प्रसिडेंट डॉ अमानुल हक ने संबोधित करने से पहले पत्रकारों और मीडियाकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने रिपोर्टिंग और कर्तव्य का पालन करते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी है। दुनिया भर में 2023 में लगभग 56 से अधिक पत्रकारों एवं मीडिया कर्मियों ने अपने कर्तव्य एवं रिपोर्टिंग के दौरान शहीद हुए है जिसमें से 40 से अधिक पत्रकार एवं मीडिया कर्मी फिलिस्तीन इजराइल युद्ध में मारे गए हैं। दर्जनों पत्रकार घायल एवं लापता है। पत्रकार अमानुल हक ने अपने संबोधन मे कहा कि पुनः अपील करते हैं कि पत्रकारों, मीडिया कर्मियों, के जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर एक सेमिनार का भी आयोजन किया गया इसका विषय था" प्रेस की स्वाधीनता लोकतंत्र की

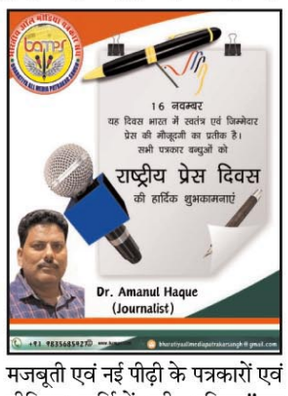

मजबूती एवं नई पीढ़ी के पत्रकारों एवं मीडिया कर्मियों की भूमिका"इस अवसर पर, 1857 में भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान, भारत के पहले भारतीय समाचार पत्र के संपादक सह स्वतंत्रता सेनानी मौलवी मोहम्मद बशीर और अन्य को अंग्रेजों ने निष्पक्ष एवं स्वतंत्र पत्रकारिता के लिए फांसी दी गई थी। राष्ट्रीय प्रेस दिवस उन राष्ट्रीय अवसर में से एक है जब हम सब मिलकर लोकतंत्र की मजबूती प्रेस की स्वाधीनता पर खुलकर बात करते हैं. यह दिन एक स्वतंत्र और जिम्मेदार प्रेस की उपस्थिति का प्रतीक है। 16 नवंबर, 1966 को भारत में राष्ट्रीय प्रेस दिवस की शुरूआत पत्रकारों को सशक्त बनाने के उद्देश्य के लिए खुद को फिर से समर्पित करने का अवसर प्रदान करती है। इस अवसर पर पत्रकार शहीन सबा, नवेन्दु, उमेश अग्रवाल, ठाकुर राणा, जितेंद्र कुमार सहित दर्जनों पत्रकारों ने संबोधित में कहा कि 4 जुलाई 1966 को भारत में प्रेस काउंसिल की स्थापना हुई, जिसने 16 नवंबर 1966 से अपना औपचारिक कार्य प्रारंभ किया। तभी से 16 नवंबर को "राष्ट्रीय प्रेस दिवस" के रूप में मनाया जाता है। आज दुनिया के लगभग 50 देशों में प्रेस काउंसिल या मीडिया काउंसिल है। भारत में प्रेस को "वॉचडॉग" और प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया को "नैतिक वॉचडॉग" कहा गया है। राष्ट्रीय प्रेस दिवस हमारा ध्यान प्रेस की स्वतंत्रता और जिम्मेदारियों की ओर आकर्षित करता है। प्रथम प्रेस आयोग ने प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा करने और पत्रकारिता में उच्च आदर्श स्थापित करने के उद्देश्य से भारत में एक प्रेस परिषद की कल्पना की। वर्तमान समय में पत्रकारिता का क्षेत्र व्यापक हो गया है। पत्रकारिता जन-जन तक सूचनात्मक, शिक्षाप्रद एवं मनोरंजक संदेश पहुँचाने की कला एवं पद्धति है। इस मौके पर वक्ताओं ने नई पीढ़ी के पत्रकारों और मीडिया कर्मियों का आह्वान करते हुए कहा कि नई पीढ़ी के पत्रकारों और मीडिया कर्मियों को पत्रकारिता की आजादी और लोकतंत्र की मजबूती के लिए आगे आना चाहिए जो बहुत जरूरी है।

संपादकीय

प्रदूषण मुक्त पर्यटन

छह हरित गलियारों के तहत अपने ट्रांसपोर्ट नेटवर्क को पूरी तरह ग्रीन करने की मंशा रखने वाले हिमाचल को अपने आचरण की परीक्षा ले लेनी चाहिए। इसी दीपावली के पटाखों ने यह साबित कर दिया है कि हम अपनी शोहरत-दौलत और दिखावट के लिए पर्यावरण में जहर घोल सकते हैं। दिवाली गुजरने के बाद एयर क्वालिटी का सूचनांक बता रहा है कि हवा में हमारी भी सांसें अटक सकती हैं। शिमला व धर्मशाला जैसे पर्यटक शहरों में अगर हवा बिगड़ रही है, तो दिल्ली की तर्ज पर हमें भी अपने इर्द-गिर्द प्रदूषण के खिलाफ आचरण को संयमित करना पड़ेगा। बेशक प्रदेश 107 ई चार्जिंग स्टेशनों का निर्माण करके प्रदूषण के खिलाफ जंग का ऐलान कर रहा है। ई वाहनों की खरीद में सबसिडी का प्रावधान, सरकारी वाहनों में पेट्रोल-डीजल से मुक्ति व राज्य परिवहन निगम के तहत इलेक्ट्रिक बसों के संचालन की तरफ प्राथमिकताओं का इजहार करके सरकार ने जो वाह वाही लूटी थी, वह दिवाली के उत्सव ने छीन ली। अब वक्त आ गया है जब हिमाचल को भी सख्ती से पटाखों की बिक्री पर प्रतिबंध लगाना पड़ेगा। हिमाचल में प्रदूषण मुक्त पर्यटन की राह पर चलते हुए कई परिवर्तन करने होंगे, खासतौर पर उत्सव या इवेंट टूरिज्म के उन्मादी अंदाज को संबोधित करना ही पड़ेगा। तब हम कह पाएंगे कि इस बार पटाखों से दूर शांत परिवेश में आकर हिमाचल संग दिवाली मनाएं। जाहिर है पर्यटन के लिए हमारा सोच ईको फ्रेंडली माहौल की गारंटी जनता की ओर से ही आनी चाहिए। कम से कम दिवाली से पर्यावरण के बिगड़े मूड़ को दुरुस्त करने के लिए अब न्यू इयर सेलिब्रेशन को पूरी तरह शांत और व्यवस्थित बनाने के लिए अभी से मेहनत करनी होगी। यूं तो चर्चा यह है कि एशियन विकास बैंक के 1311 करोड़ हमारा हुलिया संवार देंगे, लेकिन एक यथार्थ यह भी है कि हम हल्के से उत्साह में भी ट्रैफिक जाम कर लेते हैं। कांगड़ा के घुरकड़ी चौक में एचआरटीसी की एक बस बीच सडक़ पर खराब क्या हुई कि मीलों लंबे जाम में छह-सात हजार वाहन फंस गए। जाहिर है ये गाडियां खड़े-खड़े तेल फूंक कर प्रदूषण फैलाती रही होंगी। दिवाली के पर्व पर ही कमोबेश हर शहर, हर कस्बे और चौराहे पर आकर ट्रैफिक व्यवस्था हांफी है और लंबे जाम की शिनाख्त में आसपास की हवा का हुलिया बदल गया। ऐसे में जब हम पांच करोड़ पर्यटकों को हिमाचल लाने का सपना देखते हैं, तो यह निमंत्रण ट्रैफिक जाम, प्रदूषण और अव्यवस्था को भी रहेगा। हिमाचल की जनता खुद भी सैलानी है। उसे भी मनोरंजन की तलाश है। उसने अपने सामथ्र्य से ही 22 लाख वाहनों का पंजीकरण करा रखा है। वह सुलाह, घुमारवीं, जोगिंद्रनगर, कुल्लू, ऊना, सोलन या नाहन के बाजार में जब वाहन लेकर उतरती है, तो कोहराम मच जाता है। यह इसलिए कि हमारे पास आधुनिक बाजार नहीं, बल्कि हर सडक़ पर हमने जंगल पाल कर जमीन गंवा दी है। हमारे बच्चों के पास दो पहिया वाहन तो हो सकता है, लेकिन खेलने को मैदान नहीं। हर शहर की चारों दिशाओं में कम से कम एक-एक मैदान विकसित कर दें, तो ये सांसें प्रदान करेंगे और हमारा बोझ भी उठा लेंगे। दिवाली के बाद सारा देश क्रिसमिस और न्यू ईयर सेलिब्रेशन की दृष्टि से हिमाचल की ओर से देख रहा है। बसों और एयरलाइंस की बुकिंग, ट्रैवल एजेंसियों की यात्राओं में शिरकत और पहाड़ की सडक़ों पर अपने वाहन दौड़ाने की प्रबल इच्छा कार्यक्रम बना रही है, तो क्या यह हिमाचल की चुनौती नहीं। क्या हम अटल टनल को इस बार वाहनों के बेदर्द इम्तिहान से बचा पाएंगे। पर्यटक शहरों या यहां तक कि क्या शिमला को न्यू ईयर की भीड़ से सुरक्षित निकाल पाएंगे। ऐसे में पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष व कैबिनेट रैंक से सुसज्जित आरएस बाली की युवा क्षमता को पूरा उद्योग और प्रदेश देखेगा कि वह इस बार क्रिसमिस व न्यू ईयर आगमन के उत्साह किस तरह सुविचारित व सुव्यवस्थित कर पाते हैं। ये सारे सेलिब्रेशन पर्यटक शहरों पर ही चढ़ाई न करें, इसलिए तमाम धार्मिक स्थलों के अलावा धरोहर व ऐतिहासिक स्थलों तक कैसे पहुंचे, कैसे हिमाचल के कलात्मक पक्ष का प्रदर्शन किया जाए, स्थानीय कलाकार को कैसे अवसर मिले और इस दौरान हिमाचल से संबंधित व्यापार मेले, फूड फेस्टिवल, साहसिक आयोजन और कार्निवाल कहां-कहां आयेजित किए जा सकते हैं, इसके ऊपर काम करना चाहिए। अब वक्त आ गया है जब पर्यटन, सूचना एवं जनसंपर्क तथा भाषा-संस्कृति आदि विभागों को एक किया जाए।

दीपावली के पटाखों ने यह साबित कर दिया है कि हम अपनी शोहरत-दौलत और दिखावट के लिए पर्यावरण में जहर घोल सकते हैं। दिवाली गुजरने के बाद एयर क्वालिटी का सूचनांक बता रहा है कि हवा में हमारी भी सांसें अटक सकती हैं। शिमला व धर्मशाला जैसे पर्यटक शहरों में अगर हवा बिगड़ रही है, तो दिल्ली की तर्ज पर हमें भी अपने इर्द-गिर्द प्रदूषण के खिलाफ आचरण को संयमित करना पड़ेगा। बेशक प्रदेश 107 ई चार्जिंग स्टेशनों का निर्माण करके प्रदूषण के खिलाफ जंग का ऐलान कर रहा है। ई वाहनों की खरीद में सबसिडी का प्रावधान, सरकारी वाहनों में पेट्रोल-डीजल से मुक्ति व राज्य परिवहन निगम के तहत इलेक्ट्रिक बसों के संचालन की तरफ प्राथमिकताओं का इजहार करके सरकार ने जो वाह वाही लूटी थी, वह दिवाली के उत्सव ने छीन ली। अब वक्त आ गया है जब हिमाचल को भी सख्ती से पटाखों की बिक्री पर प्रतिबंध लगाना पड़ेगा। हिमाचल में प्रदूषण मुक्त पर्यटन की राह पर चलते हुए कई परिवर्तन करने होंगे, खासतौर पर उत्सव या इवेंट टूरिज्म के उन्मादी अंदाज को संबोधित करना ही पड़ेगा।

कुछ अलग

महंगी है दाल-रोटी

हाल ही में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक, मूल मुद्रास्फीति, थोक मूल्य सूचकांक की दरें घोषित की गई हैं। औसतन मुद्रास्फीति की दर लक्षित दर से कम है, लिहाजा भारत सरकार गाल बजा सकती है कि उसने महंगाई को नियंत्रित रखा है, लेकिन यथार्थ कुछ और ही है। सामान्य और आसान शब्दों में कहें, तो आम आदमी के लिए 'दाल-रोटी की मुद्रास्फीति' अब भी ज्यादा है। महंगाई अब भी काफी ज्यादा है। बेशक अर्थशास्त्र की भाषा में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक स्पष्ट करता है कि अक्तूबर में सालाना खुदरा मुद्रास्फीति 4.87 फीसदी है। यह जुलाई में 7.44 फीसदी थी, जिससे लगातार कम होती गई है। मूल मुद्रास्फीति (कोर इंफ्लेशन) 4.28 फीसदी बताई गई है, लेकिन उसमें खाद्य और ईंधन की बढ़ती कीमतें शामिल नहीं हैं। बताया गया है कि यह दर 43 माह में सबसे कम रही है। थोक मूल्य सूचकांक शून्य से 0.52 फीसदी नीचे रहा है। दावा किया जा रहा है कि अक्तूबर में खाद्य पदार्थों की महंगाई घटकर 2.53 फीसदी पर आ गई। सितंबर माह में यह महंगाई 3.35 फीसदी थी। थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति अप्रैल से लगातार शून्य से नीचे रही है, उस लिहाज से महंगाई के मोर्चे पर राहत की खबर लगातार मिल रही है, लेकिन भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास इसे 'अति संवेदनशील स्थिति' मानते हैं। दरअसल खाद्य वस्तुओं की कीमतें ही बुनियादी समस्या रही हैं और वे ही महंगाई को परिभाषित करती हैं। 2024 के आम चुनाव से पहले खाद्य मुद्रास्फीति से जुड़े कुछ कठिन और चिपचिपे अवयव मोदी सरकार और आरबीआई को चिंतित कर रहे हैं। दरअसल दाल-रोटी अर्थात अनाज और दालों की खुदरा मुद्रास्फीति करीब 10.65 फीसदी है। बीते 14 महीनों, सितंबर 2022, से ही यह दहाई में रही है। दालें भी बीते पांच महीनों से दहाई की दर में महंगी रही हैं। इनकी मौजूदा मुद्रास्फीति 18.79 फीसदी है, जो अगस्त, 2016 से उच्चतम रही है। इसका मानसून से प्रत्यक्ष संबंध हो सकता है। खाद्य मुद्रास्फीति का 6.61 फीसदी पर आकलन करें, तो सामान्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक से अधिक है। खाद्य के साथ-साथ सब्जियां भी हैं, जिनकी मौसमी आपूर्ति की कमी बार-बार आम नागरिक को परेशान करती है। नतीजतन जुलाई-अगस्त में टमाटर 200 रुपए किलो तक बिका और आजकल प्याज 70-80 रुपए किलो बेचा जा रहा है। यदि हम रोजाना की अपनी थाली पर गौर करें, तो अनाज, दालें, सब्जियां आदि महंगी होती जा रही हैं। यह दीगर व्यवस्था है कि एक मौसम में टमाटर, प्याज, आलू आदि की फसलें किसान को सडक़ों पर फेंकनी पड़ती हैं अथवा उन्हें नष्ट करना पड़ता है, क्योंकि उनके अपेक्षित दाम नहीं मिलते। एक मौसम में टमाटर और प्याज महंगे बेचे जाते हैं। सवाल है कि ये कीमतें कौन तय करता है? इसका अर्थशास्त्र न तो आम उपभोक्ता जानता है और न ही सरकार खुलासा करती है, क्योंकि कोई निश्चित नियामक नहीं है।

तेलांगना और मिज़ोरम की पाँच विधान सभाओं के चुनाव में उनके लिए कुछ सीटें छोड़ देगी

विपक्ष का गठबन्धन किस राह पर ?

कुलदीप चन्द अग्निहोत्री

राहुल गान्धी ने भी इस नई भूमिका के लिए रिहर्सल वग़ैरह शुरु कर दी। एक दिन ट्रक पर चढ़ कर, ट्रक ड्राईवर का अभिनय किया। दूसरे दिन रेलवे स्टेशन पर जाकर क़ुली का काम किया। उसके लिए वाकायदा क़ुली की वर्दी भी पहनी। कुछ क्षण क्षणिक खेत में जाकर ध्यान से यह भी देखा कि पौधे कैसे उगते हैं और वहाँ धूप में दो तीन मिनट फ़सल बगैरह काटने काटने का दृष्य भी पैदा किया। बाक़ी विपक्षी दल उनके ये कार्य धैर्य से देखते रहे कि कम से कम कांग्रेस राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलांगना और मिज़ोरम की पाँच विधान सभाओं के चुनाव में उनके लिए कुछ सीटें छोड़ देगी।

कुछ महीने पहले विपक्ष के प्रमुख दलों ने मिल बैठ कर एक गठबन्धन बनाया था जिसका नाम उन्होंने इंडी रखा। शुरु शुरु में दो बैठकें भी कीं। मोटे तौर पर सभी दलों ने मान ही लिया कि नेतृत्व राहुल गान्धी जी का ही रहेगा। वे ही विपक्षी दलों का मार्गदर्शन करेंगे और नरेन्द्र मोदी को पराजित करने की इच्छा को साकार करेंगे। राहुल गान्धी ने भी इस नई भूमिका के लिए रिहर्सल वग़ैरह शुरु कर दी। एक दिन ट्रक पर चढ़ कर, ट्रक ड्राईवर का अभिनय किया। दूसरे दिन रेलवे स्टेशन पर जाकर क़ुली का काम किया। उसके लिए वाकायदा क़ुली की वर्दी भी पहनी। कुछ क्षण क्षणिक खेत में जाकर ध्यान से यह भी देखा कि पौधे कैसे उगते हैं और वहाँ धूप में दो तीन मिनट फ़सल बगैरह काटने काटने का दृष्य भी पैदा किया। बाक़ी विपक्षी दल उनके ये कार्य धैर्य से देखते रहे कि कम से कम कांग्रेस राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलांगना और मिज़ोरम की पाँच विधान सभाओं के चुनाव में उनके लिए कुछ सीटें छोड़ देगी। लेकिन राहुल गान्धी कुली बगैरह बनने तक तो मनोरंजन करते रहे लेकिन अन्य विपक्षी दलों के लिए इन पाँच राज्यों में सीटें छोड़ने की सीमा तक मनोरंजन करने के लिए तैयार नहीं हुए। अखिलेश यादव मध्य प्रदेश में अपने समाजवादी दल के लिए सीटें माँग रहे थे। लेकिन राहुल गान्धी पैरों पर पानी नहीं पड़ने दे रहे थे। इसलिए अखिलेश यादव निराश और नाराज़, दोनों एक साथ ही हो गए। उन्होंने अपने प्रत्याशियों की फ़ौज मध्य प्रदेश में उतार दी और साथ ही कांग्रेस को खरी घोटी सुना दी। यादव ने यह संकेत भी दे दिया कि लोकसभा के चुनाव में कांग्रेस जैसी चालाक पार्टी से समझौता कैसे सम्भव है? लालू जी की माँगें तो ख़त्म होने का नाम ही नहीं लेतीं। आम आदमी पार्टी के ख़ास आदमी कांग्रेस से भी चालाक सिद्ध हो रहे हैं। उनको लगता था कि इन पाँच राज्यों में कांग्रेस प्रतीक स्वरूप भी उसे कुछ सीटें छोड़ देगी तो वे कुछ अन्य प्रान्तों में भी एक दो दो विधायकों के मालिक बन जाएँगे। लेकिन कांग्रेस ने उनकी यह ख़्वाहिश पूरी नहीं की। केजरीवाल ने अपने प्रत्याशी जगह जगह खड़े कर दिए हैं। लेकिन क्या मजाल कि कांग्रेस के खिलाफ एक शब्द भी बोला हो। उसका उत्तर शायद वे पंजाब और दिल्ली में दें। यह भी हो सकता है वहाँ भी न दें। दरअसल केजरीवाल कांग्रेस के ढहने का इन्तज़ार कर रहे हैं।

उनके पास लम्बा समय है। वे जानते हैं इंडी के वाबजूद कांग्रेस का महल गिरेगा ही। तब आपाधापी मचेगी। उस समय वे महल में दबे लोगों को बाँह निकालने और उनका स्वागत करने को तत्पर होंगे। परन्तु उनकी एक ही समस्या है। भ्रष्टाचार के मामले उनका पीछा नहीं छोड़ते। कहा भी जाता है कई बार बचपन की गल्तियां ताउम्र तंग करती रहती हैं। भ्रष्टाचार के मामलों में उनके प्रमुख साथी जेल में बन्द हैं। अनेक कोशिशों के बाद भी उनकी ज़मानत नहीं हो रही। सबूतों के संकेत अब केजरीवाल के घर की ओर भी आने लगे हैं। इसलिए अब वे देशभर में जनमत संग्रह करवाएँगे कि क्या जेल से ही केजरीवाल को मंत्रिमंडल चलाते रहना चाहिए या फिर उन्हें जेल जाने पर इस्तीफ़ा देना चाहिए? वैसे मनीष सिसोदिया ने भी कई महीने पहले जेल जाने पर दिल्ली के स्कूली छात्रों से अपील की थी कि वे मेरी गैरहाजिरी में इधर उधर मत घूमें अपनी पढ़ाई पर ध्यान दें। उनको लगता था कि उनके डर से ही देश के छात्र पढ़ते हैं। उनके जेल जाने पर वे आवारा हो जाएँगे। यही बात केजरीवाल बड़े पैमाने पर कर रहे हैं। उनको भी लगता है कि उनके जेल जाने से दिल्ली रसातल को चली जाएगी। इसलिए वे जेल से ही सरकार चलाने का जनमत लेना चाहते हैं। कांग्रेस इस जनमत पर आँख लगाए बैठी है। उनको अपने नैशनल हैराल्ड वाले केस का डर खाए जा रहा है, जिसमें माँ बेटा दोनों ही ज़मानत पर हैं। इंडी गठबन्धन के बाक़ी दल स्पष्ट हैं। उन्होंने इसका ख़ुलासा भी कर दिया है। सीता राम येचुरी सीपीएम के बड़े नेता हैं। उन्होंने कोलकाता में स्पष्ट कर दिया कि इंडी की प्राणवायु ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस के साथ पश्चिमी बंगाल में कोई समझौता नहीं होगा। उसके साथ बंगाल को छोड़ कर अन्य स्थानों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर समझौता होगा। तृणमूल कांग्रेस के लोग हैरान हैं कि पार्टी तो बंगाल की है। सीपीएम बंगाल में समझौता करेगी नहीं तो क्या तृणमूल के साथ पंजाब में सीटों का बँटवारा किया जाएगा? नीतीश बाबू शुरु में ही समझ गए थे कि क्या खेला हो रहा है। भागदौड़ करके विरोधी दलों का सम्मेलन उन्होंने पटना में बुलाया था। सोचा था, उन्हें इसका संयोजक बना दिया जाएगा तो थोड़ा देश भर में घूम कर अपना ईमेज बना लेंगें कि प्रधानमंत्री बनने लाईक माल है। जेडीयू के कुछ, 'नन्हा मुन्ना राही हूँ, देश का सिपाही हूँ' टाईप गीत गाने भी शुरु कर दिए थे। देश का सिपाही थोड़ा मैडल वग़ैरह लगा कर 'प्रधानमंत्री का पद यदि देश की जनता देगी तो मैं पीछे नहीं हटूँगा' जैसे जुमले भी याद करने लगा था। लेकिन कांग्रेस के माँ बेटे ने बेंगलुरु में सारा गुड गोबर कर दिया। उनके शो को हाईजैक कर, अपना बोर्ड लगा लिया। इन पाँच राज्यों के विधान सभा चुनावों में नीतीश बाबू की जेडीयू को भी घास नहीं डाली। नीतीश बाबू को भी अपनी पार्टी के प्रत्याशी मैदान में उतारने पड़े। लेकिन चुनाव के नतीजे तो आते रहेंगे। नीतीश बाबू को इससे कोई फ़र्क़ नहीं पड़ने वाला। अलबत्ता उनकी इस भागदौड़ में लालू के बेटों ने आँगन के पिछवाड़े पर कब्जा कर लिया। सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन का सारा श्रेय उन्होंने स्वयं लेना शुरु कर दिया। नीतीश बाबू का नाम ही गोल कर दिया। इडी में पूछ प्रतीत नहीं और लालू के बेटे पीछे से घेरने लगे तो नीतीश बाबू ने बिहार विधान सभा में ही शाब्दिक अश्लील हरकतें करनी शुरु कर दीं। विधान सभा में महिला सदस्य भी बैठीं थीं तो नीतीश बाबू सधे अंदाज़ा में अभिनय के साथ संभोग की क्रियाएँ समझाने लगे। नीतीश बाबू की यह मानसिक हालत अभी किसी को पता नहीं थी। लेकिन लगता है राजनीतिक स्थिति से निराश होकर वे स्वयं ही अपनी असलियत जाहिर करने लगे हैं। लेकिन ताज्जुब है उनके इंडी के दूसरों भागीदारों ने न तो नीतीश बाबू की इस हरकत पर क्षोभ व्यक्त किया और यदि वे मानते हैं कि वे नीतीश बाबू मानसिक निराशा में ऐसा कर रहे हैं, तो कम से कम से वे इस पर दुख ही प्रकट करते। इंडी का यह बड़ा अभियान इस हालत तक पहुँच जाएगा, इसकी किसी ने कल्पना नहीं की थी।

समाज में बढ़ता असंतोष एवं घटता अपनत्व

पिछले एक महीने में समाचारों एवं सोशल मीडिया में पारिवारिक असंतोष एवं व्यक्तिगत स्वार्थ लिप्सा से जुड़ी कुछ ऐसी खबरें देखने-पढऩे को मिलीं जिनमें बिखरते रिश्तों और घटते नैतिक मूल्यों की वजह से कहीं मां तो कहीं भाई-भाभी का दर्दनाक कत्ल अथवा अपनों से दुव्र्यवहार की खबरें किसी भी संवेदनशील मनुष्य को विचलित कर देने के लिए पर्याप्त हैं। कौशांबी गाजियाबाद में हत्या के एक सनसनीखेज मामले में एक बेटे ने अपनी मां की पीट-पीटकर इसलिए हत्या कर दी क्योंकि उसने शराब पीने के लिए पैसे नहीं दिए थे। वहीं हिमाचल प्रदेश के जिला चम्बा के भटियात क्षेत्र में एक व्यक्ति ने अपनी माता की हत्या कर दी। एक अन्य समाचार के अनुसार 06 नवंबर 2023 को उत्तरी त्रिपुरा जिले के धर्मनगर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत राधापुर ग्राम पंचायत में मातृहत्या की एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है जहां एक बेटे ने अपनी मां की फावड़े से हत्या कर दी और उसका शव घर में छिपा दिया।

समाज में सहिष्णुता को बढ़ावा देने और जन-जन में जागरूकता फैलाने के लिए हर वर्ष 16 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस के रूप में मनाया जाता है। अंतरराष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस का उद्देश्य संसार में हिंसा की भावना और नकारात्मकता को खत्म कर अहिंसा को बढ़ावा देना है और अन्याय को रोकने तथा लोगों को सहनशीलता और सहिष्णुता के प्रति जागरूक करना है। महात्मा गांधी की 125वीं जयंती के अवसर पर वर्ष 1995 में संयुक्त राष्ट्र महासभा के द्वारा अंतरराष्ट्रीय सहिष्णुता वर्ष घोषित किया गया था। पिछले एक महीने में समाचारों एवं सोशल मीडिया में पारिवारिक असंतोष एवं व्यक्तिगत स्वार्थ लिप्सा से जुड़ी कुछ ऐसी खबरें देखने-पढऩे को मिलीं जिनमें बिखरते रिश्तों और घटते नैतिक मूल्यों की वजह से कहीं मां तो कहीं भाई-भाभी का दर्दनाक कत्ल अथवा अपनों से दुव्र्यवहार की खबरें किसी भी संवेदनशील मनुष्य को विचलित कर देने के लिए पर्याप्त हैं। कौशांबी गाजियाबाद में हत्या के एक सनसनीखेज मामले में एक बेटे ने अपनी मां की पीट-पीटकर इसलिए हत्या कर दी क्योंकि उसने शराब पीने के लिए पैसे नहीं दिए थे। वहीं हिमाचल प्रदेश के जिला चम्बा के भटियात क्षेत्र में एक व्यक्ति ने अपनी माता की हत्या कर दी। एक अन्य समाचार के अनुसार 06 नवंबर 2023 को उत्तरी त्रिपुरा जिले के धर्मनगर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत राधापुर ग्राम पंचायत में मातृहत्या की एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है जहां एक बेटे ने अपनी मां की फावड़े से हत्या कर दी और उसका शव घर में छिपा दिया। इन सभी मामलों में शराब की लत ने पारिवारिक ताने-बाने को उजाड़ दिया। पारिवारिक असंतोष एवं संपत्ति विवाद के चलते जिला कांगड़ा के नगरोटा बगवां की ग्राम पंचायत जसौर में छोटे भाई ने अपने बड़े भाई और भाभी की गोली मारकर हत्या कर दी। आज परिवारों के भीतर अहम और ईगो के चलते बच्चों और बड़े बुजुर्गों के बीच असंतोष एवं दूरियां इतनी बढ़ गई हैं कि युवा अक्सर घर से दूर रहना पसंद कर रहे हैं। कहीं कहीं चिट्टे एवं नशे की जरूरतों अथवा शीघ्र रुपया जुटाने की जुगत में लोग चोरियों की घटनाओं को अंजाम देने की फिराक में निर्दोष लोगों की हत्याएं करने से भी नहीं झिझक रहे हैं। लेकिन कई बार हमें पारिवारिक रिश्तों को मजबूती प्रदान करते कुछ बेहतरीन उदाहरण भी देखने को मिलते हैं, जैसे राखी वाले दिन भी अपनी ड्यटी निभाते बस ड्राइवर और कंडक्टरों को बस स्टैंड या रास्ते में राखी बांधती बहनों की वीडियो एवं तस्वीरें मन को सुकून और आनंद प्रदान करती हैं और रिश्तों में स्नेह-अपनत्व की झलक दिखलाई देती है जो भारतीय संस्कृति का उज्ज्वल पक्ष है। अतएव पथभ्रष्ट मनुष्यों के लिए ऐसे व्यक्तियों से सीख लेकर परिवार एवं सामाजिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए स्वयं को बदलना होगा। वर्तमान मानव जीवन भौतिकतावाद पर अवलंबित है। मनुष्य जब अपने आसपास और बाजारवाद से प्रभावित होता है तो अन्य लोगों से अपनी प्रगति की तुलना करता है। कहीं कहीं पारिवारिक, शिक्षा एवं आर्थिक कारणों से वह अपने को दूसरों के मुकाबले पिछड़ा हुआ पाता है और यही कमियां उसकी प्रगति में अवरोधक का कार्य करती हैं जिससे उसके मनोविकारों में बदलाव आते हैं जो उसे तनाव, अवसाद, चिंता और व्यग्रता की ओर ले जाते हैं जिससे उसका पतन होता है और वह अनैतिक निंदनीय कार्य कर पथभ्रष्ट होकर सामाजिक तिरस्कार का पात्र बनकर रह जाता है जिसकी परिणति अंततः नशीले एवं मादक पदार्थों के सेवन से शुरू होकर मारपीट और हत्या करने जैसे कार्यों से समाप्त होती है। ऐसे व्यक्ति न केवल स्वयं अपने परिवार को आघात पहुंचाते हैं अपितु समाज को भी पीड़ित करते हैं। इससे समाज का माहौल खराब होता है एवं युवा पीढ़ी पर गलत प्रभाव पड़ता है। आज इन्हीं परिस्थितियों को बदलने के लिए समाज के ही लोगों को आगे आने की आवश्यकता है। मानव जीवन में इस सत्य को सभी को स्वीकार करना चाहिए कि हम कहां पैदा होंगे और कब मरेंगे, यह हमारे वश में नहीं है, लेकिन श्रीमद्भगवद्गीता के अनुसार हमें कर्म करने की शिक्षा के संदेश को अपने जीवन में अपनाने की आवश्यकता है। जीवन में अगर हम दूसरों की सफलता को स्वीकार नहीं करते हैं तो वो ईर्ष्या बन जाती है और अगर स्वीकार कर लें तो वही प्रेरणा बन जाती है। हमारा आज का समाज ईर्ष्या, द्वेष, घृणा, क्रोध, अहंकार रूपी अग्नि से झुलस रहा है। आज आवश्यकता है कि अध्यात्म शक्ति के द्वारा हम स्वयं के अंदर दहक रही इस ज्वाला को शांति, प्रेम, धीरज, करुणा से बुझाएं और मानवता का कल्याण करें। ईशा फाउंडेशन के संस्थापक सद्गुरु जग्गी वासुदेव के अनुसार जब आप अपनी पसंद और नापसंद से ऊपर उठ जाते हैं तो अनजाने में आप चेतन हो जाते हैं, आध्यात्मिक हो जाते हैं। गांधी जी का मानना था कि सहिष्णुता का अर्थ सिर्फ एक-दूसरे से सहमत होना या अन्याय के प्रति उदासीन रहना नहीं है, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति में आवश्यक मानवता के प्रति सम्मान दिखाना है। लिहाजा हम मनुष्यों के लिए अनिवार्य हो जाता है कि हम अपनी बुरी आदतों को छोड़ें, अपनी जरूरतों को सीमित करें, परिश्रम से अपना भविष्य उज्ज्वल बनाएं। परिवार के साथ सामंजस्य बनाकर रखते हुए आपसी प्रेम, सौहार्द एवं अपनत्व को बढ़ावा दें, ताकि हम सुखी जीवन की ओर अग्रसर रहकर तनाव एवं कुंठित जीवन जीने की बजाय प्रेम, अपनत्व और खुशहाली से परिपूर्ण जीवन जिएं और अपने समाज एवं राष्ट्र को गरिमा एवं आपसी आदर जैसे गुणों से सुसज्जित एवं परिपूर्ण लोगों का श्रेष्ठ समाज बनाएं। हमें ऐसा संकल्प लेना चाहिए।

देश दुनीया से

कोरोना के असर से उबरती अर्थव्यवस्था

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए खुशी की बात है कि जिस तरह से इन दिनों हर तरफ त्योहारों की छटा छाई हुई है, भारतीय उपभोक्ताओं का विश्वास भी अब अर्थव्यवस्था के प्रति बढ़ रहा है। उपभोक्ताओं की भावनाओं से संबंधित रिजर्व बैंक की एक नई रिपोर्ट इन दिनों खूब चर्चा में है, जिसमें बताया गया है कि अब भारतीय समाज से कोरोना का आर्थिक दुष्प्रभाव पूर्णतः खत्म होने के कगार पर पहुंच गया है। केंद्रीय बैंक की इस रिपोर्ट में प्रस्तुत आंकड़े सितंबर में हुए एक सर्वे पर आधारित हैं। इस रिपोर्ट के आंकड़े इस बात की पुष्टि करते हैं कि सितंबर में कंज्यूमर कॉन्फिडेंस इंडेक्स (सीसीआई) 92.2 पर दर्ज हुआ, लगभग इसी स्तर से कुछ ऊपर यह इंडेक्स वर्ष 2019 में था। यानी देश की आर्थिक नीतियों की चाल सही दिशा की ओर अग्रसर है। रिजर्व बैंक द्वारा किया जाने वाला यह सर्वे मुख्यतः पांच आर्थिक तथ्यों पर भारतीयों के विचार व भावनाओं को जानने की कोशिश करता है। इसमें अर्थव्यवस्था की स्थिति, रोजगार का वर्तमान स्तर, महंगाई व उसका प्रभाव, व्यक्तिगत आर्थिक आय में बढ़ोतरी या गिरावट तथा विभिन्न प्रकार के खर्चों का विश्लेषण सम्मिलित होता है। इस सर्वे का एक अन्य पक्ष यह भी है कि यह वर्तमान स्थिति के विश्लेषण के साथ-साथ भविष्य के प्रति भारतीयों के आर्थिक विकास के नजरिये को भी जानने की कोशिश करता है। कोरोना की आर्थिक मार पड़ने के बाद वर्ष 2020 से लेकर वर्ष 2022 तक सीसीआई गिरकर तकरीबन 40 अंक के स्तर पर चला गया था। मगर ये आंकड़े बताते हैं कि विश्व की सबसे बड़ी आबादी वाला मुल्क तीन वर्षों में ही आर्थिक गिरावट के दौर से बाहर निकल आया है। इन सबके बावजूद भारतीय समाज का आम व्यक्ति रोजगार में बढ़ोतरी के संबंध में बहुत ज्यादा सकारात्मक नहीं है। रिजर्व बैंक के इसी सर्वे में लगभग दो तिहाई से अधिक लोगों ने माना है कि रोजगार की उपलब्धता के संबंध में अब भी स्थिति लगभग एक वर्ष पहले जैसी ही है और तकरीबन 10 प्रतिशत से अधिक लोगों ने रोजगार की बढ़ोतरी के संबंध में अपनी राय ही नहीं दी है। आगामी वर्ष के लिए रोजगारों में बढ़ोतरी के संबंध में तकरीबन 30 प्रतिशत लोगों ने अपनी राय रखने से मना कर दिया। 25 प्रतिशत से अधिक लोगों ने माना कि एक वर्ष बाद रोजगारों के स्तर में भारतीय अर्थव्यवस्था में कमी देखने को मिलेगी। वहीं 18 प्रतिशत लोगों ने माना कि एक वर्ष बाद की स्थिति ऐसी ही रहेगी। आम भारतीय रोजगारों की बढ़ोतरी के संबंध में ज्यादा आशान्वित नहीं है, इसके दो कारण हो सकते हैं। एक तो सरकारी क्षेत्र में रोजगारों की उपलब्धता बहुत कम है, दूसरे निजी क्षेत्र में हमेशा अस्थिरता ही ज्यादा देखने को मिलती है। पिछले तीन दशकों में भारत में बेरोजगारी की दर कभी भी पांच प्रतिशत से नीचे नहीं रही, परंतु इस अवधि में मुल्क की आबादी 50 करोड़ के आसपास बढ़ी। यानी बेरोजगारों की संख्या भारत में प्रतिवर्ष बड़ी तेजी से बढ़ रही है। इसी कारण भारत 'रोजगार विहीन आर्थिक विकास' वाले मुल्क के रूप में जाना जाता है। भारत को इस समस्या से निजात मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर ही दिला सकता है। लेकिन मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर का देश के निर्यात में दो प्रतिशत से भी कम हिस्सा है, जबकि हमसे कम आबादी वाले वियतनाम का मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर का निर्यात में अंशदान तुलनात्मक रूप से बहुत ज्यादा है। एशिया में मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में भारत का मुकाबला अब चीन से ही नहीं, अपितु कई छोटी-छोटी अर्थव्यवस्थाओं से भी है। थाईलैंड, इंडोनेशिया, मलयेशिया, ताइवान, फिलीपींस, कोरिया और बांग्लादेश भी बड़ी तेजी से आगे निकल रहे हैं, क्योंकि इन सभी देशों के उत्पादों की लागत भारतीय उत्पादों से तकरीबन 20 से 30 प्रतिशत तक कम है। इसके अलावा, एक लंबे अरसे से सेवा क्षेत्र आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है, परंतु इसके द्वारा रोजगारों का सृजन समाज के सभी तबकों तक नहीं पहुंच रहा है। शायद इसीलिए बेरोजगारी एक प्रमुख समस्या है।

रिजर्व बैंक द्वारा किया जाने वाला यह सर्वे मुख्यत: पांच आर्थिक तथ्यों पर भारतीयों के विचार व भावनाओं को जानने की कोशिश करता है। इसमें अर्थव्यवस्था की स्थिति, रोजगार का वर्तमान स्तर, महंगाई व उसका प्रभाव, व्यक्तिगत आर्थिक आय में बढ़ोतरी या गिरावट तथा विभिन्न प्रकार के खर्चों का विश्लेषण सम्मिलित होता है। इस सर्वे का एक अन्य पक्ष यह भी है कि यह वर्तमान स्थिति के विश्लेषण के साथ-साथ भविष्य के प्रति भारतीयों के आर्थिक विकास के नजरिये को भी जानने की कोशिश करता है। कोरोना की आर्थिक मार पड़ने के बाद वर्ष 2020 से लेकर वर्ष 2022 तक सीसीआई गिरकर तकरीबन 40 अंक के स्तर पर चला गया था।

दृष्टिकोण

ठेके पर जिंदगी

लगता है, आज जिंदगी ठेके पर चली गई है। लेखन से कलाकृतियों तक का सृजन ठेके पर होता है। जिंदगी से प्यार खत्म करवाने का ठेका पहले कुछ लोगों ने ले रखा था। इस पर न जाने कितनी दर्दनाक फिल्में लिखी गईं, न जाने कितनी प्रेम कहानियां बनीं, जिनके प्रेम त्रिकोण में तीसरा कोना खलनायक का होता था। ठेके पर काम करते ये लोग प्रेमी से लेकर रस्मो रिवाज और परम्पराओं की दुहाई देकर शादी तुड़वाने वाले बड़े-बूढ़ों और समाज के मीर मुंशियों का काम कर जाते। रिश्ता टूट जाता। यूं खलनायकों का ठेका व्यवसाय इतना सफल हो गया कि लोगों ने उसकी भयावहता से डर कर अपने बच्चों के नाम इन खलनायकों के नाम पर रखने बंद कर दिए। तब एक तरफ मशहूर खलनायक थे 'प्राण साहिब'। लोगों ने तो एक दो पीढ़ी तक किसी नवजात बच्चे का नाम प्राण ही नहीं रखा। लेकिन अब जमाना बदल रहा है, साहिब। हमारे समाज के आधुनिक और व्यवसायी होते जाने के साथ-साथ यह ठेका व्यवसाय भी सफेदपोश और साफ-सुथरा हो गया है। अभी देखिए न अपने देश के किसान कानूनों से कायाकल्प के नाम पर इस देश के मूल नागरिकों धरती पुत्रों या किसानों की जिंदगी संवारने के लिए किसानों की खेती धनिक घरानों को ठेके पर देने, उनकी फसलों के खरीद ठेके लेने का अधिकार ऊंची अटारियों वालों को दे दिया गया था। वैसे तो इस देश के किसानों की शोषित बहुसंख्या इसी प्रकार सूदखोर महाजनों और धनी जमीदारों के पास ठेके पर, अर्ध बंटाई या खेत में खड़ी फसलों के औने-पौने दाम बिक कर सदियों से किसानों का दुख हरती रही है। लेकिन यह दुख हरा गया, या एक शोषित प्रक्रिया के रूप में तबदील हो गया, यह तो केवल भुक्तभोगी ही जानते हैं। हां, पिछले साल इतना अवश्य हुआ कि इन गरीब अभागे किसानों की जमीन धनियों को ठेके पर देने की वैधानिक मान्यता मिल गयी। फसलों को सम्पन्न घरानों में गोदामों के लौह द्वारों के पीछे कैद करने की कानूनी इजाजत मिल गयी। ठेके पर जिंदगियां रख उन्हें संवारने के नाम पर बिगाडऩे के न जाने अभी कितने और ठेके खुल गए हैं। शिक्षालयों की ओर जाते हैं, तो वहां शिक्षा परमो धर्म का सूत्र वाक्य अपना चेहरा बिगाड़ ठेके पर उठ गया लगता है। महामारी का फालिज न केवल पुस्तक और अध्यापन अध्ययन संस्कृति पर गिरा, बल्कि पूरी शिक्षा व्यवस्था ही जैसे सेवानिवृत्ति झेलने लगी है। गए दिनों में गुरु द्रोण की मूर्ति सजा शिष्य एकलव्य ने शस्त्र साधना की थी। अब तो देश के जीते जागते अध्यापकों को कोई नहीं पूछता। अब तो बरसों उन्हें नाममात्र वेतन पर ठेके पर रह जिंदगी में किसी स्थायित्व को देने की मांग करते हैं, तो उन्हें कच्चे मुलाजिम कह कर अपने बजट से निकाल दिया जाता है। शिक्षालयों के भवन आज भी खड़े हैं, लेकिन लगता है उनसे विद्या और प्रेरणा रूठती जा रही है। हर लक्ष्य तक पहुंचने के लिए चोर दरवाजे और शार्टकट खुलने लगे हैं। आजकल तप और साधना से पूर्ण शिक्षा प्राप्त करने की बात कौन करता है? विद्या के गुलाबों की खुशबू की जगह कुकुरमुत्तों ने ले ली है। हथेली पर सरसों जमाने की ठेका विधियां दनदनाने लगी हैं।

गाजा में मानवीय आधार पर युद्ध रोकने की मांग वाला प्रस्ताव पास, अमेरिका-रूस-ने मतदान से बनाई दूरी

न्यूयॉर्क ।

इजराइल-हमास युद्ध के बीच संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) ने गाजा में मानवीय मदद के लिए युद्ध रोकने की मांग वाले प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, विशेष सत्र के दौरान लाए गए प्रस्ताव का 12 देशों ने समर्थन किया, जबकि अमेरिका, रूस और ब्रिटेन ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया।

नए प्रस्ताव में गाजा पट्टी में मानवीय मदद के लिए अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के पालन की मांग की गई है। इसके अलावा बच्चों के लिए विशेष सुरक्षा की मांग की गई है। हालांकि, माल्टा की तरफ से रखे गए इस प्रस्ताव में कहीं भी इजराइल से हमले रोकने की अपील नहीं की गई है। जबकि, चीन और रूस तत्काल युद्धविराम चाहते हैं।

आसियान की अपील, रोका जाए युद्ध

दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों के संगठन आसियान के रक्षा मंत्रियों ने मंत्री स्तरीय बैठक में इजराइल से गाजा पर तुरंत हमले रोकने की अपील की है। आसियान रक्षा मंत्रियों ने मानवीय मदद के लिए सुरक्षित गलियारा बनाने के लिए भी अपील की है। इधर, इजराइली सेना ने गाजा के सबसे बड़े अल-शिफा अस्पताल पर नियंत्रण हासिल कर लिया। इजराइली रक्षा बल (आईडीएफ) ने बताया कि अस्पताल के तहखाने में भारी मात्रा में हथियार मिले हैं। इससे पहले अस्पताल में कई जगहों पर हमास के लड़ाकों से मुठभेड़ हुई। इजराइली सेना के मुताबिक अस्पताल में अब भी कई जगह आतंकी मौजूद हो सकते हैं। इस वजह से एक-एक कोने की तलाशी ली जा रही है। इसके साथ ही लाउड स्पीकर के जरिये आतंकियों से समर्पण करने के लिए कहा जा रहा है। इजराइली सेना के मुताबिक इसी अस्पताल के नीचे हमास का मुख्यालय बना हुआ है। वहीं, विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि जब से इजराइली सेना ने अस्पताल पर नियंत्रण हासिल किया है, वहां मौजूद डॉक्टरों से संपर्क नहीं हो पा रहा है। दूसरी तरफ संयुक्त राष्ट्र का दावा है कि अस्पताल के अंदर मरीजों और स्टाफ को मिलाकर करीब 2,300 लोग मौजूद हैं। गाजा में संयुक्त राष्ट्र के राहत प्रमुख मार्टिन ग्रिफिथ्स ने कहा कि अस्पताल युद्धभूमि नहीं हैं। अस्पतालों में नवजात शिशुओं, रोगियों, चिकित्सा कर्मचारियों और सभी नागरिकों की सुरक्षा अन्य सभी चिंताओं से ऊपर होनी चाहिए। वहीं, इस संबंध में आईडीएफ के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल पीटर लर्नर ने कहा कि इस बात के पुख्ता सबूत मिले थे कि हमास अस्पताल परिसर का इस्तेमाल अपने मुख्यालय के तौर पर कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

गर्भनाल काटने में देरी से घट सकती है नवजात मृत्युदर, इस तरह बढ़ाई जा सकती है जीवन की संभावना

वाशिंगटन। जन्म के तुरंत बाद गर्भनाल काटना सामान्य बात है, जबकि गर्भनाल को तुंरत बाद न काटने से

नवजात मृत्यु दर के जोखिम को आधा किया जा सकता है। इस बात का खुलासा द लांसेट में प्रकाशित एक अध्ययन रिपोर्ट में हुआ है। ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रीय स्वास्थ्य और चिकित्सा अनुसंधान परिषद (एनएचएमआरसी) की दो शोधकर्ताओं डॉ. अन्ना लेने सीडलर और प्रोफेसर लिसा एस्की की शोध रिर्पोट के अनुसार यदि गर्भनाल काटने में देरी की जाए, तो इससे बच्चे के शरीर में रक्त की मात्रा में वृद्धि हो सकती है। इसके अलावा ब्लड प्लेटेलेट्स में आयरन का स्तर बढ़ता है। यही नहीं गर्भनाल के देरी से कटने के कारण शिशु के शरीर में रेड ब्लड सेल्स 60 फीसदी तक बढ़ जाते हैं, जबकि वॉल्यूम में 30 फीसदी तक का इजाफा होता है। एनएचएमआरस की शोधकर्ता डॉ. अन्ना लेने सीडलर कहती हैं, दुनिया भर में, हर साल लगभग 1.3 करोड़ बच्चे समय से पहले पैदा होते हैं और जन्म के कुछ समय बाद ही लगभग 10 लाख बच्चे मर जाते हैं। नए निष्कर्ष बताते हैं कि गर्भनाल काटने में 2 मिनट या उससे देर तक या उससे अधिक समय तक इंतजार करने के बाद समय से पहले जन्मे बच्चों की जान बचाने में मदद मिलती है। डॉ. सीडलर की टीम ने पहले पेपर में करीब 9000 से अधिक बच्चों के 60 क्लिनिकल परिक्षण डेटा को शामिल किया। इसमें देखा गया कि जन्म के 30 सेकंड बाद या उससे अधिक समय के बाद गर्भनाल को काटा गया तो समय से पहले जन्म लेने वाले शिशुओं में मृत्यु का जोखिम उन लोगों की तुलना में एक तिहाई कम हो गया, जिनकी गर्भनाल को जन्म के तुरंत बाद काटा गया था। प्रोफेसर लिसा एस्की की टीम ने दूसरे पेपर में 47 क्लिनिकल परीक्षणों के डेटा का विश्लेषण किया, जिसमें 6,094 बच्चे शामिल थे। इसमें शोधकर्ताओं ने पाया कि गर्भनाल को कम से कम दो मिनट इंतजार के बाद काटने से नवजात बच्चे की मृत्यु दर को न सिर्फ कम किया जा सकता है बल्कि जन्म के तुरंत बाद मृत्यु रोकने की संभावना 91 प्रतिशत बढ़ जाती है। इस शोध से चिकित्सा जगत को नवजात शिशुओं को लेकर एक नई उम्मीद जगी है।

पहले भारतीय गिरमिटिया मजदूरों की याद में बनेगा स्मारक, दक्षिण अफ्रीका में जल्द शुरू होगा काम

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका की सरकार वर्ष 1860 में आए प्रथम भारतीयों की याद में स्मारक बनाने जा

रही है। सरकार ने जानकारी देते हुए कहा, 1860 में दक्षिण अफ्रीका में पहले भारतीय गिरमिटिया मजदूरों के आगमन की स्मृति का सम्मान करने के लिए एक स्मारक पर काम जल्द ही शुरू होगा। स्मारक का काम 2010 में शुरू हो गया था, लेकिन फंडिंग और नौकरशाही की खींचतान के कारण इसके निर्माण में देरी हो गई। बता दें दक्षिण अफ्रीकी भारतीय मूल का समुदाय 1860 में बंदरगाह शहर डरबन में तत्कालीन पोर्ट नटाल के गन्ना बागान में काम करने वाले पहले भारतीयों के आगमन का जश्न मनाएगा। हालांकि स्मारक के प्रारूप पर निर्णय लेने के लिए पहले गठित 1860 स्मरणोत्सव स्मारक समिति इस बात पर सहमत नहीं हो सकी कि यह एक अमूर्त संरचना होनी चाहिए या पीठ पर एक बच्चे के साथ खेतों में काम करने वाली एक गिरमिटिया महिला मजदूर की मूर्ति होनी चाहिए। विभाग के निदेशक वुसी शॉन्गवे ने कहा, घंटाघर के साथ एक मेहराब बनाने के लिए अगले तीन सप्ताह के भीतर काम शुरू हो जाएगा। हेरिटेज सेंटर के निदेशक सेल्वन नायडू ने कहा, हमें यह जानकर खुशी हुई है कि गिरमिटिया श्रमिकों को श्रद्धांजलि आखिरकार हमारी लोकतांत्रिक सरकार द्वारा दी जाएगी। डरबन में आर्थिक विकास और पर्यटन के पूर्व प्रभारी रवि पिल्लै ने स्मारक को जल्द से जल्द पूरा करने का आह्वान किया। पिल्लै ने कहा, परियोजना को जल्द से जल्द पूरा करना जरूरी है। यह एक ऐसी परियोजना होनी चाहिए जिसे विविध समाज द्वारा अपनाया जाए। इसे विविधता में एकता के हमारे आदर्श वाक्य पर बनाया जाना चाहिए।

इजरायल जा रहीं यूनिसेफ की प्रमुख कैथरीन हुई हादसे का शिकार

वाशिंगटन। इजरायल और हमास के बीच चल रही जंग में सैकड़ों बच्चों की जान चली गई है। कई परिवार संतान विहीन हो गए हैं। ऐसे ही परिवारों से मिलने इजरायल जा रहीं यूनिसेफ की कार्यकारी निदेशक कैथरीन रसेल हादसे का शिकार हो गई हैं। यह हादसा मिस्र में उस वक्त हुआ जब वे कार से जा रहीं थीं और एक बड़े पत्थर से कार टकरा गई,जिसमें वे घायल हो गई। यूनिसेफ के मीडिया प्रमुख कर्टिस कूपर ने कहा, राफा के रास्ते में हमारा मानना है कि कार एक बड़े गड्ढे से टकरा गई या उसे रोकने की कोशिश की गई, जिससे कार गड्ढे में चली गई और पलट गई। उन्होंने कहा कि रसेल को चोटे आई हैं और वह काफी तकलीफ में है, लेकिन उनके जख्म बहुत गंभीर नहीं हैं. उन्होंने कहा कि रसेल ने गाजा की अपनी यात्रा जारी रखी और फिर डॉक्टरों ने तय किया कि उन्हें और देखभाल की जरूरत है।

ब्रिटेन में जयशंकर ने उठाया खालिस्तानियों का मुद्दा, कहा स्वतंत्रताओं के दुरुपयोग के खिलाफ सतर्कता जरूरी

लंदन ।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ब्रिटेन के पांच दिवसीय दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने बुधवार को बैठक के दौरान कनाडा में खालिस्तान समर्थक गतिविधियों से जुड़े मुद्दे को उठाया। उन्होंने जोर देते हुए ब्रिटेन के नेताओं से कहा कि भाषण की स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक निश्चित जिम्मेदारी के साथ आती है और उन स्वतंत्रताओं का दुरुपयोग और राजनीतिक उद्देश्यों के लिए उस दुरुपयोग को बर्दाश्त करना बहुत गलत होगा।

वैश्विक और द्विपक्षीय मुद्दों के सभी आयामों पर चर्चा हुई

भारत रवाना होने से पहले लंदन में भारतीय उच्चायोग में मीडिया से बातचीत के दौरान विदेश मंत्री जयशंकर ने ब्रिटेन के कैबिनेट मंत्रियों और विपक्षी नेताओं के साथ अपनी चर्चा के कुछ पहलुओं को साझा किया, जिसमें वैश्विक और द्विपक्षीय मुद्दों के सभी आयामों पर चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि ब्रिटेन के गृह मंत्री जेम्स क्लेवरली और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) टिम बैरो के साथ बैठक कीं। इस दौरान देश में अपने राजनयिकों की सुरक्षा के संबंध में खालिस्तान समर्थक चरमपंथ के संबंध में भारत की चिंताओं पर चर्चा हुई।

खालिस्तान समर्थक गतिविधियों का जिक्र

जयशंकर ने कनाडा में खालिस्तान समर्थक गतिविधियों का जिक्र करते हुए कहा, हम यहां सरकार को यह समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि लोकतंत्र के साथी के तौर पर हम अभिव्यक्ति और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के महत्व को समझते हैं, लेकिन उन्हें इन स्वतंत्रताओं के दुरुपयोग के खिलाफ सतर्क रहना चाहिए और राजनीतिक उद्देश्यों के लिए उस दुरुपयोग को बर्दाश्त करना बहुत गलत होगा। बैठक के दौरान उन्होंने कनाडा में भारतीय उच्चायोग पर हमलों को याद किया और कहा कि भारतीय राजनयिकों को सार्वजनिक रूप से डराया गया था। कनाडाई अधिकारियों ने दोषियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की।

मार्च में भारतीय उच्चायोग में हुए हिंसक प्रदर्शनों पर उन्होंने कहा कि स्थिति की गंभीरता को पहचाना गया है

और भारत की अपेक्षा है कि उसके राजनयिकों को आवश्यक सुरक्षा प्रदान की जाए और हिंसा और चरमपंथ की वकालत के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया जाए।

मुझे लगता नहीं कि भविष्यवाणी

यह पूछे जाने पर कि क्या एफटीए पर आगामी 14वें दौर की वार्ता अंतिम होने की संभावना है, इस पर विदेश मंत्री ने कहा, हमने प्रगति की है, लेकिन मुझे लगता नहीं कि भविष्यवाणी करना या समयसीमा तय करना मेरे लिए सही होगा। मुझे लगता है कि दोनों पक्ष एफटीए के महत्व से अच्छी तरह वाकिफ हैं और इसे हासिल करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

इजराइल-हमास संघर्ष जैसे कई क्षेत्रीय मुद्दों पर बात

ब्रिटेन के नवनियुक्त विदेश मंत्री डेविड कैमरन के साथ द्विपक्षीय वार्ता पर जयशंकर ने कहा कि उन्होंने रूस-यूक्रेन संघर्ष और पश्चिम एशिया में इजराइल-हमास संघर्ष जैसे कई क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने यह भी साझा कि कैमरन ने उन्हें इंग्लैंड और भारतीय क्रिकेट टीमों द्वारा हस्ताक्षरित क्रिकेट बल्ला भेंट किया। इस बल्ले को विदेश मंत्री ने बहुत खास बताया। इससे पहले रविवार को 10 डाउनिंग स्ट्रीट में ऋषि सुनक से मुलाकात के दौरान उन्होंने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री को विराट कोहली के हस्ताक्षर वाला क्रिकेट बल्ला उपहार में दिया था।

यात्रा सही समय पर हुई

उन्होंने कहा, कुल मिलाकर, मैं कहूंगा कि यह यात्रा सही समय पर हुई और इसकी बहुत जरूरत थी क्योंकि ये व्यक्तिगत बातचीत देशों के बीच वास्तव में समझ विकसित करने में बहुत कुछ करती है। मैं बहुत संतुष्ट था, ब्रिटिश सरकार ने सभी मुद्दों पर बातचीत करने का प्रयास किया और यह अपने आप में आज हमारे संबंधों की निकटता का एक उदाहरण है।

खालिस्तानियों ने फिर भारतीय अफसरों को घेरा, सुरक्षाकर्मियों ने घेरा बनाकर निकाला

वैंकुवर।

खालिस्तानियों को लेकर कनाडा और भारत के बीच तनातनी चल रही है। कनाडा स्थित भारतीय राजनयिकों का वहां विरोध किया जा रहा है। जिसके चलते कनाडा में भारतीय राजनयिकों का खालिस्तानियों ने एक बार फिर से घेराव किया है। कनाडा के वैंकुवर में भारतीय कौंसुलेट के अधिकारियों ने एक कैंप लगाया था। यह कैंप वहां रह रहे भारतीय पेंशनरों को लाइफ सर्टिफिकेट देने के लिए लगा था। इसी दौरान खालिस्तानी तत्वों ने वेन्यू के बाहर घेराव किया। यही नहीं इन लोगों ने आगे भी ऐसे ही प्रदर्शन करने की धमकी दी है। भारतीय अधिकारियों ने यह कैंप खालसा दीवान सोसायटी गुरुद्वारा में किया था, जो ब्रिटिश कोलंबिया के एबट्सफोर्ड में स्थित है। इसी दौरान खालिस्तानी तत्व गुरुद्वारे के बाहर जमा हो गए और स्थिति ऐसी बन गई कि अधिकारियों को पुलिस सुरक्षा में बाहर निकालना पड़ा। इस मसले को भारत सरकार सख्ती के साथ कनाडा से उठा चुकी है। इस पर कनाडा ने कहा था कि हम भारतीय राजनयिकों को पूरी सुरक्षा देंगे और किसी भी खालिस्तानी तत्व को हिमाकत नहीं करने देंगे। इसके बाद भी ऐसी घटना चिंता पैदा करने वाली है। एक कैंप गुरुद्वारे में आयोजित किया गया था। इसके अलावा दो कैंप मंदिर में लगे थे। हाल ही में खालिस्तानियों ने एक सिख परिवार पर भी हमला कर दिया था, जिसने भारत के तिरंगे झंडे को उठाया था। वहीं भारतीय राजनयिकों ने कहा कि यहां बड़ी संख्या में भारतीय रहते हैं। ऐसे में उन्हें पेंशन, इंश्योरेंस जैसी जरूरतों के लिए दस्तावेजों की जरूरत होती है। उन जरूरतों को पूरा करने के लिए ही हम बीच-बीच में कैंप लगवाते हैं। अधिकारियों ने कहा कि गुरुद्वारे के बाहर करीब 20 खालिस्तानी थे, जो आपत्तिजनक नारे लगा रहे थे। इन लोगों ने यहां दस्तावेज के लिए आए कुछ लोगों से भी बदसलूकी की। दरअसल कुछ महीने पहले कनाडा में खालिस्तानी हरदीप सिंह निज्जर मारा गया था। उसकी अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी निज्जर की हत्या के बाद से खालिस्तानी बौखलाए हुए हैं।

इजराइल ने गाजा के अल शिफा अस्पताल में तैनात किए बुलडोजर, दावा- मिला हथियारों का बड़ा जखीरा

गाजा।

हमास के हथियारों और उपकरणों का जखीरा मिलने के बाद से ही इजराइल ने गाजा के अल शिफा अस्पताल में अपना अभियान तेज कर दिया है। इजराइल ने अस्पताल के नीचे मौजूद सुरंग नेटवर्क में कमांड सेंटर होने का आरोप लगाया है। हालांकि संयुक्त राष्ट्र और मध्य पूर्वी देशों ने इजराइल की इस कार्रवाई की निंदा की।

इजराइल ने कहा- हथियारों का जखीरा मिला

इजराइली सैनिकों ने बुधवार को दिनभर अस्पताल में खोजबीन जारी रखी। इस दौरान इजराइली सैनिकों द्वारा एक वीडियो भी बनाया गया। जिसमें इजराइली सैनिक बता रहे हैं कि अस्पताल परिसर से स्वचालित हथियार, हथगोले, गोला बारूद जैसी सामग्री बरामद की गई है। गाजा पट्टी में इजराइली सैन्य अभियानों के प्रमुख मेजर जनरल यारोन फिंकेलमैन ने कहा, हमने शिफा अस्पताल में अभियान चलाया। इजराइल के इस दावे का अमेरिका ने समर्थन किया है। वहीं फलस्तीन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा, इजराइल ने अस्पताल के चारों ओर बुलडोजर तैनात कर दिए हैं। अल शिफा

अस्पताल के निदेशक ने कहा, इजराइली सैनिकों के परिसर में आते ही सभी विभागों में पानी, बिजली और ऑक्सीजन सप्लाई को ठप कर दी गई।

मार्टिग ग्रिफिथ्स बोले, अस्पताल युद्ध का मैदान नहीं

इजराइली कार्रवाई के बीच संयुक्त राष्ट्र के मानवतावादी प्रमुख मार्टिन ग्रिफिथ्स ने सोशल मीडिया में एक पोस्ट साझा करते हुए कहा, अस्पताल युद्ध का मैदान नहीं है, नवजात शिशुओं, रोगियों, चिकित्सक कर्मचारियों और सभी नागरिकों की सुरक्षा के लिए खड़े होना चाहिए। वहीं कतर ने इजराइली सैनिकों द्वारा अस्पताल में की गई कार्रवाई को लेकर संयुक्त राष्ट्र से तुरंत जांच की मांग की है। सात अक्तूबर को गाजा स्थित आतंकी समूह ने इजराइल पर पांच हजार रॉकेट दागे।

ब्रिटेन की पूर्व गृह मंत्री बोलीं-सुनक ने धोखा दिया: कहा- वो कभी वादे पूरे नहीं करने वाले थे; उनमें लीडर बनने के गुण नहीं

लंदन।

ब्रिटेन में हाल ही में गृह मंत्री के पद से हटाई गईं भारतीय मूल की सुएला ब्रेवरमैन ने पीएम ऋषि सुनक को 1300 शब्दों का लेटर लिखा है। इसमें उन्होंने सुनक पर धोखा देने का आरोप लगाया है। पद से हटाए जाने के बाद एक दिन बाद सुएला ने लिखा- सुनक लगातार अपनी नीतियों और वादों को पूरा करने में विफल रहे हैं। अपने खत में सुएला ने आगे लिखा- सुनक कई पॉलिसी पर अपने वादों को निभाने में साफ तौर पर लगातार फेल होते रहे हैं। या तो वो इन वादों को निभाने में असमर्थ हैं या फिर अब मुझे लगता है कि वो इन वादों को कभी पूरा नहीं करना चाहते थे। लंदन में फिलिस्तीन के समर्थन में हो रही रैलियों को बैन न करने पर सुएला ने कहा- ये सबूत है कि सुनक कई मुद्दों पर अनिश्चित और कमजोर हैं। उनमें वो गुण नहीं हैं जो देश के लीडर में होना जरूरी हैं।

सुएला बोलीं- मेरे सपोर्ट से ही पीएम बनने में मदद मिली

सुएला ने बताया कि गृह मंत्री बनने से पहले उनकी सुनक से डील हुई थी। वो सरकार में शामिल होने को तब तैयार हुई थीं, जब सुनक ने उनसे बदलाव को लेकर कुछ वादे किए थे, जो लिज ट्रस की सरकार में नहीं हो रहे थे। सुएला ने कहा- अगला चुनाव जीतने के लिए सुनक को अपना रास्ता बदलने की जरूरत है। उन्हें इमिग्रेशन और यहूदी विरोध को लेकर बदलाव करने की जरूरत है।

सुएला ने कहा- किसी को इस मामले में ईमानदार होने की जरूरत है। सुनक का प्लान काम नहीं कर रहा है। हमने रिकॉर्ड चुनावी हार झेली है। सुनक के तरीके फेल हो रहे हैं और अब हमारे पास ज्यादा समय नहीं है। उन्हें जल्द से जल्द बदलाव करने की जरूरत है। सुएला ने अपने खत में जिन वादों का जिक्र किया है, वो दस्तावेजों में मौजूद है, और सरकार संभालने से पहले सुनक ने इस पर हामी भरी थी।

सुनक ने कहा था- अवैध तरह से घुस रहे लोगों को हर हाल में रोकूंगा

उन्होंने अपने पास इसकी एक कॉपी भी रखी थी और इन बैठकों के दौरान चश्मदीद भी मौजूद थे। सुएला ने कहा कि ये सिर्फ मुझे धोखा देना नहीं है बल्कि ये पूरे देश को धोखा है। सुनक ने कहा था कि वो इंग्लिश चैनल से नावों में बैठकर देश में अवैध तरह से घुसने की कोशिश कर रहे लोगों को रोकने के लिए कुछ भी करेंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

सुनक ने विवादित बयानों के बाद सुएला को पद से हटाया

दरअसल, सोमवार को सुनक ने होम मिनिस्टर सुएला ब्रेवरमैन को पद से हटा दिया था, जिस बात से उनकी पार्टी के कुछ नेता नाराज हैं। सुनक ने सोमवार शाम सुएला को पद से हटाने के बाद उनकी जगह विदेश मंत्री जेम्स क्लेवरली को गृह मंत्री बना दिया। इसके बाद उन्होंने पूर्व पीएम डेविड कैमरन को ब्रिटेन का विदेश मंत्री घोषित कर दिया। दरअसल, भारतीय मूल की सुएला ब्रेवरमैन ने हाल ही में कई विवादित बयान दिए थे।

सुनक की पार्टी के अंदर से ही कई दिनों से यह मांग उठ रही थी कि सुएला की बयानबाजी ब्रिटेन की मिडिल ईस्ट पॉलिसी के खिलाफ है और वे अभिव्यक्ति की आजादी को दबाने की कोशिश कर रही हैं। गृह और विदेश मंत्री के अलावा भी सोमवार को कुछ पदों पर बदलाव किए गए।

चीनी राष्ट्रपति के साथ बैठक के कुछ घंटों बाद ही जो बाइडन का बदला रुख! जिनपिंग को बुलाया तानाशाह

सैन फ्रांसिस्को ।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और उनके चीनी समकक्ष शी जिनपिंग की करीब एक साल बाद बुधवार को पहली बार आमने-सामने मुलाकात हुई। एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों नेताओं यह मुलाकात ऐसे समय में हुई जब अमेरिका और चीन के बीच द्विपक्षीय संबंध सबसे खराब दौर से गुजर रहे हैं। हालांकि, इस मुलाकात के बाद लगा था कि दोनों देशों के बीच चल रही खटास कम हो जाएगी, लेकिन कुछ घंटों बाद ही यह गलतफहमी दूर होती दिखाई दी। दरअसल, शी जिनपिंग से मिलने के बाद बाइडन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें उन्होंने चीनी राष्ट्रपति को तानाशाह कहकर बुलाया।

एक दूसरे से करनी चाहिए बात - गौरतलब है, बाइडन और शी ने उत्तरी कैलिफोर्निया के एक एस्टेट में चार घंटे एक साथ बिताए। इस दौरान उन्होंने बैठकों में भाग लिया, दोपहर का भोजन और बगीचे की सैर की। मुलाकात के दौरान अपने रिश्तों में नरमी लाने का एक दूसरे से वादा किया। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि बैठक के दौरान इस बात पर सहमति बनी कि अगर किसी को कोई परेशानी या चिंता है तो एक-दूसरे से बातचीत करना चाहिए।

देखिए वह हैं - बाइडन ने पत्रकारों से कई बाते कीं और अंत में शी जिनपिंग को तानाशाह बता दिया। दरअसल, बाइडन से पूछा गया कि क्या राष्ट्रपति अब भी शी को तानाशाह कहेंगे जैसा कि वह पहले कहते आए हैं। इस पर बाइडन ने तपाक से कहा कि देखिए वह हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, शी इस मायने में तानाशाह हैं कि वह कम्युनिस्ट देश चलाते हैं। चीन की सरकार हमसे बिल्कुल अलग है।

प्रतिस्पर्धा संघर्ष में न बदल जाए - इससे पहले, शी का स्वागत करते हुए बाइडन ने कहा था, मैं और शी एक-दूसरे को वर्षों से जानते हैं। अमेरिका में आपकी

मेजबानी करना एक बड़ा सम्मान और खुशी है। मैं हमारी बातचीत को महत्व देता हूं क्योंकि मुझे लगता है कि यह सर्वोपरि है कि आप और मैं एक-दूसरे को स्पष्ट रूप से समझें, बिना किसी गलतफहमी या गलतफहमी के। बाइडन ने आगे कहा, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रतिस्पर्धा संघर्ष में न बदल जाए। उन्होंने कहा कि अमेरिका और चीन को अपने लोगों को ध्यान में रखते हुए मिलकर काम करने चाहिए, जिसमें जलवायु परिवर्तन, नशीले पदार्थों की तस्करी को रोकना और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के मुद्दे शामिल हैं।

वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान - अमेरिका के राष्ट्रपति ने बताया कि उन्होंने सैन फ्रांसिस्को में शी के साथ हुई बैठक में दक्षिण चीन सागर में मानवाधिकारों और बलपूर्वक गतिविधियों सहित चीन की गतिविधियों के संबंध में अमेरिका की चिंताओं को उठाया। उन्होंने कहा, %आज राष्ट्रपति जिनपिंग और मैंने कई क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। इस दौरान रूस-यूक्रेन युद्ध और हमास की क्रूरता और साथ ही साथ मानवाधिकार और दक्षिण चीन सागर में जबरदस्ती की गतिविधियां पर भी बात की। जैसा कि मैं हमेशा करता हूं, मैंने उन क्षेत्रों को उठाया जहां संयुक्त राज्य अमेरिका को पीआरसी के कार्यों के बारे में चिंता है, जिसमें हिरासत में लिए गए और निकास-प्रतिबंधित अमेरिकी नागरिक, मानवाधिकार और दक्षिण चीन सागर में जबरदस्ती की गतिविधियां शामिल हैं। उन्होंने कहा, हमने इन तीनों चीजों पर चर्चा की। मैंने उन्हें उन व्यक्तियों के नाम दिए जो हिरासत में हैं और उम्मीद है कि उन्हें रिहा कर सकते हैं। हालांकि, इस पर कोई समझौता नहीं हुआ। व्हाइट हाउस की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि राष्ट्रपति जो बाइडन ने शी चिनफिंग के साथ करीब चार घंटे तक चली बातचीत के दौरान शिनजियांग, तिब्बत और हांगकांग में चीन के मानवाधिकार उल्लंघनों पर चिंता जताई।

हरियाणा सरकार ने निकाय अध्यक्षों व पार्षदों का बढ़ाया वेतन, अधिसूचना जारी

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा सरकार ने स्थानीय निकाय प्रतिनिधियों के लिए बढ़ा वेतन लागू कर दिया है। बढ़ा हुआ वेतन एक अक्टूबर से देय होगा। इस संबंध में स्थानीय निकाय विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रदेश सरकार के नौ साल पूरे होने के अवसर पर पंचायत प्रतिनिधियों तथा निकाय प्रतिनिधियों की वेतन वृद्धि का एलान किया था। जिसे अब अमलीजामा पहनाया गया है। सरकार ने प्रदेश के सभी निगम अधिकारियों को पत्राचार किया है। इसमें मानदेय देने के लिए निकाय फंडों का ही इस्तेमाल किया जाएगा। अधिसूचना के मुताबिक सबसे ज्यादा मानदेय 9500 रुपए मेयर का बढ़ाया है। इसके बाद सीनियर डिप्टी मेयर का 8500 रुपए और तीसरे नंबर पर डिप्टी मेयर का 7000 रुपए बढ़ाया गया है। पार्षदों के मानदेय में भी 4500 रुपए का इजाफा किया है। अधिसूचना के मुताबिक मेयर को मिलने वाले 20, 500 रुपए मासिक मानदेय को बढ़ाकर 30 हजार रुपए किया गया है। इसी प्रकार, सीनियर डिप्टी मेयर के मानदेय 16, 500 रुपए को बढ़ाकर 25 हजार रुपए, डिप्टी मेयर के मानदेय 13 हजार रुपए को बढ़ाकर 20 हजार रुपए तथा पार्षदों का मानदेय 10, 500 रुपए से बढ़ाकर 15 हजार रुपए किया गया है। नगर परिषद के अध्यक्ष का मानदेय 10, 500 रुपए से बढ़ाकर 18 हजार रुपए, उपाध्यक्ष का मानदेय 7, 500 रुपए से बढ़ाकर 12 रुपए, पार्षदों का मानदेय 7, 500 रुपए से बढ़ाकर 12 हजार रुपए किया गया है। नगर पालिका अध्यक्ष का मानदेय 6, 500 रुपए से बढ़ाकर दस हजार रुपए, उपाध्यक्ष का मानदेय 4, 500 रुपए से बढ़ाकर आठ हजार रुपए तथा पार्षदों का मानदेय भी 4, 500 रुपए से बढ़ाकर 8, 000 रुपए किया गया है।

भ्रष्टाचार के पैसे को निकालकर गरीबों के हित में लगाने की प्राथमिकता रहेगी : शेखावत

जयपुर (हिंस)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि राजस्थान में प्रचंड बहुमत से भाजपा की सरकार बनेगी और पार्टी के संकल्प पत्र को विजन डॉक्यूमेंट की तरह काम में लिया जाएगा। भाजपा सरकार बनने पर भ्रष्टाचारियों से पैसा वसूलकर गरीबों के विकास में निवेश किया जाएगा शेखावत गुरुवार को भाजपा के घोषणा पत्र आपणो अग्रणी राजस्थान संकल्प पत्र 2023 के विमोचन के बाद पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा का संकल्प पत्र लाखों लोगों से बात करके जनभावनाओं के अनुरूप बनाया गया है। इसमें यह संकल्प है कि राजस्थान की संपूर्ण क्षमताओं को बढ़ाकर उसके आधार पर राजस्थान देश का ग्रोथ इंजन बनाने का प्रयास किया

जाएगा। इस दृष्टिकोण से इसे तैयार किया गया है। आय और रोजगार बढ़ाने के लिए संतुलित रूप से तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार बनने पर भ्रष्टाचार की जितनी भी लाल, पीली, काली डायरियां बनी हैं, इनके भ्रष्टाचारियों को बेनकाब किया जाएगा। राजस्थान की गरीब जनता के पैसों में जिस किसी ने भी अमानत में खयानत की, उसे उसके किए का अंजाम भुगतना पड़ेगा। इसे सुनिश्चित किया जाएगा। शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने जो सीख दी है कि न खाऊंगा और न खाने दूंगा, इस तर्ज पर राजस्थान में भ्रष्टाचार की जीरो टॉलरेंस नीति बनेगी। भ्रष्टाचार के पैसे को वसूल करके गरीबों के हित में विनिवेश करने की नीति रहेगी। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने बताया कि ओपीएस के लिए एक हाई लेवल कमेटी बनाई गई है, जो तमाम संभावनाओं पर विचार करके एक स्थाई समाधान ढूंढ़ने का प्रयास करेगी। इसमें कोई राजनीतिक जुमलेबाजी नहीं होगी।

नशे के अवैध कारोबार को बढ़ावा दे रही सरकार : खोवाल

हिसार (हिंस)। हरियाणा कांग्रेस लीगल डिपार्टमेंट के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट लाल बहादुर खोवाल ने जहरीली शराब कांड पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने की बजाए बढ़ावा दे रही है। एडवोकेट लाल बहादुर खोवाल ने गुरुवार को कहा कि यमुनानगर-अंबाला में जहरीली शराब कांड में कई लोगों की मौत हो चुकी है और अनेक लोग आंखों की रोशनी खो चुके हैं। इस मामले से सबक लेने की बजाए सरकार व प्रशासन केवल एसआईटी गठित करके खानापूर्ति में जुटे हैं। इससे पहले भी भाजपा सरकार के दौरान हरियाणा में हुए घोटालों व कांड में एसआईटी गठित करके निष्पक्ष जांच करवाने का दावा किया गया, लेकिन आज तक किसी मामले की जांच रिपोर्ट जनता के सामने नहीं आई है। उन्होंने कहा कि एसआईटी गठित करके भाजपा हमेशा जनता को भ्रमित करने का काम करती है। इसलिए यमुनानगर-अंबाला के जहरीली शराब कांड के संदर्भ में हाईकोर्ट के सिटिंग जज

की निगरानी में कमेटी बनाकर जांच करवाई जाए ताकि असली दोषियों को सजा दिलवाई जा सके।

राजस्थान विधानसभा चुनाव में अब तक 607 करोड़ की जब्ती

जयपुर (हिंस)। विधानसभा आम चुनाव- 2023 के मद्देनजर निर्वाचन विभाग के निर्देश पर प्रदेश में विभिन्न एनफोर्समेंट एजेंसियों द्वारा आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से अब तक 607 करोड़ रुपए मूल्य की अवैध नकदी और अवैध सामग्री जब्त की गई है। जयपुर जिले में सीजर का आंकाडा 100 करोड़ के पार पहुंच गया है। प्रदेश में गत विधानसभा आम चुनाव में पूरी आचार संहिता के दौरान की गई जब्ती के मुकाबले अब तक 870 प्रतिशत की बढोतरी हो चुकी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने गुरुवार को बताया कि प्रदेश के 10 जिलों में अलग-अलग एजेंसियों की ओर से अब तक 20 करोड़ रुपए से अधिक की जब्ती की गई है। जयपुर 100 करोड़ 46 लाख रुपए के सीजर के साथ प्रदेश में सबसे आगे है। यहां 15 करोड़ 52 लाख रुपए की अवैध नकदी, 15 करोड़ 33 लाख रुपए मूल्य का सोना-चांदी एवं अन्य बहुमूल्य धातुएं, 66 करोड़ 71 लाख रुपए की अन्य वस्तुएं, एक करोड़ 71 लाख रुपए की ड्रग्स और एक करोड़ 24 लाख रुपए की अवैध शराब जब्त की गई है। सबसे अधिक 9 करोड़ 46 लाख रुपए मूल्य की अवैध शराब अलवर जिले में और सबसे अधिक 12 करोड़ 18 लाख रुपए मूल्य की ड्रग्स भीलवाड़ा में जब्त की गई है। कुल सीजर के मामले में दूसरे स्थान पर 34.25 करोड़ रुपए मूल्य की जब्ती के साथ अलवर है।

हिंदू राष्ट्र स्थापना के लिए ज्वलंत विषयों पर कल से दिल्ली में होगा मंथन

जयपुर (हिंस)। देश की राजधानी दिल्ली में हिंदू जनजागृति समिति की ओर से *हिंदू राष्ट्र अधिवेशन* का आयोजन किया जाएगा। 18 व 19 नवंबर को दिल्ली में निमंत्रित हिंदू संगठनों के लिए आयोजित इस अधिवेशन द्वारा हिंदू राष्ट्र स्थापना की मांग को उठाया जाएगा। साथ ही इस अधिवेशन में भारत में हिंदू राष्ट्र स्थापना हेतु प्रभावी कृति कार्यक्रम निश्चित किया जाएगा। समिति के सुरेश मुंजाल के अनुसार इस अधिवेशन के लिए उत्तर भारत के उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, देहली, राजस्थान एवं मध्य प्रदेश, चंडीगढ़ व जम्मू आदि 10 राज्यों से 285 जनों को आमंत्रित किया गया है। जिसमें हिन्दुत्वनिष्ठ संगठनों के पदाधिकारी, मंदिर विश्वस्त, अधिवक्ता, विचारक इनका समावेश हैं। काशी-मथुरा मुक्तिसंग्राम, हिंदुहित के कानून, सनातन-

विरोधी नेरेटिव का प्रतिकार, लव जिहाद का प्रतिकार, आगामी लोकसभा चुनाव में हिंदुओं की रणनिति आदि विषयों पर इस अधिवेशन में संवाद होगा। इस अधिवेशन में मुख्य रूप से *सुदर्शन वाहिनी* के मुख्य संपादक सुरेश चव्हाणके, *ज्ञानवापी* मुक्ति के लिए लड़ने वाले अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन, *हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस* के संरक्षक तथा सर्वोच्च न्यायालय के अधिवक्ता हरि शंकर जैन, रक्षा विशेषज्ञ आरएस एन सिंह, राष्ट्रवादी विचारक नीरज अत्री, हिंदू इकोसिस्टम के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मिश्रा, द्रौपदी ड्रीम ट्रस्ट की अध्यक्षा नीरा मिश्रा, हिंदू जनजागृति समिति के राष्ट्रीय मार्गदर्शक सद्गुरु (डॉ.) चारुदत्त पिंगले, हिंदू जनजागृति समिति के राष्ट्रीय प्रवक्ता रमेश शिंदे तथा सनातन संस्था के राष्ट्रीय प्रवक्ता चेतन राजहंस के साथ लगभग 55 जनों का उद्बोधन होगा। धर्म रक्षा का कार्य करते समय आने वाली बाधाएं एवं किए प्रयासों पर संगठन अपना अनुभव सबके समक्ष रखेंगे। मुंजाल के अनुसार हिंदू जनजागृति समिति द्वारा 11 अखिल भारतीय और 13 राज्यों में 14 प्रांतीय हिंदू राष्ट्र अधिवेशनों का आयोजन किया जा चुका है और इस माध्यम से अभी तक 500 से अधिक हिन्दुत्वनिष्ठ संगठन संगठित हुए हैं। विगत 10 वर्षों में पूरे देश में 400 विषयों पर 1688 राष्ट्रीय हिंदू आंदोलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया जा चुका है। लव जिहाद, हलाल जिहाद व लैंड जिहाद जैसे गंभीर विषयों के विरोध में जनजागरण करना, उत्तराखंड के बाढ़ पीड़ितों तथा नेपाल के भूकंपों में सहायता करना कश्मीरी हिंदुओं की रक्षा हेतु पूरे देश में *एक भारत अभियान* का आयोजन करना मंदिरों की रक्षा हेतु मंदिर संस्कृति रक्षा अभियान का आयोजन कर हिंदुओं को जागृत करने का निरंतर प्रयास समिति द्वारा किया जा रहा है।

नशे के खिलाफ पंजाब पुलिस ने लुधियाना में निकाली साइकिल रैली

लुधियाना (हिंस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में गुरुवार को पंजाब पुलिस ने साइकिल रैली निकाली। इसमें हज़ारों नौजवानों ने शिरकत करके लोगों को जागरूक करके नशाखोरी की कमर तोड़ने का संदेश दिया। इस रैली में हरेक वर्ग के लोगों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया, जिससे पंजाब को पूरी तरह नशा मुक्त राज्य बनाने के संदेश का प्रसार किया जा सके। रैली में पहुंचे लोगों खास कर नौजवानों में नशाखोरी को जड़ से खत्म कर अपने राज्य को खुशहाल और सेहतमंद राज्य बनाने का उत्साह देखते ही बनता था। इस प्रयास के के जरिये पंजाब पुलिस ने राज्य सरकार की गंभीर सामाजिक मसलों के प्रति वचनबद्धता भी साबित की। रैली को झंडी दिखा कर रवाना करने के मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस साइकिल रैली का मुख्य मकसद नशों की समस्या पर काबू पाना और सेहतमंद एवं अच्छे जीवन के तौर पर साइकिल की सवारी को उभारना है। उन्होंने कहा कि यह रैली नशों के गंभीर परिणामों और नशे से मुक्त जीवन की महत्ता के बारे में जागरुकता पैदा करके नशों की मांग घटाने में अहम साबित होगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस रैली की बहुत ज्यादा अहमियत है, क्योंकि इतेफाक से यह रैली देश के सबसे नौजवान इंकलाबी शहीद करतार सिंह सराभा के शहादत दिवस के मौके पर निकाली गई है, जिन्होंने 19 साल की उम्र में अपना जीवन वतन के लिए कुर्बान कर दिया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि साइकिल सवारों ने अलग-अलग पवित्र स्थानों की यात्रा की। हरेक जगह शहीदों के बलिदानों के साथ जुड़ी हुई है,

जिनमें शहीद भगत सिंह, शहीद सुखदेव, शहीद राजगुरू, शहीद करतार सिंह सराभा और शहीद उधम सिंह से संबंधित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि साइकिल सवार संबंधित स्थानों से पवित्र मिट्टी लेकर आए, जिसका प्रयोग पौधे लगाने के लिए किया जाएगा। इन पौधों के नाम क्रमवार सद्भावना, वचन, ज्ञान, एकता और उम्मीद के तौर पर रखे जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह प्रयास इस समागम की गहराई और मनोरथ को बढ़ाता है, जिसका एकमात्र उद्देश्य राज्य की पुरातन शान को बहाल करना है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि *नशयां विरुद्ध नौजवान* केवल एक साइकिल रैली नहीं है, बल्कि यह नशों की रोकथाम, सेहतमंद जीवन शैली को प्रोत्साहित करने और इंकलाबी नायकों के बलिदान को याद करने के लिए एक सामूहिक प्रयास है।

कांग्रेस संविधान को बचाने के लिए कृत संकल्पित : जिग्नेश मेवानी

जयपुर (हिंस)। गुजरात विधानसभा में कांग्रेस विधायक जिग्नेश मेवानी ने कहा कि एक ओर राजस्थान में अशोक गहलोत सरकार है, जिसने कोरोना महामारी से बचाव का बेहतरीन प्रबंधन राजस्थान में किया। दूसरी ओर गुजरात जिसे वाईब्रेट, तरक्कीशील कहा जाता है, वहां ज्यादातर जिलों में पीएचसी तथा सीएचसी में इंडियन पब्लिक हैल्थ स्टैंडर्ड के मुताबिक न तो सुविधाएं हैं और न ही चिकित्साकर्मी है। उन्होंने कहा कि संविधान को बचाने के लिए कांग्रेस कृतसंकल्पित हैं। मेवानी गुरुवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गुजरात के चिकित्सा मंत्री के विधानसभा क्षेत्र में भी अस्पतालों में ना तो सुविधाएं उपलब्ध हैं और ना ही चिकित्साकर्मी उपलब्ध हैं और एमआरआई तथा सिटी स्केन मशीनें तो स्वप्न के समान है। मेवानी ने आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा को बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के लिखित भारतीय संविधान से कितनी भी नफरत हो तथा वे इस संविधान को खत्म करने का कितना भी प्रयास करने के लिए बैचेन हों, कांग्रेस पार्टी भारत के संविधान को बचाने के लिए कृत संकल्पित है। भारतीय संविधान में जिस कल्याणकारी सरकार की कल्पना की गई है, सभी भारतीयों के लिए, समाज के सभी वर्गों के लिए कल्याणकारी राज्य के निर्माण की कल्पना की गई है, उसे देश में राजस्थान की कांग्रेस सरकार ने साकार करके दिखाया है। उन्होंने कहा कि गुजरात मॉडल को लेकर जबरदस्त ढिंढोरा दुनियाभर में पीटा गया, ब्रांडिंग पर करोड़ो-अरबो रुपए प्रचार पर खर्च किए गए। उन्होंने कहा कि सभी के लिए राजस्थान की कांग्रेस सरकार ने मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना लागू कर 25 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज देने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि गुजरात मॉडल को राजस्थान के गहलोत मॉडल से सीखने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि देश में आज महंगाई एवं बेरोजगारी चरम पर है। उन्होंने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के हाथों जारी राजस्थान चुनाव घोषणा पत्र को जुमलेबाजी का मेनीफेस्टो बताया। मेवानी ने कहा कि भाजपा के नेता दलितों को लेकर राजनीति करना चाहते हैं किंतु गुजरात में दलित उत्पीड़न के मामलों में सजा की दर केवल 5 प्रतिशत है।

मरीज की मौत से गुस्साए परिजनों ने अस्पताल में की तोड़फोड़, लापरवाही का आरोप

फतेहाबाद (हिंस)। जिले के गांव बोड़ा के मरीज की मौत से गुस्साए परिजनों ने गुरुवार को रतिया शहर के फतेहाबाद रोड स्थित अशमीत अस्पताल में तोड़फोड़ करते हुए हंगामा खड़ा कर दिया। बढ़ते हंगामे को देखकर अस्पताल के कर्मचारियों द्वारा 112 पर पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और भीड़ को शांत करवाया। इसके बाद परिजन मृतक के शव को गांव बोड़ा ले गए। पुलिस ने बताया कि इस मामले में उनके पास किसी भी पक्ष ने कोई शिकायत नहीं दी है। मिली जानकारी के अनुसार गांव बोड़ा निवासी 56 वर्षीय सतपाल की बुधवार को गांव में उल्टी दस्त लगने से तबीयत खराब हो गई। इसके चलते सतपाल के परिजननें ने उसे बुधवार शाम को रतिया के फतेहाबाद रोड स्थित अशमीत हस्पताल में भर्ती करवाया था। डॉक्टर ने रात को ड्रीप भी लगाई थी। सतपाल के परिजन मदन लाल, बाबूलाल व अन्य ने आरोप लगाया कि अस्पताल के डॉक्टर बीएएमएस आकाश और अस्पताल के प्रबंधक प्रवीण ने उन्हें रात को

आश्वासन दिया कि मरीज की हालत में सुधार है तथा सुबह तक मरीज पूरी तरह सही हो जाएगा। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल के संचालक उन्हें रात भर गुमराह करते रहे तथा गुरुवार सुबह परिजनों से कह दिया गया कि मरीज की हालत नाजुक हो गई है इसलिए वह सतपाल को किसी अन्य अस्पताल में ले जाए। परिजनों का आरोप है कि वह अभी सतपाल को अस्पताल से थोड़ी दूर फतेहाबाद रोड की तरफ लेकर गए थे कि उन्हें सतपाल की मौत हो जाने का एहसास हुआ। इसके बाद परिजन सतपाल के शव को लेकर अशमीत अस्पताल के बाहर लेकर आ गए। गुस्साए परिजनों ने अस्पताल में तोड़फोड़ शुरू कर दी। अस्पताल के डॉक्टर पर लापरवाही के आरोप लगाते हुए परिजनों ने कहा कि उनके मरीज की अस्पताल में रात को ही मौत हो गई थी लेकिन अस्पताल संचालक ने उन्हे गुमराह करते हुए सुबह मरीज की हालत बिगाड़ने की बात कर कहीं और लेकर जाने को कह दिया। परिजनों में अस्पताल संचालकों में इतना रोष था कि वे अस्पताल को बंद करने की चेतावनी दे रहे थे। परिजनों के बढ़ते हंगामे को देखकर अस्पताल के कर्मचारियों द्वारा पुलिस के 112 नंबर पर सूचना दी। जिस पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और परिजनों को शांत कर वहां से शव सहित उनके गांव बोड़ा रवाना किया। अस्पताल के प्रबंधक प्रवीण ने बताया कि मरीज की तबीयत के बारे में परिजनों को पूर्व में ही सूचना दे दी गई थी। सुबह परिजनों के सामने ही ऑक्सीजन लगाकर मरीज को रेफर किया गया था। यहां से जाने के बाद मरीज की मौत हो गई जिसमें उनके अस्पताल के डॉक्टरों की किसी प्रकार ने की कोई लापरवाही नहीं हुई है। मरीज के परिजनों ने अस्पताल में तोड़फोड़ की है जिसकी सूचना पुलिस की 112 टीम को दी गई थी।

जैश आतंकियों के एक सहयोगी की भूमि एसआईए ने की कुर्क

पुलवामा (हिंस)। राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने गुरुवार को गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत जैश-ए-मोहम्मद के आतंकियों के एक सहयोगी की पुलवामा में सात कनाल और सात मरला बाग भूमि कुर्क कर ली है। एसआईए ने बताया कि ग्राम चित्राट, अरिगाम पुलवामा में खसरा नंबर 207 के इशफाक अहमद वानी के पिता गुलाम नबी वानी की सात कनाल और सात मरला की एक बाग संपत्ति जब्त कर ली गई है। संपत्ति को सक्षम प्राधिकारी द्वारा एक आदेश के माध्यम से यूए (पी)ए की धारा 25 के तहत कुर्क किया गया है।

हरियाणा में बड़े स्तर पर शराब घोटाला, सरकार मौन : अनुराग ढांडा

फरीदाबाद (हिंस)। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष अनुराग ढांडा ने यमुनानगर और अंबाला में जहरीली शराब से हुई लोगों की मौत को लेकर खट्टर सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि पूरे हरियाणा में सरकार की साठगांठ से अवैध शराब का कारोबार चल रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में बड़े स्तर पर शराब घोटाला हो रहा है और लोगों की मौत हो रही है, लेकिन यहां सीबीआई व ईडी से इस मुद्दे की जांच की कोई जरूरत भाजपा को नहीं दिख रही। भाजपाईयों को दिल्ली में शराब का घोटाला दिखता है, हरियाणा में नहीं। वे गुरुवार को सेक्टर-11 स्थित आम आदमी पार्टी के जिला कार्यालय पर पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उनके साथ मुख्य रूप से आम आदमी पार्टी के लोकसभा अध्यक्ष पंडित राजेंद्र शर्मा, जिलाध्यक्ष हरेंद्र भाटी, प्रदेश सह सचिव राकेश भड़ाना, प्रदेश प्रवक्ता नरेश शर्मा, लीगल सेल अध्यक्ष हरियाणा मोक्ष पसरीचा मौजूद थे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने लोगों की जिंदगी इतनी सस्ती कर दी कि लोग शराब पीकर मर रहे है। फरीदाबाद की डेवलपमेंट हरियाणा की शुरुआत में हुई, यहां इंडस्ट्रीज आई, लेकिन दिल्ली के साथ होने के बावजूद उसके मुकाबले में यह जिला नहीं पहुंच पाया। आठ सालों में दिल्ली में सरकार ने निशुल्क बस यात्रा, शानदार स्कूल, शानदार अस्पताल, कूड़ा निस्तांरण के लिए कदम उठाए, जबकि फरीदाबाद में आज भी कूड़े के पहाड़ खड़े है। बडा मुददा यह है कि नगर निगम को टैक्स देने के बावजूद लोग सुविधाओं से वंचित है, यहां अपना कर्तव्य निभाने के बाद भी लोग थर्ड क्लास जिंदगी जी रहे है, जबकि आम आदमी पार्टी की सरकार बनने पर लोगों को फर्स्ट क्लास सिटीजन की सुवधिाएं दी जाएगी। स्मार्ट सिटी के मुद्दे पर अनुराग ढांडा ने कहा कि स्मार्ट सिटी प्रधानमंत्री मोदी जी शाम को शुरू करते है और सुबह उठते ही प्रोजेक्ट खत्म हो जाता है, सपनों में 100 स्मार्ट सिटी की बातें की गई, जबकि जमीनी स्तर पर किसी पैरामीटर पर एक भी स्मार्ट सिटी आज तक नहीं बनी। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद में लोग बिजली के बिलों, सिक्योरिटी राशि, अस्पताल, जनसमस्याओं व महंगाई आदि से परेशान है, सरकार उनकी ओर कोई ध्यान नहीं दे रही। प्रदूषण के मुद्दे पर अनुराग ढांडा ने कहा कि यह गंभीर विषय है और हम सबको मिलकर इसका निराकरण करना चाहिए।

बीकानेर में 108 कुंडीय श्रीरामचरितमानस महायज्ञ एवं श्रीरामकथा 19 से

बीकानेर (हिंस)। तीन दिन बाद बीकानेर में एक ही माह में दूसरी दीपावली का माहौल बनने जा रहा है। नगर सजेगा, दीप जलेंगे प्रभु बीकानेर आएंगे। बीकानेरवासियों का यह सौभाग्य है कि 19 नवंबर रविवार को पद्मविभूषित तुलसीपीठाधीश्वर जगद्गुरु श्रीरामभद्राचार्यजी महाराज के श्रीमुख से श्रीराम कथा सुनने का अवसर मिल रहा है। 27 नवंबर को रामझरोखा कैलाशधाम आश्रम, श्रीसियाराम नगर गंगाशहर भीनासर गोचर भूमि सुजानदेसर में 108 कुंडीय श्रीरामचरित मानस महायज्ञ का भव्य आयोजन होने जा रहा है। रामझरोखा कैलाशधाम के पीठाधीश्वर सरजूदासजी महाराज ने गुरुवार को पत्रकारों को बताया कि 10 दिवसीय इस आयोजन में 18 नवंबर को सुबह कलश यात्रा निकाली जाएगी और सैकड़ों संत नगर भ्रमण पर निकलेंगे। हजारों महिलाएं आश्रम द्वारा प्रदत्त परिधान में सिर पर कलश धारण किए प्रभु श्रीराम के जयकारों के साथ कलशयात्रा निकालेंगे। हजारों संतों का आगमन होगा जिसमें लगभग 200 से अधिक पूजनीय दुर्लभ-दर्शनीय, त्यागी, तपस्वी, संत, सभी अखाड़ों से महामण्डलेश्वर, धर्माचार्य एवं नागा महात्यागी संत शामिल होंगे। संत नगर भ्रमण

यात्रा में संतों ऊंट, घोड़ा, बग्गी, रथ के साथ संतों को नगर भ्रमण करवाया जाएगा। प्रेस-कांफ्रेंस में महंत भगवानदास महाराज, महंत रामेश्वरदास महाराज, महंत विष्णुदास महाराज, आयोजन संयोजक अशोक मोदी, सचिव श्रीभगवान अग्रवाल ने कार्यक्रम संबंधी पोस्टर का विमोचन किया। आयोजन समिति सचिव श्रीभगवान अग्रवाल ने बताया कि उक्त पूरे आयोजन में शामिल 250 से अधिक कार्यकर्ताओं की टीम को अपने-अपने दायित्वों को निभाने का संकल्प दिलवाया गया। संयोजक अशोक मोदी ने बताया कि जिला कलक्टर भगवतीप्रसाद कलाल एवं पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने भी आयोजन स्थल का निरीक्षण किया। रामझरोखा कैलाशधाम के पीठाधीश्वर सरजूदास महाराज ने दोनों अधिकारियों को आयोजन संबंधी जानकारी प्रदान की तथा सुरक्षा व्यवस्थाओं से भी अवगत करवाया। उन्होंने बताया कि महंत गुरु रामदासजी महाराज के आशीर्वाद से आयोजन की तैयारियां अंतिम चरण में है। 10 दिवसीय इस आयोजन में यज्ञाचार्य पं. जुगलकिशोर ओझा के आचार्यत्व में यज्ञ, पूजन अनुष्ठान सम्पन्न होंगे। 108 कुंडीय महायज्ञ के लिए 130 गुणा 130 फुट की यज्ञशाला में 429 जोड़ों के बैठने की व्यवस्था की गई है। सरजूदास महाराज ने कहा कि चुनावी माहौल जरूर है, लेकिन इस आयोजन की दिनांक व तिथि दो वर्ष ही तय हो गई थी। सनातन धर्म की ध्वजा आगे बढ़े, लोगों में संस्कारों के भाव जगे और संत-महात्माओं के चरण बीकानेर में पड़े इसी उद्देश्य से यह दिव्य आयोजन किया जा रहा है। बीकानेर ही नहीं, विश्व में पहली बार श्रीरामचरित मानस महायज्ञ होने जा रहा है। श्रीरामचरित मानस के पाठ तो हर बार होते हैं, लेकिन 108 कुंडीय यज्ञ के साथ श्रीराम चरित मानस महायज्ञ होने जा रहा है। राम नाम मंत्र से आहुतियां दी जाएगी और विश्व कल्याण की भावना से पूरा आयोजन किया जा रहा है। खास बात यह है कि इस भव्य आयोजन में किसी भी राजनैतिक पार्टी के प्रत्याशी को मंच पर नहीं आने दिया जाएगा। श्रीसरजूदासजी महाराज ने बताया कि सनातन के प्रति सच्चा भाव रखने वाला श्रद्धालु ही इस आयोजन का कार्यकर्ता, सेवादार और आयोजक है।

सरकार ने विंडफॉल टैक्स पर एक बार फिर की कटौती

नई दिल्ली।

सरकार ने गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय तेल की कीमतों में नरमी के बाद देश में उत्पादित कच्चे तेल और डीजल के निर्यात पर अप्रत्याशित लाभ कर में कटौती की। एक आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, घरेलू स्तर पर कच्चे तेल के प्रोडक्शन पर लगने वाले विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क के रूप में लगाया जाने वाला कर 9,800 रुपये प्रति टन से घटाकर 6,300 रुपये प्रति टन कर दिया गया है।

डीजल के निर्यात पर एसएईडी को 2 रुपये प्रति लीटर से घटकर 1 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया। वहीं, जेट ईंधन यानी एटीएफ और पेट्रोल के निर्यात पर यह शुल्क शून्य रहेगा। नई टैक्स दरें गुरुवार से लागू हो गईं।

1 नवंबर को विंडफॉल टैक्स पर हुआ था संशोधन – नवंबर महीने की पहली तारीख यानी 1 नवंबर 2023 को अप्रत्याशित लाभ कर में संशोधन किया है। 1 नवंबर को सरकार ने कच्चे तेल पर कर 9,050 रुपये प्रति टन से बढ़ाकर 9,800 रुपये प्रति टन कर दिया था। इसके साथ ही डीजल के निर्यात पर लेवी को आधा कर 2 रुपये कर दिया गया और जेट ईंधन पर लेवी को 1 रुपये प्रति लीटर से शून्य कर दिया गया। पिछले संशोधन के बाद से अंतरराष्ट्रीय तेल की कीमतें नरम हो गई है। इसके बाद सरकार ने कटौती का फैसला लिया है। भारत द्वारा आयात किए जाने वाले कच्चे तेल की बास्केट का औसत मूल्य इस महीने 84.78 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल है, जबकि अक्टूबर में यह औसत 90.08 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल और सितंबर में 93.54 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल था।

भारत ने पहली बार पिछले साल 1 जुलाई को अप्रत्याशित लाभ कर लगाया था। यह उन देशों की बढ़ती संख्या में शामिल हो गया है जो एनर्जी कंपनियों के असाधारण मुनाफे पर टैक्स लगाते हैं। उस समय, पेट्रोल और एटीएफ पर 6 रुपये प्रति लीटर (12 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल) और डीजल पर 13 रुपये प्रति लीटर (26 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल) का निर्यात शुल्क लगाया गया था। तेल और प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) जैसी कंपनियों द्वारा उत्पादित कच्चे तेल पर 23,250 रुपये प्रति टन (40 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल) अप्रत्याशित लाभ कर भी लगाया गया था। पिछले दो सप्ताह में तेल की औसत कीमतों के आधार पर हर 15 दिन के बाद टैक्स दरों की समीक्षा की जाती है। यदि वैश्विक बेंचमार्क की दरें 75 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बढ़ जाती हैं तो घरेलू कच्चे तेल पर अप्रत्याशित कर लगाया जाता है। वहीं, जब डीजल, एटीएफ और पेट्रोल के निर्यात का मार्जिन 20 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से ऊपर जाता है तो उस पर लेवी लगता है।

न्यूज ब्रीफ

तेलंगाना में चुनाव से पहले बीआरएस विधायक के घर आयकर छापों की खबर, एमएलए ने बताया- ऐसा कुछ नहीं हुआ

हैदराबाद। तेलंगाना में चुनाव से पहले आयकर विभाग की ओर से भारतीय राष्ट्रीय समिति (बीआरएस) पार्टी से विधायक नल्लामोथू भास्कर राव के घर और दफ्तर परिसरों में छापे मारे जाने की खबर है। हालांकि, विधायक ने खुद आयकर के किसी तरह के छापे से साफ इनकार किया है। उन्होंने कहा कि उनके किसी भी परिसर पर छापे नहीं पड़े हैं और वे फिलहाल विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार में व्यस्त हैं। इससे पहले सुबह बताया गया था कि यह छापेमारी उनके कुछ करीबियों के ठिकानों पर भी की गई। बता दें कि भास्कर राव मिरयालगुड़ा से विधायक हैं। साथ ही इस बार भी वे बीआरएस के टिकट पर चुनाव में उम्मीदवारी पेश कर रहे हैं। हालांकि, राव ने साफ किया कि अगर उनके यहां छापेमारी चल रही होती तो उन्हें घर में बंद रखा जाता, न कि इस तरह आजादी से चुनाव प्रचार करने का मौका मिलता। नल्लामोथु भास्कर राव मूल रूप से नालगोंडा जिले के निदामनूर मंडल के शकपुरम गांव के रहने वाले हैं। वे 2014 में मिरयालगुड़ा विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुने गए थे। 2018 में उन्हें फिर से इसी क्षेत्र से विधायक बनने का मौका मिला। राव 1969 में अलग तेलंगाना राज्य के लिए आंदोलन से जुड़ने वाले पहले नेताओं में शामिल हैं। उस दौरान वे एसआर-बीजीएनआर कॉलेज में छात्र संघ के सचिव भी रहे थे। इससे पहले 13 नवंबर को आयकर विभाग के अधिकारियों ने तेलंगाना के मंत्री सबिता इंद्र रेड्डी के करीबियों के घर छापेमारी की थी। वे 2019 से ही तेलंगाना में शिक्षा मंत्री रहीं। बताया गया था कि इनकम टैक्स ने प्रदीप नाम के एक व्यक्ति के यहां भी तलाशी ली थी। उसे मंत्री का करीबी रिश्तेदार बताया गया था।

60 हजार के पार पहुंचा सोना, चांदी में नरमी

नई दिल्ली। सोने के वायदा भाव की तेजी के साथ शुरुआत होते ही सोने के भाव 60 हजार से ऊपर पहुंच गए। सोने भावों की शुरुआत आज लगातार दूसरे दिन भी तेजी के साथ हुई, जबकि चांदी के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। जानकारी के अनुसार सोने के वायदा भाव बढ़कर 60 हजार रुपये के ऊपर कारोबार कर रहे हैं। इसी तरह चांदी के वायदा भाव 72 हजार रुपये के ऊपर कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने-चांदी के वायदा कीमतों की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट आज 37 रुपये की तेजी के साथ 60,148 रुपये के भाव पर खुला। खबर लिखे जाने तक यह कॉन्ट्रैक्ट 47 रुपये की तेजी के साथ 60,158 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 60,177 रुपये के भाव पर दिन का उच्च स्तर और 60,121 रुपये के भाव पर निचला स्तर छू लिया। गौरतलब है कि मई महीने में सोने के वायदा भाव ने 61,845 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। इधर चांदी के वायदा भाव की शुरुआत आज धीमी रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट आज 155 रुपये की गिरावट के साथ 72,217 रुपये के भाव पर खुला। खबर लिखे तक यह कॉन्ट्रैक्ट 189 रुपये की गिरावट के साथ 72,183 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 72,285 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 72,002 रुपये प्रति किलो के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया।

अर्न्स्ट एंड यंग एलएलपी ने जेनेट ट्रंकल को सीईओ चुना, शीर्ष पर पहुंचने वाली पहली महिला बनीं

नई दिल्ली। अर्न्स्ट एंड यंग एलएलपी ने जेनेट ट्रंकल को अपना अलगा मुख्य कार्यकारी अधिकारी चुना है। ट्रंकल बिग फोर ऑडिट फर्म के शीर्ष पर पहुंचने वाली पहली महिला हैं। लंदन स्थित लेखा जगत के दिग्गज के एक बयान के अनुसार, ट्रंकल 1 जुलाई को कारमाइन डी सिबियो की जगह लेंगी। बयान के अनुसार, कुछ समय पहले जेनेट ट्रंकल ईवाई के वित्तीय सेवा संगठन के लिए क्षेत्रीय प्रबंध भागीदार थीं, जिसमें 14,000 पेशेवर शामिल हैं। ट्रंकल ने एक बयान में कहा, इस अद्भुत संगठन का नेतृत्व करना वास्तव में एक सम्मान होगा। उन्होंने कहा, मैं कारमाइन द्वारा स्थापित उदाहरण से प्रेरित हूं, जो लीडर बनने का की प्रेरणा देता है। यह मूल्य प्रौद्योगिकी में आगे रहने और ईवाई के मूल्यों को व्यक्त करने पर ध्यान केंद्रित करता है।

सहारा प्रमुख के निधन पर सेबी चीफ ने दी प्रतिक्रिया

बोलीं- नियामक के पास चलता रहेगा मामला

नई दिल्ली।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की प्रमुख माधवी पुरी बुच ने गुरुवार को कहा कि सहारा समूह के संस्थापक सुब्रत राय के निधन के बाद भी सहारा का मामला पूंजी बाजार नियामक के समक्ष जारी रहेगा। उद्योग मंडल फिक्की के एक कार्यक्रम से इतर बुच ने संवाददाताओं से कहा कि सेबी के लिए यह मामला एक इकाई के आचरण से जुड़ा है और यह जारी रहेगा, भले ही कोई व्यक्ति जीवित हो या नहीं। समूह के विवादास्पद संस्थापक रॉय का लंबी बीमारी के बाद मंगलवार को निधन हो गया था।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच से जब सहारा समूह के अवितरित धन को निवेशकों को लौटाने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, उच्चतम न्यायालय के तहत एक समिति है और हम सभी कार्रवाई उसी समिति के तहत करते हैं। विज्ञापनों के कई दौरान के बाद जिसके पास (सहारा में) निवेश के सबूत थे, उन्हें अपना पैसा मिल गया।

सेबी के पास पड़ी है 25 हजार करोड़ की धनराशि

दूसरी ओर, सहारा समूह के प्रमुख सुब्रत रॉय के निधन के बाद पूंजी बाजार नियामक सेबी के खाते में पड़ी 25,000 करोड़ रुपये से अधिक की गैरवितरित धनराशि भी एक बार फिर से चर्चा में है। रॉय समूह की कंपनियों के संबंध में कई विनियामक तथा कानूनी लड़ाइयों का सामना कर रहे थे। उन पर पोंजी योजनाओं में नियमों को दरकिनार करने का भी आरोप था। हालांकि सहारा समूह ने अपने ऊपर लगे आरोपों को हमेशा खारिज किया।

पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 2011 में सहारा समूह की दो कंपनियों सहारा इंडिया रियल एस्टेट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एसआईआरईएल) और सहारा हाउसिंग इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एसएचआईसीएल) को वैकल्पिक रूप से पूर्ण परिवर्तनीय बांड (ओएफसीडी) के रूप में पहचाने जाने वाले कुछ बांडों के जरिए करीब तीन करोड़ निवेशकों से जुटाए गए धन को वापस करने का आदेश दिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने निवेशकों को 15 प्रतिशत ब्याज के साथ राशि लौटाने को कहा था

नियामक ने आदेश में कहा था कि दोनों कंपनियों ने उसके नियमों और विनियमों का उल्लंघन करके धन जुटाया था। लंबी कानूनी लड़ाई के बाद उच्चतम न्यायालय ने 31 अगस्त 2012 को सेबी के निर्देशों को बरकरार रखा और दोनों कंपनियों को निवेशकों से एकत्र धन 15 प्रतिशत ब्याज के साथ वापस करने को कहा था। इसके बाद सहारा को निवेशकों को धन लौटाने के लिए सेबी के पास अनुमानित 24,000 करोड़ रुपये जमा करने को कहा गया। हालांकि समूह लगातार यह कहता रहा कि उसने पहले ही 95 प्रतिशत से अधिक निवेशकों को प्रत्यक्ष रूप से भुगतान कर दिया है।

सेबी ने 11 साल में दो कंपनियों के निवेशकों को 138.07 करोड़ रुपये लौटाए

पूंजी बाजार नियामक की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सहारा समूह की दो कंपनियों के निवेशकों को 11 वर्षों में 138.07 करोड़ रुपये वापस किए। इस बीच पुनर्भुगतान के लिए विशेष रूप से खोले गए बैंक खातों में जमा राशि बढ़कर 25,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गई है। सहारा की दो कंपनियों के अधिकतर बांडधारकों ने इसको लेकर कोई दावा नहीं किया और कुल राशि पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में करीब सात लाख रुपये बढ़ गई, जबकि सेबी-सहारा पुनर्भुगतान खातों में इस दौरान शेष राशि 1,087 करोड़ रुपये बढ़ गई।

वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, सेबी को 31 मार्च, 2023 तक 53,687 खातों से जुड़े 19,650 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 48,326 खातों से जुड़े 17,526 आवेदनों के लिए 138.07 करोड़ रुपये की कुल राशि लौटाई गई, जिसमें 67.98 करोड़ रुपये की ब्याज राशि भी शामिल है।'' शेष आवेदन सहारा समूह की दोनों कंपनियों द्वारा उपलब्ध कराई जानकारी के जरिए उनका कोई पता नहीं लग पाने के कारण बंद कर दिए गए। सेबी ने आखिरी अद्यतन जानकारी में 31 मार्च 2022 तक 17,526 आवेदनों से संबंधित कुल राशि 138 करोड़ रुपये बताई थी। सेबी ने कहा कि 31 मार्च 2023 तक राष्ट्रीयकृत बैंकों में जमा कुल राशि करीब 25,163 करोड़ रुपये है।

अगले हफ्ते आ रहा है टाटा टेक्नोलॉजीज का आईपीओ, प्राइस बैंड और बाकी सभी डिटेल्स

नई दिल्ली।

टाटा ग्रुप की टाटा टेक्नोलॉजीज कंपनी जो इंजीनियरिंग और उत्पाद विकास डिजिटल सेवाएं देती है वह अगले हफ्ते अपना आईपीओ लॉन्च कर रही है। कंपनी ने 3,042 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को खोलने का एलान किया है। अगर आप भी शेयर बाजार में निवेश करते हैं तो आपको कंपनी के आईपीओ के बारे में विस्तार से जानना चाहिए।

आपको बता दें कि टाटा टेक्नोलॉजीज के आईपीओ का प्राइस बैंड 475 रुपये प्रति शेयर से 500 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया गया है।

टाटा टेक्नोलॉजीज आईपीओ

कंपनी का आईपीओ 22 नवंबर को सदस्यता के लिए खुलेगा और 24 नवंबर को बंद हो जाएगा। वहीं एंकर निवेशकों के लिए यह आईपीओ 21 नवंबर 2023 को सब्सक्रिप्शन के लिए खोली जाएगी। लगभग दो दशकों के बाद टाटा ग्रुप की कंपनी क आईपीओ खुलने वाला है। आखिरी बार, 2004 में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का आईपीओ खुला था।

आपको बता दें कि यह आईपीओ पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल के लिए हैं। कंपनी 6.08 करोड़ (6,08,50,278) इक्विटी शेयरों को बिक्री के लिए पेश करेगी। इस आईपीओ में टाटा मोटर्स 11.4 फीसदी, अल्फा टीसी होल्डिंग्स और टाटा कैपिटल ग्रोथ फंड 2.4 फीसदी की हिस्सेदारी बेचेंगे।

इस इश्यू से मूल्य दायरे के निचले स्तर ,890.4 करोड़ रुपये और ऊपरी स्तर 3,042.5 करोड़ रुपये होंगे। एक्सिस कैपिटल ने इश्यू के बाद मार्केट कैप 19,269 करोड़ रुपये से 20,283 करोड़ रुपये के बीच आंका है।

पिछले महीने टाटा मोटर्स ने टाटा टेक्नोलॉजीज में 9.9 फीसदी हिस्सेदारी टीवीसी राइज क्लाइमेट को 1,613.7 करोड़ रुपये में बेचने का समझौता किया था।

जेएम फाइनेंशियल, सिटीग्रुप ग्लोबल मार्केट्स और बोफा सिक्योरिटीज आईपीओ पर कंपनी को सलाह देने के लिए बुक-रनिंग लीड मैनेजर हैं। टाटा टेक्नोलॉजीज के इक्विटी शेयर 5 दिसंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे।

एडवर्ड नाइट ने भारत में नई कंपनियों के पनपने के लिए अनुकूल माहौल को सराहा, स्टार्टअप को कही बड़ी बात

वाशिंगटन।

भारत में मजबूत कानूनी ढांचे, मजबूत विश्वविद्यालयों व अन्य आदर्श परिस्थितियों ने बड़ी कंपनियों, इनोवेशन और तकनीकी विकास का जो शुरुआती चरण तैयार किया है, यह आगे भी जारी रहेगा। इसी का परिणाम है कि आज यहां 200 से ज्यादा बेहद बड़ी स्टार्टअप कंपनियां हैं, जो भविष्य में सूचीबद्ध हो सकती हैं। ऐसा दुनिया ने पहले कभी कहीं नहीं देखा होगा। इनके लिए नैस्डैक वैश्विक निवेश लाने में अहम भूमिका निभा सकता है। नैस्डैक के उपाध्यक्ष एडवर्ड नाइट ने यह बयान देते हुए भारतीय कंपनियों को अमेरिकी स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध करने में रुचि दिखाई। नाइट ने कहा कि भारत को बढ़ती अर्थव्यवस्था में बेहतर बुनियादी ढांचे की जरूरत, स्टार्टअप कंपनियों, आदि के लिए पूंजी की जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारतीय कंपनियों को अमेरिका में सूचीबद्ध करवाने के लिए नियम बनाने की बात कही है। उन्होंने इजराइल का उदाहरण दिया कि वहां की सरकार के सहयोग से 100 से अधिक कंपनियां अमेरिका में सूचीबद्ध हैं और तेल अवीव एक्सचेंज में भी मौजूद हैं। नाइट ने कहा कि चीन में निवेश ज्यादा मुश्किल हो चुका है। इस वजह से भारत पर ध्यान केंद्रित होना स्वाभाविक है। कहा, हमारी कंपनी और नैस्डैक में सूचीबद्ध अन्य कंपनियों में भी भारत से ज्यादा सुरक्षित आपूर्ति श्रृंखला बनाने व वहां ज्यादा निवेश करने में रुचि बढ़ी है। भारत के केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और अमेरिकी समक्ष जीना रायमोंडो में बातचीत पर नाइट ने कहा कि दोनों देशों में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए यह बातचीत ऊर्जा से भरी रही है। दोनों मंत्री उद्यमिता प्रोत्साहन, सहयोग बेहतर बनाने और सरकारों व कारोबारी समुदायों द्वारा तेज वृद्धि करने वाली कंपनियों और को आगे बढ़ाने पर चर्चा कर रहे हैं।

न्यूजक्लिक मामले में ईडी ने अमेरिकी करोड़पति नेविल रॉय सिंघम को समन भेजा, सूत्रों ने दी जानकारी

नई दिल्ली।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अमेरिकी करोड़पति नेविल रॉय सिंघम को ऑनलाइन समाचार पोर्टल न्यूजक्लिक से जुड़े धनशोधन मामले की जांच के सिलसिले में पूछताछ के लिए नया समन जारी किया है। कारोबारी पर भारत में चीनी प्रोपेगैंडा फैलाने का आरोप है, वह फिलहाल चीन के शंघाई में रहता है। ईडी ने धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत सिंघम को नया समन जारी किया है। सूत्रों ने बताया कि एजेंसी को एक स्थानीय अदालत से उनका बयान दर्ज करने के लिए अनुरोध पत्र जारी होने के बाद उन्हें यह नया नोटिस जारी किया गया है। ईडी द्वारा विदेश मंत्रालय (एमईए) के माध्यम से सिंघम को उनकी ईमेल आईडी और चीनी सरकारी चैनलों के माध्यम से समन भेजे गए हैं। माना जा रहा है कि 2021 में जांच शुरू होने के बाद पिछले साल जारी किए गए समन के बाद ईडी द्वारा सिंघम को जारी किया गया यह दूसरा समन है। सिंघम का नाम कुछ महीने पहले एक लेख में फिर से सुर्खियों में आया था। दिल्ली पुलिस ने इस खबर के सामने आने के बाद उनके और न्यूजक्लिक के संस्थापकों के खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज की थी। सिंघम ने कहा था कि दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ द्वारा दर्ज प्राथमिकी में इस्तेमाल की गई भाषा दृढ़ता से सुझाती है प्रकाशित एक लेख से गलत सूचना से प्रभावित थे। सिंघम ने आरोप लगाया था, जानबूझकर उन सभी तथ्यात्मक खंडनों को प्रकाशित नहीं करने का विकल्प चुना जो मैंने उन्हें 22 जुलाई, 2023 को उनके प्रकाशन की तारीख से पहले प्रदान किए थे.उन्होंने

एफआईआर के लेख में उल्लिखित कई संस्थाओं के जटिल जा के माध्यम से धोखाधड़ी से धन डालने के आरोपों को भी खारिज कर दिया था। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि न्यूज़क्लिक एक वैश्विक नेटवर्क का हिस्सा था जिसे सिंघम से धन प्राप्त हुआ था, जो कथित तौर पर चीनी सरकारी मीडिया मशीनरी के साथ मिलकर काम करता है। प्रवर्तन निदेशालय ने पहली बार सितंबर, 2021 में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में राष्ट्रीय राजधानी के सैदुलजाब इलाके में न्यूजक्लिक के परिसरों पर छापा मारा था। एजेंसी ने इस मामले में 25 से अधिक लोगों के बयान दर्ज किए हैं, जिनमें न्यूजक्लिक के संस्थापक और प्रधान संपादक प्रबीर पुरकायस्थ भी शामिल हैं।

मुनाफावसूली के कारण शेयर बाजार लुढ़का, सेंसेक्स 65,537 पर और निफ्टी 19,640 पर पहुंचा

नई दिल्ली।

मुनाफावसूली के कारण इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक गुरुवार को गिरावट के साथ खुले। ऐसा एशिया में अन्य जगहों पर कमजोरी को देखते हुए होना बताया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीएसई सेंसेक्स 140 अंक गिरकर 65,537 पर और एनएसई निफ्टी 50.35 अंक फिसलकर 19,640 पर आ गया। हालांकि टीसीएस, एनटीपीसी, टाटा मोटर्स, इंडसइंड बैंक और एचसीएल टेक ने सेंसेक्स पर बढ़त हासिल की, जबकि ओएनजीसी, बीपीसीएल, डॉ रेड्डीज और हीरो मोटो निफ्टी50 पर प्रमुख विजेता रहे। बायबैक इश्यू मूल्य 4,150 रुपये तय करने पर टीसीएस लगभग 1 प्रतिशत ऊपर थी, जो पिछले बंद से 22 प्रतिशत का प्रीमियम था। वहीं दूसरी ओर, आरबीआई द्वारा बजाज फाइनेंस को दो डिजिटल ऋण उत्पादों से प्रतिबंधित करने के बाद, बजाज जुड़वां 3 प्रतिशत तक गिर गया, जिससे फ्रंटलाइन शेयरों में नुकसान हुआ।

पिछले सत्र में चार सप्ताह के उच्चतम स्तर पर बंद होने के बाद बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी गुरुवार को धीमी बढ़त के साथ हरे रंग में शुरुआत कर सकते हैं। सुबह 7:30 बजे गिफ्ट निफ्टी वायदा 27 अंक बढ़कर 19,759 पर कारोबार कर रहा था। डॉव जोन्स 0.47 प्रतिशत, एस एंड पी 500 0.16 प्रतिशत और नैस्डैक कंपोजिट 0.07 प्रतिशत बढ़ा। हालांकि एशिया में अधिकांश सूचकांकों में मामूली गिरावट रही। निक्की, हैंग सेंग, एसएंडपी/एएसएक्स 200 0.2-0.3 फीसदी गिरे। कोस्पी 0.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ एकमात्र लाभ में रहा। बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 742 अंक (1.14 प्रतिशत) चढ़ कर 65,676 पर बंद हुआ। इधर नैशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 232 अंक (1.2 प्रतिशत) चढ़ कर 19,675 पर बंद हुआ। पिछले एक महीने में दोनों सूचकांक अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। गौरतलब है कि 30 जून के बाद सेंसेक्स और 31 मार्च के बाद निफ्टी के लिए यह किसी एक कारोबारी सत्र की सबसे अधिक बढ़त है। जानकार बता रहे हैं कि अमेरिका में मुद्रास्फीति नरम रहने और बॉन्ड यील्ड खिसकने से कल भारतीय बाजार चढ़ गए। अमेरिका और ब्रिटेन में मुद्रास्फीति अनुमान से नीचे रही है, जिससे इस बात की उम्मीद बढ़ गई है कि दुनिया के बड़े केंद्रीय बैंक ब्याज दरें अब और नहीं बढ़ाएंगे। जहां बॉन्ड यील्ड घटी वहीं डॉलर में भी नरमी देखी गई, जिसके बाद निवेशकों में जोखिम भरी परिसंपत्तियों में रकम झोंकने का हौसला फिर से आ गया। 10 वर्ष की परिपक्वता वाले अमेरिकी बॉन्ड पर यील्ड कम होकर 4.5 प्रतिशत से नीचे चली गई, जो 5 प्रतिशत के पार चली गई थी।

आरबीआई के फैसले के बाद बजाज फाइनेंस के शेयर पर पड़ा असर, इतने फीसदी गिरा कंपनी का स्टॉक

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने बजाज फाइनेंस को निर्देश दिया है कि वह ऋण की मंजूरी और वितरण को बंद कर दिया। इस निर्देश के बाद आज कंपनी के शेयर गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है। आज के कारोबारी सत्र में बजाज फाइनेंस के स्टॉक 4 फीसदी से अधिक गिर गए हैं। बीएसई पर स्टॉक 3.97 प्रतिशत गिरकर 6,937.15 रुपये के दिन के निचले स्तर पर आ गया। एनएसई पर यह 4 प्रतिशत गिरकर 6,931.25 रुपये पर आ गया। लेकिन, बाद में स्टॉक ने शेयर बाजार में बढ़त के अनुरूप अपने शुरुआती नुकसान की भरपाई की और मामूली बढ़त के साथ ऊंचे स्तर पर कारोबार कर रहा था। क्या है आरबीआई का निर्देश रिजर्व बैंक ने बजाज फाइनेंस को निर्देश दिया कि वह लोन की मंजूरी और वितरण को रोक दे। इसकी वजह है कि कंपनी डिजिटल ऋण दिशानिर्देशों के मौजूदा प्रावधानों का पालन नहीं कर रही है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि आरबीआई की संतुष्टि के अनुसार उक्त कमियों को दूर करने के बाद इन प्रतिबंधों की समीक्षा की जाएगी।

केबीसी में 25 लाख जीतने वाले इस शख्स की महानायक ने की तारीफ

बालेसोर (ईएमएस)। ओडिशा के बालेसोर के एक व्यक्ति ने कौन बनेगा करोड़पति में 25 लाख रुपये की पुरस्कार राशि जीती है। पुरस्कार जीतने वाले व्यक्ति की पहचान एसिके अजमत के रूप में हुई। इस मौके पर सदर प्रखंड के रायसुआं पंचायत के सिंहरपुरा गांव के अजमत से उनकी निजी जिंदगी के बारे में बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने तारीफ की। बता दें कि 2008 से 2013 के बीच अजमत ने ओडिशा में एक चिटफंड कंपनी में एजेंट के तौर पर काम किया और 50 लाख रुपये से ज्यादा जमा कर लिए। 2013-14 में चिटफंड कंपनी बंद होने के बाद जमाकर्ता उनके घर आकर बैठ गए।

जब अमिताभ ने सुना कि अजमत ने जमाकताओं के गुस्से से बचने के लिए आत्महत्या करने का फैसला किया है तो उनकी आंखें भर आईं। अमिताभ ने अजमत के संघर्षपूर्ण जीवन की सराहना कर उनकी दृढ़ता की प्रशंसा की। अजमत ने कहा कि अमिताभ के साथ हॉट सीट तक पहुंचने के लिए यह एक लंबी यात्रा थी। शो में अजमत ने अमिताभ को ओडिशा की मशहूर मिठाई छेनापोड़ खाने के लिए भी आमंत्रित किया।

धर्मेंद्र ने सुनाया किस्सा, जया बच्चन मुझे देखकर छुप जाती थीं सोफे के पीछे

मुंबई (ईएमएस)। हाल में रिलीज हुई फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में रणवीर सिंह और आलिया के साथ तीन दिग्गज स्टार धर्मेंद्र, जया बच्चन और शबाना आजमी भी हैं। फिल्म के रिलीज से पहले धर्मेंद्र ने जया से जुड़े एक पुराने किस्से पर प्रतिक्रिया दी, कि जब जया उन्हें बेहद पसंद करती थीं। फिल्म गुड्डी में धर्मेंद्र और जया ने एक साथ काम किया था। धर्मेंद्र और जया ने मशहूर फिल्म गुड्डी में साथ काम किया था। इस फिल्म में काम करने से पहले से ही जया को धर्मेंद्र बेहद पसंद थे। फिल्म की शूटिंग के लिए धर्मेंद्र के सेट पर आने पर जया सोफे के पीछे से छुपकर उन्हें देखा करती थीं। धर्मेंद्र ने कहा कि वह जया जी का मेरे प्रति प्यार और सम्मान था। मैं लंबे समय से जया

और अमिताभ को जानता हूं। हम लोगों ने शोले की शूटिंग के दौरान बहुत सारा वक्त साथ गुजारा है। रॉकी और रानी की प्रेम कहानी की शूटिंग के दौरान पुराने दिनों की यादें ताजा हो गईं। जया बच्चन ने कॉफी विद करण के शो में धर्मेंद्र के प्रति अपनी पसंद को स्वीकार किया था। उन्होंने धर्मेंद्र से अपनी मुलाकात को याद कर कहा था, जब मैं धर्मेंद जी से पहली बार मिली थी तब बेहद घबरा गई थी और सोफे के पीछे छुप गई थी। मुझे नहीं पता था कि इतने हैंडसम आदमी के सामने क्या करना है। मुझे अब भी याद है वे सफेद ट्राउजर और सफेद शर्ट में ग्रीक गॉड जैसे लग रहे थे।

करीना कपूर ने किया खुलासा, पांच साल तक सैफ के साथ लिव-इन रिलेशनशिप रही थीं

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर कभी सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट को लेकर तो कभी अपनी आने वाली फिल्म को लेकर हमेशा चर्चा में रहती हैं। करीना के काम की जितनी चर्चा हुई, उतनी ही उनकी निजी जिंदगी की भी चर्चा हुई। हाल ही में एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने अपनी लव लाइफ के बारे में खुलकर बात की और करीना ने खुलासा किया कि शादी से पहले वह 5 साल तक सैफ अली खान के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में थीं। वर्ष 2004 में अभिनेता सैफ अली खान ने पूर्वाश्रमी की पत्नी अमृता सिंह को तलाक दे दिया। तीन साल बाद सैफ की जिंदगी में करीना आईं। वर्ष 2007 में फिल्म 'टशन' में काम करने के दौरान सैफ और करीना को प्यार हो गया और कुछ साल बाद उन्होंने शादी कर ली, लेकिन इससे पहले दोनों पांच साल तक लिव-इन रिलेशनशिप में रहे। करीना ने यह

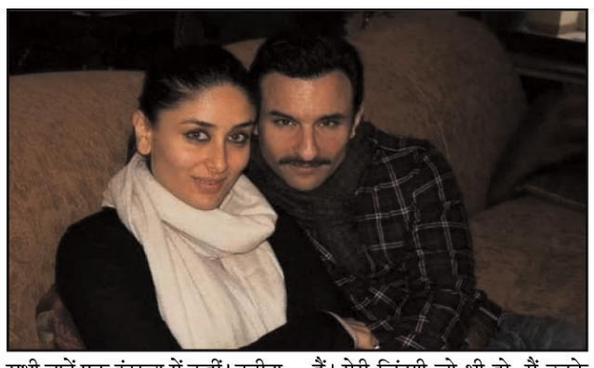

सभी बातें एक इंटरव्यू में कहीं। करीना कपूर ने कहा कि 'हमने शादी की क्योंकि हम एक बच्चा चाहते थे। हम पांच साल तक लिव-इन में रहे। फिर हमने अगला कदम उठाया। आगे बच्चों की परवरिश के बारे में बात करते हुए करीना ने कहा कि हम दोनों के एक जैसा व्यवहार करते हैं। हम उन्हें वैसे जीने देते हैं, जैसे वे जीना चाहते हैं। वे अपना रास्ता खुद चुनते हैं। मेरी जिंदगी जो भी हो, मैं उनके सामने जीती हूं। मैं उनके साथ सबकुछ करना चाहता हूं। हमें खुश रहना चाहिए, तभी वे फलेंगे-फूलेंगे। इस बीच सैफ अली खान और करीना कपूर के दो बच्चे हैं। करीना ने वर्ष 2016 में तैमूर को जन्म दिया था। इसके बाद करीना ने वर्ष 2021 में अपने दूसरे बच्चे को जन्म दिया, इनका नाम जेह अली खान है।

सुशांत से ब्रेकअप के बाद अंकिता लोखंडे का खुलासा

"बिग बॉस" का 17वां सीजन दिन पर दिन दिलचस्प होता जा रहा है। इस इवेंट में एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे अपने पति विक्की जैन के साथ शामिल हुई हैं। अंकिता ने दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत को डेट किया था। इस शो में वह अक्सर सुशांत के बारे में बात करती नजर आती हैं। अंकिता और सुशांत ने आमतौर पर अपने करियर की शुरूआत एक साथ की थी। सीरियल "पवित्र रिश्ता" ने उन्हें काफी पॉपुलर बना दिया। साथ काम करते-करते उन्हें प्यार हो गया और उन्होंने सात साल तक एक-दूसरे को डेट किया। अंकिता ने खुलासा किया है कि उन्होंने ढाई साल तक सुशांत का इंतजार किया ताकि ब्रेकअप के बाद सब ठीक हो जाए। अंकिता ने कहा, 'ढाई साल से मैं उम्मीद कर रही थी कि सब कुछ ठीक हो जाएगा। लेकिन नहीं हुआ, मेरे पास घर पर हम दोनों की बहुत सारी तस्वीरें थीं।

और उस दिन मैंने मूवऑन होने फैसला किया और मां से कहा कि सारी तस्वीरें डिलीट कर दूं। मैंने कहा कि पिछली जगह किसी और के जीवन में आने के लिए खाली कर देनी चाहिए।' जैसा कि अंकिता ने बताया, उसकी मां ने सारी तस्वीरें खींच लीं और फाड़ दीं। 'मैंने अपनी मां से कहा कि जब तक वह (सुशांत) यहां है, मेरी जिंदगी में कोई नहीं आ सकता। मैंने तस्वीरें नहीं लीं, मैंने बस अपनी माँ को बताया। मैं अपने कमरे में गयी, मेरी माँ ने तस्वीरें लीं और उन्हें फाड़ दिया। मैं उस दिन बहुत रोई। लेकिन वह हमारे रिश्ते का, इंतजार का अंत था। मैंने काफी देर तक उसका इंतजार किया, वह नहीं आया, फिर 6 महीने बाद विक्की मेरी जिंदगी में आया।' कुछ दिनों पहले अंकिता ने 'बिग बॉस' में सुशांत के बारे में बात की थी। सुशांत से उनका रिश्ता एक ही रात में खत्म हो गया।

एक ही शहर में रहने के बाद भी समय नहीं बीता पाते दीपिका-रणवीर

-कॉफी विद करण के एपिसोड में किया खुलासा

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में बालीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह करण जौहर के शो कॉफी विद करण के पहले एपिसोड में नजर आए थे। इसके बाद से दोनों खूब सुर्खियों में छाए हुए हैं। अब दीपिका ने अपने पति रणवीर को लेकर खुलकर बातचीत की है। दीपिका ने बताया है कि कैसे उन्हें और रणवीर को साथ में समय बिताने के लिए उन्हें शेड्यूलिंग करनी पड़ती है। एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि वह दोनों एक ही शहर में रहने के बाद भी के दूसरे के साथ समय नहीं बिता पाते हैं। हाल ही में दीपिका पादुकोण ने बताया कि रणवीर के साथ क्वालिटी टाइम बिताना मेरे लिए बहुत ज्यादा अहम है। इसे पॉसिबल बनाने के लिए हम पूरी मेहनत करते हैं। हमारा काम ही ऐसा है कि हमें एक दूसरे के लिए समय निकालना पड़ता है। हम दोनों में से कोई महीनों तक ट्रैवलिंग ही करते रह जाता है। कभी रणवीर लेट नाइट आते हैं तो कभी मुझे सुबह जल्दी निकलना पड़ता है। ऐसा कई बार होता है जब हम एक ही शहर में होते हैं, लेकिन एक-दूसरे के साथ समय ही नहीं बिता पाते। एक-दूसरे को टाइम ही नहीं दे पाते। हमें ज्यादा वक्त नहीं चाहिए होता है, लेकिन इतना तो चाहिए जितने में हम अपना

दुख-सुख बांट सकें। बहुत अच्छा लगता है, जब हम दोनों एक-दूसरे के साथ होते हैं। सिर्फ रणवीर के साथ ही नहीं बल्कि मुझे पूरे परिवार के साथ समय बिताना पसंद है। वहीं दीपिका ने अपने स्ट्रगल के दिनों को भी याद करते हुए कहा कि जब मैं शहर में नई आई थीं तब मैं अपने बैग को लेकर इधर-उधर भटकती रहती थीं। कई बार तो पूरा दिन कैब में ही निकल जाता था और मैं कैब में ही सो जाती थी। मेरी मां को बस यही चिंता रहती थी कि मैं ठीक ठाक घर पर पहुंच जाऊं। मैंने जो भी किया अपने दम पर ही किया।

रिहाना बायफ्रेंड के साथ डिनर डेट पर हुईं स्पाट

पॉप स्टार रिहाना अपने बायफ्रेंड के साथ डिनर डेट पर स्पाट हुईं। कपल को सांता मोनिका में जियोर्जियो बाल्दी के बाहर देखा गया। इस दौरान पॉप स्टार का स्टाइलिश लुक देखने को मिला। 35 साल की हसीना ब्लैक पैंट, टर्टलनेक पॉप और ब्लैक लैदर कोट में स्टाइलिश दिखीं। इस दौरान रिहाना ने स्ट्रैपी सैंडल, ओपन हेयर्स से लुक को पूरा किया था। वहीं असाप रॉकी ग्रे स्वेटपैंट, ब्लैक लैदर जैकेट में कूल दिखे। इस दौरान असाप रॉकी ने ब्लैक हुडी को कमर पर बांध रखा था। बता दें कि रिहाना इसी साल अगस्त में दूसरी बार मां बनी हैं। सिंगर ने बॉयफ्रेंड व रैपर एसैप रॉकी के दूसरे बेटे को जन्म दिया है। रिहाना और एसैप साल 2022 में पहली बार माता-पिता बने थे। सिंगर ने अपने पहले बच्चे के तौर पर एक बेटे को जन्म दिया था, जिसका नाम उन्होंने आरजेडए एथेलस्टन मेयर्स रखा है। वहीं, अब दूसरे बेटे के जन्म से कपल दो बेटों के पेरेंटस बन गए हैं।

दीपिका ने करवाया कातिलाना फोटोशूट

हाल ही में एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने एक मैगजीन के लिए फोटोसूट करवाया, जिसकी तस्वीरें उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की हैं। एक्ट्रेस की इन तस्वीरों को फैंस खूब लाइक कर रहे हैं। लुक की बात करें तो इन तस्वीरों में दीपिका पादुकोण ब्लैक गाउन में बेहद गॉर्जियस लग रही हैं। गले में बेश्कीमत नेकलेस उनके लुक को शानदार बना रहा है। कानों में नेकलेस से मैचिंग नेकलेस और हाथ में ब्रेसलेट उनके लुक की ग्रेस को बढ़ा रहा है। न्यूड मेकअप, रेड लिपस्टिक और लो पोनी से एक्ट्रेस ने अपने लुक को कंप्लीट किया है।

डीप नेक में दीपिका के क्लीवेज भी नजर आ रहे हैं, जो उनके लुक को बोल्ड बना रहे हैं। अपने हुस्न का जादू चलाते हुए एक्ट्रेस कैमरे के सामने मदमस्त पोज दे रही हैं। काम की बात करें तो दीपिका पादुकोण इन दिनों फिल्म फाइटर की शूटिंग में बिजी हैं। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बन रही यह फिल्म अगले साल पर्दे पर रिलीज होगी।

आदर जैन को मिल गया नया प्यार!

बालीवुड एक्ट्रेस तारा सुतारिया से अलग होने के बाद लगता है आदर जैन को नया प्यार मिल गया है। हाल ही में उन्होंने एक पोस्ट शेयर फैंस को अपनी गर्लफ्रेंड अलेखा जैन से इंट्रोड्यूस करवाया है। आदर जैन ने दीवाली के मौके पर गर्लफ्रेंड संग एक फोटो शेयर की, जिसमें वह अलेखा का हाथ थामे एक काउच पर आराम फरमाते दिख रहे हैं। इस फोटो के कैप्शन में उन्होंने लिखा- मेरी जिंदगी की रोशनी। एक्टर की इस फोटो पर रिद्धिमा कपूर ने कमेंट करते हुए लिखा- तुम्हारी रोशनी से मिलने का इंतजार नहीं कर सकती। वहीं फैंस भी कपल के इस पोस्ट को खूब

लाइक कर रहे हैं और कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। बता दें इससे पहले आदर जैन की मुलाकात तारा सुतारिया से करण जौहर की पार्टी में हुई थी। इसके बाद से ही दोनों एक दूसरे को डेट करने लगे, लेकिन 2 साल एक दूसरे को डेट करने के बाद उनका 2020 में ब्रेकअप हो गया था।

सनी लियोन के साथ शानदार केमिस्ट्री में दिखे अभिषेक सिंह

अभिनेता बने अभिषेक सिंह मनोरंजन की दुनिया के सबसे होनहार और महत्वाकांक्षी नामों में से एक हैं। दिल्ली क्राइम वेब सीरीज में उनकी परफॉर्मेंस ने लोगों पर एक गहरी छाप छोड़ी है। अभिषेक ने कई हिट म्यूजिक वीडियो जैसे "याद आती है" और "काली काली जुल्फो के" में लीड रोल प्ले करके लोगों के दिलों को जीता है। अब एक और म्यूजिक वीडियो "थर्ड पार्टी" के लिए तैयारी कर रहे हैं, जिसमें उनकी जोड़ी सनी लियोन के साथ बनी हैं। इस गाने की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसके बोल खुद अभिषेक सिंह ने लिखे हैं और गाने को अपनी आवाज दी हैं और कंपोजिशन भी उन्हीं का हैं। ऐसे में यह वास्तव में अभिषेक के लिए एक बड़ी उपलब्धि है क्योंकि उन्होंने गाने के लिए गायक, गीतकार और संगीतकार के

रूप में अपना योगदान दिया है। इस गाने के पीछे के विचार के बारे में बात करते हुए अभिषेक सिंह ने कहा, "हर बार जब मैं अपने दोस्तों के साथ पार्टी करता था, वो मुझसे कहते थे कि हम साथ में पार्टी करेंगे, यह हमारी एक्सक्लूसिव पार्टी होगी और कोई भी थर्ड पार्टी (आउटसाइडर) इसमें शामिल नहीं होगी। इस पर बेस्ड थीम पर पहले भी बात नहीं हुई है और मुझे उम्मीद है कि यह आज के युवाओं के साथ मेल खाएगा।" इस पार्टी ट्रैक के लिए अभिषेक सिंह ने प्रमुख म्यूजिक लेबल टी-सीरीज के साथ हाथ मिलाया है।

दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के वायरल वीडियो पर डायरेक्टर अनिल शर्मा ने दी सफाई

दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर बेहद गुस्से में हैं। उनके गुस्सैल स्वभाव से इंडस्ट्री में कई एक्टर्स नाना के साथ काम करने से भी डरते हैं। नाना पाटेकर का एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें वह एक फैन के सर पर जोर से मारते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो पर फिल्म के डायरेक्टर अनिल शर्मा ने सफाई दी है। इतना ही नहीं, नाना लड़के पर गुस्से में चिल्लाते भी नजर आए। उनका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और उन्हें खूब ट्रोल किया गया। नाना फिलहाल गदर-2 के डायरेक्टर अनिल शर्मा की आने वाली फिल्म जर्नी में नजर आ रहे हैं। इसमें अनिल शर्मा के बेटे उत्कर्ष भी हैं। फिल्म की कहानी डिमेंशिया से पीड़ित एक पिता और उसके बेटे के रिश्ते के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म के डायरेक्टर अनिल शर्मा ने इस संबंध में साफ किया है कि नाना ने फैन को मारा नहीं, बल्कि ये फिल्म जर्नी का एक शॉट था। अनिल शर्मा की सफाई से इस वीडियो के पीछे की असली सच्चाई सामने आ गई है। नाना पाटेकर इन दिनों वाराणसी में इसी फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। ये वीडियो इस वक्त काफी चर्चा में है। इस वायरल वीडियो के कारण नाना की काफी आलोचना हो रही है, लेकिन अब इस वीडियो के पीछे का सच सामने आ गया है।

सूडोकु नवताल- 6614

सरल

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6613 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

शब्दजाल - 7361

अ	मु	न	सी	ब	आ	ज	ग	ल	ट्य	रा	
वि	ली	प्रे	क	न्या	स	द	ज	कां	ड़	चु	
मे	ष	बा	दी	छ	मि	आ	ब	वृ	क	इं	
नौ	ब	न	बा	वा	स	थु	ल	ष	क	डि	
अ	मी	ल	म	चा	न	क्रो	न	भ	च	या	
ल	न	र	रा	क	ली	ती	ण	घ	र	द	
सिं	निं	ग	ट्रे	न	र	स	बा	व	स	क	
ह	ऊ	ई	द	ब	क	फ	चो	श	क	रा	
म	तु	ला	रा	म	स	या	औ	र	आ	क	
गॉ	ल	प	लि	जी	कुं	भ	म	प	द	क	
ड	क	र्क	या	क	र्त	व्य	ब	त	म	श	

शब्दजाल में राशिचक्र की 10 राशियों के नाम ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

मेष, मकर, वृषभ, कन्या, सिंह, तुला, कुंभ, मीन, मिथुन, कर्क

शब्दजाल - 7360 का हल

अ	ज	ग	र	ग	द	रि	सि	या	र	क	
दा	वि	ल	ग	व	जी	ग	द	इ	ता	ली	
गि	स	शे	ल	बा	छ	ची	ता	रा	क	क	
री	ज	र	दो	पु	ज	न	ह	न	त	क	
क	खु	दो	भा	लू	लं	का	म	ग	व	क	
जी	द	ल	प	य	ख	पू	ना	हि	र	को	
ती	लो	म	ड़ी	या	प	र	श	र	र	ल	
क	र्ज	ल्जा	ई	धा	ब	क	गो	लो	श	ण	
ने	बा	म	ब्न	ब्रा	ह	त्या	री	श	प	क	
तें	दु	आ	प	व	जी	र्त	ऐ	बें	हा	त	
क	दु	ल्हे	रा	नी	ल	गा	य	द	प	थ	

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6314

	3	7	5			2
5	38		32	1	27	
	4		2	3	6	
3	32		32		33	
6		4	7		5	
	24		36	4	30	5
1			7		2	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6313 का हल

7	5	1	3	6	4	2
6	34	6	33	1	33	7
5	1	3	6	7	2	4
1	22	2	35	4	34	5
4	1	5	6	2	7	3
3	30	4	37	5	33	6
2	4	7	5	3	6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

अल्काराज ने आंद्रेई रुब्लेव को सीधे सेटों में हराया

ट्यूरिन।
कार्लोस अल्काराज ने निट्टो एटीपी फाइनल्स में अपनी सेमीफाइनल की उम्मीदों को जिंदा रखा, जब उन्होंने आंद्रेई रुब्लेव को 7-5, 6-2 से हराकर वर्ष के अंत में होने वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत हासिल की। 20 वर्षीय खिलाड़ी ने रुब्लेव के खिलाफ आक्रामक प्रदर्शन के साथ अलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ रेड ग्रुप की शुरुआती हार से वापसी की। स्पैनियार्ड ने बेसलाइन से जबरदस्त खेल दिखाते हुए पांचवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को पछाड़ दिया, जिससे 2023 में शीर्ष 10 विरोधियों के खिलाफ अपने रिकॉर्ड में 10-5 से सुधार किया। अपनी 74 मिनट की जीत के साथ, अल्काराज ने तीन मैचों की हार का सिलसिला तोड़ दिया। दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी को शंघाई में ग्रिगोर दिमित्रोव, पेरिस में रोमन सफीउलिन और ट्यूरिन में ज्वेरेव से हार का सामना करना पड़ा। वह अब सीज़न में 64-11 हैं।

अल्काराज ने कहा, यह मेरे लिए बिल्कुल अलग मैच और स्तर था। अगर मैं खुद को इस अद्भुत टूर्नामेंट में मौका देना चाहता हूं तो मुझे इसी स्तर पर खेलना होगा।कल अभ्यास में मेरे लिए वह स्तर हासिल करने का अच्छा दिन था जो मुझे आज दिखाना था और मुझे लगता है कि मैंने काफी अच्छा प्रदर्शन किया। मैं अपने स्तर से बहुत खुश हूं।

अल्काराज, जो आठ सदस्यीय एकल क्षेत्र में सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं, चोट के कारण पिछले साल के संस्करण से चूकने के बाद निट्टो एटीपी फ़ाइनल में पदार्पण कर रहे हैं। वह सीज़न की अपनी सातवीं और विंबलडन के बाद पहली ट्रॉफी का पीछा कर रहे हैं और शुक्रवार को अपने अंतिम राउंड-रॉबिन मैच में दानिल मेदवेदेव से भिड़ेंगे।

ज्वेरेव के खिलाफ अपने शुरुआती मैच में अल्काराज अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में नहीं थे, लेकिन रुब्लेव के खिलाफ पाला अलपिटौर के अंदर तेज कोर्ट पर पहली गेंद से ही अपना प्रभाव दिखाना शुरू कर दिया । शुरुआती सेट में स्पैनियार्ड ने अपनी पहली सर्विस पर सिर्फ एक अंक गंवाया, जबकि उन्होंने सिर्फ चार अप्रत्याशित गलतियां कीं। बढ़त बनाए रखने से पहले उन्होंने पहले सेट के 11वें गेम में महत्वपूर्ण ब्रेक हासिल किया।

अच्छी लय में, 20 वर्षीय खिलाड़ी दूसरे सेट में आगे बढ़ा, अपने शक्तिशाली ग्राउंडस्ट्रोक से रुब्लेव की रक्षा का फायदा उठाते हुए 26 वर्षीय खिलाड़ी को गलतियाँ करने के लिए मजबूर किया। अल्काराज ने कुछ शानदार पासिंग विनर्स खेले और उन्होंने अपने पहले मैच प्वाइंट पर जीत पक्की कर ली।

रुब्लेव, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में मोंटे-कार्लो में अपना पहला एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीता था, अब अपने पहले मैच में दानिल मेदवेदेव से हारने के बाद रेड ग्रुप प्ले में 0-2 का रिकॉर्ड रखते हैं। 2022 के सेमीफाइनलिस्ट अपने अंतिम राउंड-रॉबिन मैच में ज्वेरेव से भिड़ेंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

दो युवा खिलाड़ियों का अंडर-19 क्रिकेट टीम में चयन, बल्ले और गेंद से मचाएंगे धमाल

समस्तीपुर। सत्र 2023-24 समस्तीपुर के क्रिकेट जगत के लिए स्वर्णिम कहा जाएगा। 2023 में जिले के 4 क्रिकेटरों का चयन बिहार टीम में और 1 खिलाड़ी का अंडर-19 भारतीय टीम में हुआ। इसी बीच भी समस्तीपुर क्रिकेट जगत के लिए एक और अच्छी खबर आई, जब कोहिनूर क्रिकेट एकेडमी के मोहम्मद आलम एवं क्रिकेट एकेडमी समस्तीपुर के सुमन कुमार का एक साथ कूचबिहार अंडर-19 ट्रॉफी के लिए चयन हुआ। वैभव सूर्यवंशी के साथ मो. आलम के साथ कीर्तिमान रचा मोहम्मद आलम भारतीय टीम में खेल रहे वैभव सूर्यवंशी के साथ जिला के लिए ओपनिंग कर अनेकों कीर्तिमान स्थापित किए हैं, जिसमें हेमन ट्राफी में बेगूसराय के विरुद्ध 280 रनों की रिकॉर्ड साझेदारी भी शामिल है। मोहम्मद आलम नगर निगम के चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी बदरे आलम और मासूम प्रवीण का बेटा हैं। मोहम्मद आलम पिछले दो सालों से बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के मैचों में लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। बाएं हाथ के बल्लेबाज मोहम्मद आलम कोहिनूर क्रिकेट अकादमी के प्रशिक्षक सतीश कुमार की देख-रेख में पिछले 5 साल से प्रशिक्षण ले रहें हैं। सुमन कुमार बाएं हाथ का फिरकी गेंदबाज बिहार टीम में इसी प्रतियोगिता के लिए चयनित सुमन कुमार बाएं हाथ का फिरकी गेंदबाज हैं, जो पिछले 7 साल से बीसीए के प्रतियोगिताओं में जिला के लिए शानदार प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर आकृष्ट किया। क्रिकेट अकादमी समस्तीपुर के खिलाड़ी सुमन कुमार के पिता प्रदीप कुमार रेल मंडल में इंजीनियर हैं जबकि माता माया देवी शिक्षक हैं। दोनों खिलाड़ी का चयन 17 नवंबर से पटना में बंगाल के विरुद्ध होने वाले तीन दिवसीय कूच बिहार ट्राफी के लिए हुआ है। दोनों खिलाड़ी के शानदार सफलता पर जिला क्रिकेट संघ के सचिव अनिल कुमार और क्रिकेट अकादमी के प्रशिक्षक ब्रजेश झा, सतीश कुमार, बीसीए के प्रवीण कुमार, रंजीत कुमार सिंह, संजीव ठाकुर सहित अन्य पदाधिकारी ने हर्ष व्यक्त किया है।

पूर्व क्रिकेटर एरोन फिंच ने कहा, स्विंग कराने की बुमराह की क्षमता लाजबाव

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर एरोन फिंच का मानना है कि गेंद को बाएं हाथ के बल्लेबाज के

लिए स्विंग कराने की बुमराह की क्षमता कविता की तरह है। बुमराह पास मौजूदा आईसीसी वनडे विश्व कप 2023 में सर्वाधिक डॉट बॉल (303) फेंकने का असाधारण रिकॉर्ड है। वह अब तक 17 विकेट भी ले चुके हैं। भारत को रिकॉर्ड 8वां एशिया कप खिताब जिताने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने से पहले बुमराह आयरलैंड दौरे के लिए भारतीय टीम का नेतृत्व करने के लिए लौट आए। फिंच ने कहा कि हां, सभी तेज गेंदबाजों में से और विशेष रूप से बुमराह के पास बाएं हाथ के बल्लेबाज के लिए गेंद को वापस स्विंग कराने की उनकी क्षमता है। इतना महत्वपूर्ण है क्योंकि तब आप केवल गेंद के पार जाने के बारे में चिंता नहीं कर सकते हैं और आपको कभी-कभार थोड़ी चौड़ाई मिल सकती है। आपको उस गेंद के लिए सावधान रहना होगा जो वापस स्विंग करती है, खासकर बाएं हाथ के बल्लेबाजों (कॉनवे और रचिन) के लिए।

रोहित शर्मा पहले 10 ओवरों में मैच पलट देते हैं : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कप्तान रोहित शर्मा की प्रशंसा की है और वह उनके

विश्व कप 2023 के पहले सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले 10 ओवरों में मैच की शुरुआत करने के इरादे से काफी प्रभावित हुए। रोहित शर्मा ने 29 गेंदों में चार चौकों और चार छक्कों की मदद से 47 रनों की धमाकेदार शुरुआत करते हुए भारतीय बल्लेबाजी की नींव रखी। इस तेज शुरुआत का पूरा फायदा उठाते हुए गिल, विराट और अय्यर ने 50 ओवरों में 397/4 का विशाल स्कोर बनाया। आकाशवाणी की मेजबानी करते हुए आकाश चोपड़ा ने विश्व कप में अब तक कप्तान रोहित शर्मा के दृष्टिकोण के प्रभाव के बारे में बात की। चोपड़ा ने कहा, आपको रोहित शर्मा के दृष्टिकोण के महत्व का एहसास होता है जब मैच में करीबी मामला बनने लगता है। वह एक मकसद के साथ भारतीय पारी की शुरुआत कर रहे हैं। उनका स्पष्ट इरादा है कि वो निश्चित गति से शुरुआत करना चाहते हैं और विपक्ष को संभलने नहीं देना चाहता।

सचिन को शतकवीर कोहली का नमन

फुटबॉलर बेकहम ने विराट को बधाई दी, शमी ने छोड़ा कैच, फिर 3 गेंद में 2 विकेट

नई दिल्ली।
मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए पहले सेमीफाइनल में भारत ने न्यूजीलैंड को 70 रन से हराया। भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 4 विकेट 397 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 48.5 ओवर में 327 रन पर ऑलआउट हो गई। विराट शतक लगाने के बाद सचिन तेंदुलकर के आगे नतमस्तक हुए, उन्होंने पत्नी अनुष्का शर्मा को फ्लाइंग किस भी दिया। इंग्लैंड के पूर्व स्टार फुटबॉलर डेविड बेकहम सेमीफाइनल देखने पहुंचे और विराट कोहली को बधाई भी दी। टीम इंडिया के ओपनर शुभमन गिल रिटायर्ड हर्ट होने के बाद दोबारा बैटिंग करने उतरे। वही, मैच के हीरो मोहम्मद शमी ने न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन का कैच टपकाया और फिर उनकी ही विकेट भी ली।

डेविड बेकहम ने कोहली को बधाई दी - डेविड बेकहम मैच शुरू होने से पहले सचिन तेंदुलकर के साथ स्टेडियम में दिखाई दिए। उन्होंने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से मुलाकात की। पहली पारी खत्म होने के बाद बेकहम ने सेंचुरी लगाने वाले विराट कोहली को बधाई भी दी।

सचिन तेंदुलकर ने ट्रॉफी प्रेजेंट की - भारतीय टीम के पूर्व दिग्गज प्लेयर सचिन तेंदुलकर सेमीफाइनल से पहले वनडे वर्ल्ड कप की ट्रॉफी लेकर मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम पहुंचे। सचिन 2011 वर्ल्ड कप विनिंग टीम इंडिया का हिस्सा थे। इससे पहले अहमदाबाद में खेले गए भारत-पाकिस्तान मैच में भी सचिन ने ट्रॉफी प्रेजेंट की थी। वर्ल्ड कप 2023 के पिछले मैचों में कई दिग्गज खिलाड़ी मैच से पहले ट्रॉफी प्रेजेंट करने के लिए आ चुके हैं।

विवियन रिचर्ड्स ने ट्रॉफी के साथ फोटो भी क्लिक कराई - वेस्टइंडीज के पूर्व स्टार क्रिकेटर विवियन रिचर्ड्स भी मैच देखने वानखेड़े स्टेडियम पहुंचे। उन्होंने वनडे वर्ल्ड कप ट्रॉफी के साथ फोटो भी क्लिक कराई। उनके अलावा टीम इंडिया के खिलाड़ी युजवेंद्र चहल और हार्दिक पंड्या भी मैच देखने पहुंचे।

रिव्यू में बचे विराट कोहली - 9वें ओवर की चौथी बॉल टिम साउदी ने शॉर्ट ऑफ गुड लेंथ फेंकी। बॉल विराट कोहली के पैड्स पर लगी और बाउंड्री के बाहर चली गई। न्यूजीलैंड के प्लेयर्स ने अपील की, लेकिन अंपायर ने नॉट आउट दे दिया। केन विलियमसन और टिम साउदी के बीच लंबी चर्चा के बाद न्यूजीलैंड ने रिव्यू लिया, रीप्ले में दिखा कि बॉल कोहली के बैट से लगी थी। अंपायर ने फैसला बरकरार रखा और कोहली नॉट आउट रहे। इस वक्त कोहली खाता भी नहीं खोल सके थे।

गिल रिटायर्ड हर्ट हो गए - शुभमन गिल 23वें ओवर की चौथी बाल पर रिटायर्ड हर्ट हो गए। उन्हें पैर में खिंचाव आया था। गिल इस वक्त 65 बॉल पर 79 रन बनाकर खेल रहे थे। कुछ देर आराम करने के बाद गिल को अच्छा महसूस हुआ और वे 50वें ओवर में बैटिंग करने उतरे। उन्होंने 66 बॉल पर नाबाद 80 रन की पारी खेली।

कोहली ने सचिन को नमन किया - विराट कोहली ने 113 बॉल पर 117 रन की पारी खेली। यह विराट के करियर का 50वां शतक रहा। वे वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार 100 रन का आंकड़ा पार करने वाले बल्लेबाज बन गए। विराट ने सचिन तेंदुलकर (49 शतक) का रिकॉर्ड तोड़ा। शतक पूरा करने के बाद कोहली ने सचिन के सामने सिर झुकाकर उनका अभिवादन किया। विराट ने पत्नी अनुष्का शर्मा को फ्लाइंग किस भी दिया।

केएल राहुल ने पकड़ा डाइविंग कैच - न्यूजीलैंड की पारी के छठे ओवर में भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने डेवोन कॉनवे का विकेट लिया। ओवर की पहली बॉल पर गेंद कॉनवे के बल्ले के छोर से लग कर पीछे की ओर गई। जैसे ही गेंद पीछे गई, विकेटकीपर केएल राहुल ने डाइव लगाकर असाधारण कैच पूरा किया और डेवोन कॉनवे को वापस पवेलियन भेज दिया।

शमी ने छोड़ा विलियमसन का कैच, फिर 3 गेंद में 2 विकेट लिए - भारत के मोहम्मद शमी ने केन विलियमसन का कैच ड्रॉप कर दिया। 29वें ओवर की पांचवीं बॉल पर जसप्रीत बुमराह के सामने विलियमसन ने मिड ऑन पर बड़ा शॉट खेला। वहां फिल्डिंग कर रहे शमी बॉल के नीचे आए। बॉल तेजी से शमी की ओर आई लेकिन हाथ में आने के बाद छूट गई। उस समय केन विलियमसन ने 52 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे। इसके बाद 33वें ओवर में भारत के पेसर मोहम्मद शमी ने 3 गेंद में 2 विकेट लिए। ओवर की दूसरी बॉल पर शमी ने स्लो गेंद फेंकी। बल्लेबाजी कर रहे केन विलियमसन शॉर्ट स्क्वायर पर बड़ा शॉट खेला। वहां सूर्यकुमार यादव फील्डिंग कर रहे थे, उन्होंने आसानी से कैच पकड़ा और विलियमसन को चलता किया। ओवर की तीसरी बॉल पर टॉम लैथम आए और अपनी पहली बॉल पर डिफेंड किया।

मोहम्मद हफीज को मिली बड़ी जिम्मेदारी, पाकिस्तान पुरुष क्रिकेट टीम के निदेशक बने

लाहौर।
पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पाकिस्तान के पूर्व टेस्ट कप्तान मोहम्मद हफीज को पाकिस्तान पुरुष क्रिकेट टीम का निदेशक नियुक्त किया. मोहम्मद हफीज ने पाकिस्तान के लिए 55 टेस्ट, 218 वनडे और 119 टी20 मैच खेले हैं और 12,780 रन बनाए हैं और 253 विकेट लिए हैं. मोहम्मद हफीज की नियुक्ति के बाद मिकी आर्थर का 'वर्क फॉर्म होम' भी एक तरह से खत्म कर दिया गया है, जिन्हें पूर्व पीसीबी चीफ नजीम सेठी ने डायरेक्टर बनाया था। बाबर आजम के कप्तानी से हटने के बाद शान मसूद और शाहीन शाह अफरीदी को पाकिस्तान टेस्ट और टी20ई कप्तान की जिम्मेदारी दी गई है. हालांकि, पीसीबी ने अभी तक वनडे कप्तान की घोषणा नहीं की है। पूर्व ऑलराउंडर मोहम्मद हफीज पाकिस्तान पुरुष टीम का हिस्सा थे, जिसने 2017 में इंग्लैंड में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी. यूके में पंजीकृत एक खिलाड़ी प्रबंधन कंपनी के कथित स्वामित्व के कारण हितों के टकराव के विवाद के बीच मुख्य चयनकर्ता इंजमाम उल हक के पद से इस्तीफा देने के बाद पीसीबी ने मंगलवार को पाकिस्तान चयन समिति को बर्खास्त कर दिया था, कप्तान बाबर आजम ने भी कप्तानी के सभी फॉर्मेट से इस्तीफा दे दिया।

पीसीबी क्रिकेट तकनीकी समिति का हिस्सा थे हफीज:

हफीज कुछ दिन पहले तक पीसीबी क्रिकेट तकनीकी समिति का हिस्सा थे. एशिया कप में पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन की समीक्षा बैठक के तुरंत बाद मोहम्मद हफीज ने वनडे विश्व कप से पहले पीसीबी की क्रिकेट तकनीकी समिति से इस्तीफा दे दिया था. हफीज ने ट्वीट कर कहा था। मैंने पाकिस्तान क्रिकेट तकनीकी समिति छोड़ने का फैसला किया है, जब भी जका अशरफ को पाकिस्तान क्रिकेट के लिए मेरे ईमानदार सुझावों की जरूरत होगी, मैं हमेशा उपलब्ध हूं।

भारत के सफल अभियान के असली हीरो हैं रोहित शर्मा : नासिर हुसैन

नई दिल्ली।
इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर नासिर हुसैन ने रोहित शर्मा के शानदार प्रदर्शन की सराहना की है और उन्हें मौजूदा वनडे विश्व कप अभियान में भारत की जीत का असली हीरो करार दिया है। हुसैन ने कहा कि शर्मा ने भारत के दृष्टिकोण को बदल दिया और टीम और देश को आश्वस्त किया कि आक्रामक क्रिकेट ही आगे बढ़ने का रास्ता है।

नासिर हुसैन ने कहा,कल की सुर्खियाँ (विराट) कोहली के बारे में होंगी, श्रेयस अय्यर के बारे में हो ंगी, और मोहम्मद शमी के बारे में होंगी। लेकिन इस भारतीय टीम के असली नायक, जिन्होंने इस भारतीय टीम की संस्कृति को बदल दिया है, वह रोहित शर्मा हैं।

दिनेश कार्तिक थे उस टीम के साथ जब भारत ने एडिलेड में टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में इ ंग्लैंड से खेला, जहां उन्होंने नम्र, डरपोक क्रिकेट ख ेला, कम स्कोर बनायाऔर इंग्लैंड ने उन्हें 10 विकेट से हरा दिया।उन्होंने डीके से कहा कि भारत को बदलाव की जरूरत है।

पहले सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ रोहित शर्मा की दबदबे वाली बल्लेबाजी ने भारतीय बल्लेबाजी के लिए माहौल तैयार कर दिया, क्योंकि भारत ने रोहित की 29 गेंदों में 47 रनों की पारी और विराट कोहली-श्रेयस अय्यर के शतकों के दम पर 397/4 का विशाल स्कोर बनाया।

हुसैन ने भारतीय कप्तान के बारे में आगे कहा,मुझे लगता है कि आज असली हीरो रोहित थे। ग्रुप चरण अलग है और नॉकआउट चरण अलग है और कप्तान ने सभी को दिखाया कि वे नॉकआउट में भी निडर क्रिकेट खेलने जा रहे हैं, रोहित शर्मा ने दृष्टिकोण के साथ एक स्पष्ट संदेश भेजा।

अहमदाबाद में फ़ाइनल खेलने के लिए फिट हूं: शुभमन गिल

मुम्बई।
डेंगू की वजह से शुभमन गिल विश्व कप की शुरुआत में नहीं खेल पाए थे और मुंबई में हुए सेमीफ़ाइनल में न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ रिटायर हर्ट होना इसकी ही वजह थी। भारत की पारी के 23वें ओवर में गिल 79 रन पर बल्लेबाज़ी कर रहे थे, जब उन्हें बाहर जाना पड़ा था। उन्होंने मैच के बाद पुष्टि की कि वह 19 नवंबर को अहमदाबाद में होने वाले फ़ाइनल में खेलने के लिए फ़िट हैं। शुभमन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, शुरुआत क्रैंप से हुई थी और इसके बाद मुझे थोड़ी हैमस्ट्रिंग भी हो गई थी। एक तो गर्मी बहुत थी और दूसरा यह डेंगू के बाद का प्रभाव भी था। पहले दो लीग मुक़ाबले नहीं खेलने के बाद गिल टीम में वापस लौटे थे और तब से वह आठ मैच खेल चुके हैं। जहां उन्होंने बताया कि इससे उनके गेम पर तो कोई प्रभाव नहीं पड़ा लेकिन उनका वजन जरूर थोड़ा घटा है। उन्होंने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मैंने अपनी बल्लेबाज़ी के मामले में वास्तव में कुछ भी बदलाव नहीं किया है, लेकिन क्योंकि मेरी मांसपेशियां थोड़ी कमजोर हो गई हैं, मुझे लगता है कि डेंगू से पहले मेरे पास जो रिजर्व था वह थोड़ा कम हो गया है। जब आप गर्मी में खेलते हैं तो आपको क्रैंप आते हैं लेकिन मुझे यह लंबे समय बाद हुआ है। लेकिन क्योंकि मेरी मासपेशियां थोड़ी कमजोर हुई हैं तो इससे दिक्कत हुई। भारत ने विराट कोहली और श्रेयस अय्यर के शतकों की वजह से चार विकेट पर 397 रन बनाए वहीं क्रैंप के बाद शुभमन अंत में बल्लेबाज़ी करने आए और एक रन बनाकर 80 रन पर नाबाद रहे। शुभमन सेमीफ़ाइनल में जीत में योगदान देने पर खुश दिखे। शुभमन ने कहा, यदि मुझे क्रैंप नहीं आता तो हो सकता है मैं शतक बना पाता। लेकिन हम जिस स्कोर तक पहुंचने की कोशिश कर रहे थे, मैं शतक बनाता या नहीं हम वहां तक पहुंच गए। हम 400 की उम्मीद में थे, हमने उम्मीद की थी कि 25 से 30 ओवर के बीच हमें तेज़ी से रन बनाने चाहिए और हमने ऐसा किया तो कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता कि मैंने शतक बनाया या नहीं।

कोहली की 117 रन की पारी उनका वनडे का 50वां शतक था, जिससे वह सचिन तेंदुलकर के 49 शतकों के रिकॉर्ड को तोड़ गए। जब शुभमन से कोहली के साथ खेलने के अनुभव पर पूछा तो उन्होंने कहा कि सफल होने की उनकी भूख उन्हें प्रेरित करती है। उन्होंने कहा, आप जानते हैं जब भी वह मैदान में जाते हैं तो कुछ ख़ास करते हैं और वह 10 से 15 वर्षों से यह लगातार कर रहे हैं जो प्रेरित करती है। और मुझे लगता है मेरे लिए यह कौशल के बारे में नहीं बल्कि वह भूख है जो उनके अंदर है, जिस इरादे से वह मैच खेलते हैं वह मुझे प्रेरित करता है और लंबे समय तक इसी तरह से खेलने की उनकी कला मुझे बेहद प्रेरित करती है।

बाबर आजम ने पाकिस्तान की कप्तानी छोड़ी

बतौर प्लेयर तीनों फॉर्मेट में खेलते रहेंगे; शाहीन टी-20, शान मसूद टेस्ट कप्तान बनाए गए

मुम्बई।
पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने वनडे वर्ल्ड कप में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद कप्तानी छोड़ दी है। उन्होंने गुरुवार 15 नवंबर शाम करीब 7 बजे तीनों फॉर्मेट से टीम की कप्तानी छोड़ने का ऐलान सोशल मीडिया पर किया। बाबर ने लिखा- वे बतौर खिलाड़ी तीनों फॉर्मेट में टीम का हिस्सा रहेंगे।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम वनडे वर्ल्ड कप 2023 के 9 में से 4 ही मैच जीत सकी थी। टीम पॉइंट्स टेबल में 5वें नंबर पर रहकर सेमीफाइनल में भी नहीं पहुंच पाई।

शाहीन टी-20, शान मसूद नए टेस्ट कप्तान

बाबर की जगह तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को नया टी-20 कप्तान बनाया गया। टेस्ट में बैटर शान मसूद कप्तानी करेंगे, वहीं वनडे में अभी तक नए कप्तान की घोषणा नहीं हुई है।

मुश्किल फैसला, लेकिन कप्तानी छोड़ने का यही सही समय

बाबर ने सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट में कहा- मैं आज तीनों फॉर्मेट से पाकिस्तान की कप्तानी छोड़ रहा हूं। ये बहुत मुश्किल फैसला है, लेकिन मुझे लगता है कि इस फैसले के लिए ये सही समय है।

नए कप्तान और टीम का सम्मान करता रहूंगा

मैं तीनों फॉर्मेट में बतौर प्लेयर पाकिस्तान के लिए खेलता रहूंगा। मैं नए कप्तान और टीम का सम्मान करता रहूंगा। जरूरत पड़ने पर अपना अनुभव भी टीम के साथ शेयर करूंगा। कप्तान बनाकर मुझ पर भरोसा दिखाने के लिए मैं पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को धन्यवाद देता हूं।

खिलाड़ी, कोच और मैनेजमेंट की बदौलत हम वनडे, टी-20 में नंबर-1 बने

बाबर ने लिखा- मुझे आज भी याद है जब 2019 में बोर्ड ने मुझे कप्तान बनाया था। इन 4 सालों में मैंने फील्ड के अंदर और बाहर कई उतार-चढ़ाव देखे, लेकिन मेरा फोकस हमेशा से क्रिकेट वर्ल्ड में पाकिस्तान के सम्मान को बढ़ाने पर ही रहा।

खिलाड़ी, कोच और मैनेजमेंट के सपोर्ट से टीम व्हाइट बॉल क्रिकेट में नंबर-1 बनी। इस सफर में मैं पाकिस्तान और मुझे सपोर्ट करने वाले पाकिस्तानी फैंस का धन्यवाद देना चाहूंगा। बाबर की कप्तानी में पाकिस्तान टीम वनडे और टी-20 की टीम रैंकिंग में नंबर-1 पर पहुंची थी।

बाबर को कप्तानी छोड़ने के लिए मजबूर किया गया- रिपोर्ट्स

रिपोर्ट्स के अनुसार, वनडे वर्ल्ड कप में खराब प्रदर्शन के बाद पीसीबी ने बाबर आजम पर कप्तानी छोड़ने का दबाव बनाया। टूर्नामेंट के दौरान ही नेशनल टीम के चीफ सिलेक्टर इंजमाम-उल-हक ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। अब बाबर ने भी तीनों फॉर्मेट की कप्तानी छोड़ दी है।

टूर्नामेंट में भारत से पहला मैच हारा था पाकिस्तान

पाकिस्तान ने वनडे वर्ल्ड कप की शुरुआत नीदरलैंड और श्रीलंका को हराकर की थी, लेकिन तीसरे मुकाबले में टीम को चिर प्रतिद्वंद्वी भारत ने 7 विकेट से करारी शिकस्त दी थी। इस मैच के बाद टीम को ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका और अफगानिस्तान ने लगातार मुकाबले में हराया।

आखिरी मुकाबले में भी टीम इंग्लैंड के खिलाफ हार गई। बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम को जीत मिली, लेकिन टीम 4 जीत के बाद 8 पॉइंट्स के साथ सेमीफाइनल में जगह नहीं बना सकी। टीम पॉइंट्स टेबल में 5वें नंबर पर रही।

पाकिस्तान 2003 से 2023 तक 6 वर्ल्ड कप में केवल एक बार 2011 में ही सेमीफाइनल तक पहुंच सका।

क्या आप भी हैं कॉफी के एडिक्ट, तो ऐसे छुड़ाएं ये आदत!

बहुत से लोगों को कॉफी यानि कैफीन का नशा होता है. कुछ लोग चाहकर भी कैफीन की लत को छोड़ नहीं पाते. आज हम आपको बता रहे हैं कैसे आप आसानी से कुछ टिप्स अपनाकर कैफीन की लत से छुटकारा पा सकते हैं.

डीप ब्रीथ प्रैक्टिस- कैफीन विड्रायल सिम्टम से फाइट करने के लिए डीप ब्रीथ प्रैक्टिस करें. लंबी-लंबी गहरी सांसे लेने से कैफीन की स्ट्रांग क्रेविंग, एंजाइटी और बेचैनी को भी खत्म किया जा सकता है.

खूब पानी पीएं- कैफीन के एडिक्शन से बचने का बेहतर तरीका है कि पानी खूब पीएं. इससे आपकी क्रेविंग भी कम होगी. रोजाना पानी की अधिक मात्रा पीने से बॉडी डिटॉक्सीफाई होगी और आपकी बॉडी को ये हाइड्रेट रखेगा.

बेहतर नींद लें- अच्छी नींद से भी कैफीन की लत छुड़ाने में मदद मिलती है. लेकिन कम नींद लेने से आपकी कैफीन छुड़ाने की लत पर बुरा असर पड़ता है. हेल्दी स्लिप हैबिट अपनाएंगे तो धीरे-धीरे कैफीन की क्रेविंग कम होने लगेगी.

ग्रीन टी- कॉफी के बदले ग्रीन टी लेने की कोशिश करें. इसे पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं तो कि बॉडी से हार्मफुल टॉक्सिंस को बाहर निकालते हैं. ग्रीन टी पीने से ओवरऑल कैफीन इंटेक कम हो जाता है. काफी के बजाय दिनभर में 3 से 4 कप ग्रीन टी पीएं.

कुछ अन्य टिप्स-
रोजाना सुबह एक्सरसाइज करें.हेल्दी जूस का सेवन करें.प्रोटीन और मैग्नीशियम से भरपूर सप्लीमेंट्स या फूड का सेवन करें.जिनसेन हर्ब का इस्तेमाल करें ये कैफीन की लत को छुड़ाने में मदद करेगा.

मेकअप उतारने के कुछ आसान नैचुरल नुस्खे़

ऑफिस, पार्टी, फंक्शन से आने के बाद जितना ज़रूरी कपडे बदलना होता है उतना ही ज़रुरी मेकअप उतारना होता है। इससे आपकी चेहरे की स्किन के रोम छिद्र भी खुल जाते है और पूरे दिन की धूल मिट्टी भी साफ हो जाती है। मेकअप उतारने के लिए आज बाजार में ढेरों प्रोडक्ट मौजूद है। लेकिन इन सब के ना होने के बाद भी आप अपना मेकअप उतार सकती है वो भी सुरक्षित तरीको से। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कुछ ऐसे ही सरल तरीके जिनकी मदद से आप अपना मेकअप तो उतार ही सकती है साथ ही इससे आपकी त्वचा में निखार और चमक भी बरकरार रहेगी ।

दही

दही के फ़ायदे तो हम पहले से ही जानते हैं दही खाने और चेहरे पर लगाने से त्वचा में चमक आती है लेकिन क्या आप जानती हैं कि इसे मेकअप उतारने के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है। जी हां, दही एक मेकअप रिमूवर भी है 7 इसके लिए सबसे पहले दही को अच्छी तरह से फेंट लें 7 फिर इसमें कॉटन बॉल डुबोकर चेहरे पर लगाएं और हल्के हाथों से रगड़ने के बाद जब मेकअप पूरी तरह निकल जाए तो चेहरा पानी से धो लें।

बेबी शैम्पू

बेबी शैम्पू से भी मेकअप रिमूव कर सकते है। एक कप पानी में आठ टी-स्पून ऑलिव ऑयल या कोकोनट ऑयल और आधा टीस्पून बेबी शैम्पू मिलाकर एक बोतल में भरकर आप इसे फ्रीज़ कर सकती है और जरुरत के वक्त इसे मेकअप रिमूव के प्रयोग में ला सकती है।

कच्चा दूध और बादाम तेल

एक टेबलस्पून कच्चे दूध में बादाम के तेल की कुछ बूंदें मिलाकर चेहरे पर लगाएं और हल्के हाथों से मेकअप छुड़ाएं। यह आपकी त्वचा के लिए अच्छा होता है। इससे आपकी त्वचा मुलायम होती है।

जोजोबा एंड विटामिन ई ऑयल:

विटामिन ई त्वचा को मुलायम बनाता है। यह एंटीऑक्सीडेंट के गुणों से भरपूर होता है। जोजोबा ऑयल और एक विटामिन ई कैप्सलू को मिलाकर कांच की बोतल में रख दें । इससे वाटर प्रूफ मस्कारा लिक्विड आई लाइनर भी बिना ज्यादा मेहनत के रिमूव कर सकती है।

नारियल तेल

आपने कोकोनट ऑयल का प्रयोग मॉइश्चराइज़र, लिप बाम की तरह किया होगा। इसके साथ आप मेकअप रिमूवर के तौर पर इसे इस्तेमाल कर सकती है । थोड़ा-सा नारियल तेल हथेली पर लेकर इसे चेहरे पर लगाएं और हल्के हाथों से मालिश करे। ये स्किन को सॉफ्ट बनाता है और दाग-धब्बों को दूर करता है।

आंखों को इस तरह से लाभ पहुंचाता है ये सेब !

सेब के तो आपने बहुत फायदे सुने होंगे लेकिन क्या आप जानते हैं ये आंखों के लिए भी बहुत फायदेमंद है. आज आचार्य बालकृष्ण जी बता रहे हैं सेब के जरिए कैसे आंखों की समस्याओं को दूर रखा जा सकता है.

आंखों की परेशानी में सेब-जब आंखों में सूजन हो, लाली हो या फिर कोई इंफेक्शन हो तो कच्चे सेब को आग में भूनकर इसकी पोटली से आंख की सिंकाई करें. इससे एलर्जी और आंख की बाकी समस्याओं से निजात मिलेगी.

सेब की चाय- सेब की चाय बनाने के लिए कच्चे सेब के टुकड़े सुखा लें. सूखने के बाद इसमें तुलसी का पत्ता, पुदीना, काली मिर्च और लौंग मिलाकर उबाल लें. ये चाय का बेहतर विकल्प है. सेब की चाय सर्दी और खांसी में आराम देती है.

बिच्छू डंक में सेब- सेब की पत्तियां बिच्छू डंक में बहुत ही अच्छा काम करती हैं. सेब की 10 ग्राम पत्तियों को 400 ग्राम पानी में मसलकर डालें. बचा हुए पानी जब 100 ग्राम रह जाए तो उसमें सेंधा नमक डालकर इसका सेवन करें.

सेब के पत्ते के पानी में सेंधा नमक घोलकर 4 से 5 बूंदें बिच्छू के डंक के घाव को भरने के लिए बिच्छू जिस हिस्से में काटा है उसकी दूसरी तरफ कान में डाल दीजिए. आराम मिलेगा.

सर्दियों में हरी मटर खाने के है ये बेमिसाल फायदे, जानिए

यूं तो सभी सब्जियों के अपने अलग-अलग फायदे हैं तथा सभी सेहत के लिए लाभदायक होती हैं। लेकिन कुछ सब्जियां ऐसी होती है जो कि मौसम के अनुसार खाने से ही फायदा करती है। सर्दियों का मौसम शुरू हो गया है और इस मौसम में हरी सब्जियां ज्यादा मिलती है।

मटर सर्दियों की सबसे अहम सब्जियों में से एक होती है। बहुत कम ही लोग होते है जो मटर के गुणों के बारे में जानते हैं। खाने खाने से आप कई तरह की गंभीर बीमारियों से भी बच सकते है। इसका रोजाना सेवन करने से कैंसर, मोटापा से बचाव होता है। जानिए इसको सेवन करने के फायदो के बारें में।

कैंसर से करें बाचव

मटर के सेवन से कैंसर का खतरा कम होता है। हर रोज इसे खाने से शरीर से कैंसर के घातक एलीमेंट दूर हो जाते है।

मोटापा से दिलाए निजात

यह फाइबर से भरपूर होती है। यह हमारी बॉडी को एनर्जी देने के साथ-साथ मेटाबॉल्जिम को बढ़ाता है। जिससे कि बॉडी से फैट की मात्रा को भी कम करता है।

मधुमेह

मटर खाने से मधुमेह नहीं होता है। मटर शरीर में खून के स्तर को नियंत्रित करता है। जिससे की डायबिटीस की समस्या नहीं होती है।

कोलेस्ट्रॉल को करें कम

मटर हमारी बॉडी में कोलेस्ट्रॉल को बढ़ने नहीं देती है। मटर खाने से बॉडी में ट्राइग्लिसराइड्स का स्तर बढ़ता नहीं है। जिससे कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित रहता है।

उंगलियों की सूजन को करें कम

सर्दियों के दिनों जिन लोगों की उंगलियां सूज जाती है उनके लिए मटर काफी लाभदायक सिद्ध होता है। मटर के काढ़े के अंदर उंगलियां डुबोने से सूजन कम हो जाती है।

रखें जवां

मटर खाने से आपकी त्वचा लंबे समय के लिए जवान रहती है। इसमें फ्लैवानॉड्स, फाइटोन्यूटिंस, कैरोटिन जैसे एंटी ऑक्सीडेंट होते हैं।

याददाश्त बढ़ाएं

मटर का सेवन करने से याददाश्त बढ़ती है और यह फेफड़ों संबंधी बीमारियों को भी दूर करती है।

हड्डियों को रखें मजबूत

मटर में विटामिन होता है जो की हड्डियों के लिए फायदेमंद होता है। यह ऑस्टियोपोरोसिस के मरीजों के लिए असरदार होती है।

चेहरे की झाइयों को करें कम

मटर सेहत के लिए तो लाभदायक है ही साथ ही साथ सौंदर्य के लिए भी असरदार साबित होती है। मटर के आटे का उबटन चेहरे पर लगाने से चेहरे की झाइयां कम होती है।

टॉन्सिल की दिक्कत से जुड़ी हुई हैं ये समस्याएं भी

टॉन्सिल होने पर गले के दोनों ओर सूजन आ जाती है। शुरुआत में मुंह के अंदर गले के दोनों ओर दर्द महसूस होता है और बार-बार बुखार भी आता है। टॉन्सिल्स सामान्य से ज्यादा लाल हो जाते हैं लेकिन क्या आप जानते हैं कि टॉन्सिल के कारण आपको कई अन्य तरह की स्वास्थ्य समस्याएं भी हो सकती हैं। कुछ ऐसी ही समस्याओं पर एक नजर-

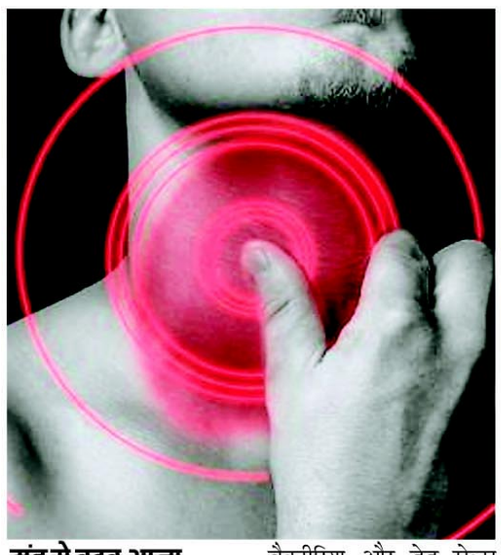

मुंह से बदबू आना

राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान के अनुसार, दुनिया की आधी आबादी मुंह की सफाई न करने के कारण मुंह की बदबू से ग्रस्त हैं। लेकिन टॉन्सिल की समस्या होने पर भी सांसों से बदबू आने लगती है। टॉन्सिल ग्लैंड दरारों से भरा होता है जहां बैक्टीरिया और डेड सेल्स अटक जाते हैं और इनके कारण मुंह से बदबू आने लगती है।

खर्राटों की समस्या

गले में बढ़े हुए टॉन्सिल के कारण आपको खर्राटों की समस्या हो सकती है। अमेरिकन अकादमी ऑफ ओटालर्यनॉलजी के अनुसार, बढ़े हुए टॉन्सिल से खर्राटों की समस्या हो सकती है। जब बार-बार होने वाले संक्रमण के कारण टॉन्सिल का आकार बढ़ने लगता है तो गले में हवा के बहाव में रुकावट आने लगती है। जिससे खर्राटे की समस्या होती है।

साइनस इन्फेक्शन

बढ़े हुए टॉन्सिल से बार-बार साइनस और कान में इन्फेक्शन की समस्या हो सकती है। ऐसा नाक और कान को जोड़ने वाली नली बंद हो जाने से होता है और कान के पर्दे के पीछे पानी जमा हो जाता है। कभी-कभी कान से पस बाहर आने लगता है। इससे सुनने की क्षमता कम होने लगती है।

सिरदर्द की समस्या

बढ़े हुए टॉन्सिल के कारण सोते समय सांस लेने में भी परेशानी होती है। नींद में इस तरह का खलल आने से ब्रेन तक सही मात्रा में ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाती और इसकी कमी से रक्त-वाहिनियों का आकार बढ़ जाता है और सिरदर्द होने लगता है।

प्लास्टिक के डिब्बों को साफ करने के लिए आजमाएं ये तरीके

आज के समय में ज्यादातर लोग स्टील और एल्युमिनियम के डिब्बों की जगह प्लास्टिक के डिब्बों का इस्तेमाल करना पसंद करते हैं। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि ये डिब्बे काफी हल्के होते हैं और इनके टूटने का डर भी नहीं होता। आजकल बाजार में ऐसे कंटेनर भी आ गए हैं जिन्हें माइक्रोवेव में भी रखा जा सकता है। इनमें खाना फ्रेश बना रहता है और साथ ही यह देखने में काफी आकर्षक भी होते हैं। हालाकि प्लास्टिक के कंटेनर का इस्तेमाल बहुत लंबे समय तक नहीं करना चाहिए साथ ही इनकी सफाई का भी पूरा ख्याल रखना चाहिए, वरना ये नुकसानदेह हो सकते हैं।

कई बार प्लास्टिक के डिब्बों को अच्छे से साफ न करने पर उनमें से बदबू आने लगती है और चिकनाहट बनी रह जाती है। ऐसे में यह जरूरी है कि आपको इन्हें साफ करने का सही तरीका पता हो-

1. बदबू दूर करने के लिए

अगर आपके प्लास्टिक के बॉक्स से बदबू आ रही है तो यह घरेलू उपाय आपके लिए उपयोगी रहेगा। एक बाल्टी गर्म पानी ले लें और उसमें तीन चम्मच बेकिंग सोडा डाल दें। प्लास्टिक के इन बॉक्स को बाल्टी में डाल दें। कुछ देर बाद इन्हें निकालकर साफ करें। आप चाहें तो बाल्टी के इस पानी में नींबू का रस और सिरका भी मिला सकते हैं।

2. जिद्दी दाग

अगर आपके प्लास्टिक के डिब्बों पर जिद्दी दाग हैं तो उन्हें साफ करने के लिए क्लोरीन ब्लीच का इस्तेमाल करना सबसे अच्छा रहेगा। दाग लगे डिब्बों को ब्लीच के इस मिश्रण में डालें। कुछ देर बाद इन्हें निकालकर साबुन से धो लें। दाग दूर हो जाएंगे।

3. रख-रखाव

अगर आप नहीं चाहते कि प्लास्टिक के डिब्बों से बदबू आए तो एक बात का ख्याल हमेशा रखें कि इनमें लंबे समय तक खाना न रखें। साथ ही हर कंटेनर माइक्रोवेव फ्रेंडली हो, यह जरूरी नहीं। ऐसे में बिना जांचें इन्हें माइक्रोवेव में न रखें।

इस छोटी सी ट्रिक से मिलेगा अनचाहे बालों से छुटकारा

यूं तो महिलाएं बॉडी के अनचाहे बालों से परेशान रहती ही हैं लेकिन सबसे ज्यादा उन्हें परेशानी होती है चेहरे पर आने वाले अनचाहे बालों से. लेकिन अब परेशान होने की जरूरत नहीं. आप आसानी से चेहरे के अनचाहे बालों को हमेशा के लिए अलविदा कह सकती हैं. लेकिन इसके लिए अपनानी होगी ये ट्रिक.

सबसे पहले आप 1 टेबल स्पून ओटमील पेस्ट लें. 2 टेबल स्पून शहद लें और 2 टेबल स्पून नींबू का रस लें.

इन सभी को मिलाकर पेस्ट बना लें. इस पेस्ट को चेहरे के उन हिस्सों पर लगाएं जहां आप अनचाहे बालों को हटाना चाहते हैं.

इस पेस्ट को चेहरे पर 15 मिनट तक लगा रहने दें.15 मिनट बाद हल्के गुनगुने पानी से चेहरा धो लें.उसके बाद चेहरे पर मॉश्चराइजर लगाएं.इस नुस्खे को सप्ताह में दो से तीन बार अपनाएं. एक महीने बाद आप खुद देखेंगे अनचाहे बाल आने बंद हो गए हैं.

सर्दियों में त्वचा को यूं बनाएं खूबसूरत !

बदलते मौसम के साथ ही स्किन की खास देखभाल करना और भी जरूरी हो जाता है. स्किन में निखार लाने के लिए क्रीम और सीरम लगाने के अलावा कुछ ऐसे इंग्रेडीएंट्स भी हैं जो आपकी त्वचा को चमकदार और खूबसूरत बना सकते हैं. काया लिमिटेड की प्रमुख मेडिकल सर्विसेज एंड आर एंड डी संगीता वेलासकर ने अपनी खूबसूरती को लेकर विशेष रूप से सजग रहने वाली महिलाओं के लिए कुछ सुझाव दिए हैं.

कोलेजन हमारी कोशिकाओं से निकलने वाले प्रोटीन हैं जो त्वचा को एक साथ जकड़ कर रखने में मददगार होता है. कोलेजन त्वचा में कसाव लाकर जवां लुक देता है. जब हम युवा होते हैं तो हमारी त्वचा मोटी और कोमल होती है लेकिन उम्र बढ़ने के साथ कोलेजन बनना कम हो जाता है, जिसके चलते झुर्रियां पड़ने लगती है और जो कोलेजन मौजूद होते हैं वह भी सूर्य की हानिकारक किरणों के कारण नष्ट हो जाते हैं, इसलिए कोलेजन युक्त उत्पादों का इस्तेमाल करें. इससे आपकी त्वचा में कसाव और चमक आएगी और झुर्रियां और महीन रेखाएं खत्म हो जाएंगी.एसेटिल हेक्सेपेप्टाइड-8 एक प्रकार से न्यूरोपेप्टाइड होता है, जिसका इस्तेमाल मांसपेशियों को आराम देने के लिए किया जाता है.

यह झुर्रियां और महीन रेखाएं भी दूर करता है, इसलिए एसेटिल हेक्सेपेप्टाइड-8 युक्त सौंदर्य उत्पाद का इस्तेमाल करें.शरीर में कोलेजन बनना कम होने से झुर्रियां पड़ने लगती है, जबकि अत्यधिक कोलेजन से त्वचा ढीली होने लगती है.

ऐसे में हायलारोनिक युक्त उत्पाद का प्रयोग त्वचा में एसिड कोलोजन के स्तर को उचित मात्रा में बनाए रखता है और त्वचा में नमी बरकरार रखता है. इससे आपकी त्वचा जवां नजर आती है.ग्लाइकोलिक एसिड गन्ने के रस से निकलता है. यह अल्फा हायड्रॉक्सी समूह के सबसे छोटे अणुओं में से एक है. यह त्वचा में गहराई से समाकर प्रभावकारी असर दिखाता है, ग्लाइकोलिक एसिड युक्त उत्पाद के इस्तेमाल से काले धब्बे, मुंहासे, डलनेस, ऑयलीनेस दूर होता है और आपकी त्वचा पहले से ज्यादा जवां और निखरी नजर आती है.

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)